

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:324। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 15 जुलाई 2026 (बुधवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

भोजशाला परिसर में नमाज पर रोक जारी

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश- मुस्लिम पक्ष को अलग जगह दें

एजेंसी

अयोध्या । सुप्रीम कोर्ट ने भोजशाला मामले पर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ विभिन्न मुस्लिम पक्षों द्वारा दायर याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई की। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने याचिकाओं पर फिलहाल कोई अंतरिम आदेश जारी करने से इनकार कर दिया और हाईकोर्ट के फैसले से पूर्व की स्थिति बहाल करने से इनकार कर दिया। जिसके चलते अभी भोजशाला परिसर में नमाज पर रोक जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस तथा अन्य हिंदू पक्षकारों को नोटिस जारी किया।



अदालत ने क्या दिया निर्देश?

पीठ ने हालांकि राज्य सरकार को निर्देश दिया कि मुस्लिम पक्ष को भोजशाला के पास ही अलग जगह दी जाए, जहां मुस्लिम शुक्रवार को दोपहर 1 बजे से 3 बजे के बीच नमाज अदा कर सकें। पीठ ने साफ किया कि अंतिम फैसले तक यह निर्देश अस्थायी है। मुस्लिम पक्ष के वकील हुजैफा अहमदी की याचिका को स्वीकार करते हुए पीठ ने निर्देश दिया कि एएसआई, बिना अदालत की मंजूरी के भोजशाला परिसर में ढांचागत बदलाव नहीं करेगा।

मुस्लिम पक्ष ने दी ये दलीलें

अदालत ने यह भी कहा कि मामले को अंतिम सुनवाई के लिए शीघ्र सूचीबद्ध किया जाएगा। पीठ ने कहा कि वे इस मामले पर जुलाई के तीसरे हफ्ते में अंतिम सुनवाई कर सकते हैं। सुनवाई के दौरान मुस्लिम पक्ष के वकील हुजैफा अहमदी ने कहा कि हाईकोर्ट ने उन्हें सुप्रीम कोर्ट में अपील का मौका भी नहीं दिया। साल 2003 में एएसआई ने आदेश दिया था कि हफ्ते में एक दिन शुक्रवार को नमाज अदा की जाएगी और एक दिन मंगलवार को पूजा होगी। आज हमें पूरी तरह से बाहर कर दिया गया है? ये बहुत गलत है। मुस्लिम पक्ष के वकील ने कहा कि एएसआई की रिपोर्ट करने वाले लोगों से पूछताछ भी नहीं की गई। हुजैफा ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक की मांग की। वरिष्ठ वकील सिंघवी ने कहा कि कुछ जगहों पर मंदिर हो सकते हैं, लेकिन इतिहास में पीछे जाने की जरूरत नहीं है। सिंघवी ने कहा, यहां 700 वर्षों से यहां नमाज हो रही है। 1927 -28 के सर्वे में कहा गया कि ये एक मस्जिद है। एमपी वक्फ एक्ट का नोटिफिकेशन भी यही कहता है। साल 1977 से यहां नमाज के साथ बसंत पंचमी की पूजा भी हो रही है, लेकिन हिंदू पक्ष की रिट याचिका पर आदेश पारित कर दिया गया।

कर्नाटक में बनेगा भारत का पहला सरकारी एआई विश्वविद्यालय, सीएम शिवकुमार का ऐलान

एजेंसी

बेंगलुरु,। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने मंगलवार को भारत का पहला सरकारी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) विश्वविद्यालय स्थापित करने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने राज्य को जिम्मेदार एआई नवाचार का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में बड़ा कदम बताया। बेंगलुरु इंटरनेशनल एग्जीबिशन सेंटर (बीआईईसी) में आयोजित गूगल आईओ कनेक्ट इंडिया 2026 के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रस्तावित एआई विश्वविद्यालय विश्वस्तरीय एआई प्रतिभाओं को तैयार करने, उन्नत शोध को बढ़ावा देने और शिक्षा, उद्योग तथा सरकार के बीच सहयोग मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर उन्होंने एआई हब स्थापित करने की भी घोषणा की, जो अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) के लिए एक इनक्यूबेशन सेंटर के



रूप में कार्य करेगा। यह हब स्टार्टअप्स, कंपनियों, शैक्षणिक संस्थानों और नवाचारकर्ताओं को एक मंच पर लाकर एआई आधारित समाधानों के विकास को गति देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मौजूदा दौर की सबसे बड़ी तकनीकी क्रांति है, जिसकी तुलना भाप इंजन, बिजली, इंटरनेट और मोबाइल तकनीक जैसी ऐतिहासिक तकनीकी क्रांतियों से की जा सकती है। उन्होंने कहा, 'कर्नाटक का लक्ष्य

'शिवकुमार ने बताया कि कर्नाटक भारत के कुल सॉफ्टवेयर निर्यात में लगभग 40 प्रतिशत योगदान देता है। वहीं, बेंगलुरु में 17,000 से अधिक स्टार्टअप्स और हजारों ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स वैश्विक बाजार के लिए तकनीकी उत्पाद विकसित कर रहे हैं।

दुनिया के अग्रणी जिम्मेदार एआई केंद्रों में शामिल होना है। बेंगलुरु केवल भारत की टेक राजधानी नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे जीवंत नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र (इनोवेशन इकोसिस्टम) में से एक है।

आफत की बारिश....



गुवाहाटी में भारी बारिश हुई। इसके बाद सड़क पर 2 से 3 फीट तक पानी भर गया, जिसमें कई गाड़ियां फंसी हुई नजर आईं।



उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में मानसून की बारिश के बाद गंगा में वाटर लेवल बढ़ गया। दशाश्वमेध घाट आंशिक रूप से डूब गए।

रेलवे में संरचनात्मक सुधारों का ऐलान

● 'रेल भूमि' पोर्टल से तेज होगी भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण के लिए मंगलवार को कई महत्वपूर्ण संरचनात्मक सुधारों की घोषणा करते हुए कहा कि रेलवे भूमि अधिग्रहण की पूरी प्रक्रिया के डिजिटलीकरण के लिए 'रेल भूमि' पोर्टल शुरू करेगा।

यह वेब-आधारित प्लेटफॉर्म भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, तेज और प्रभावी बनाएगा तथा विभिन्न रेलवे प्रणालियों को एकीकृत कर परियोजनाओं की निगरानी, मुआवजा वितरण और वैधानिक प्रक्रियाओं को ऑनलाइन संचालित करेगा।

वैष्णव ने रेल भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि रेलवे में व्यापक सुधारों का अभियान चलाया जा रहा है और इसी क्रम में वर्ष 2026 के दौरान 52 सुधार लागू किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि निर्माण, माल परिवहन,



कौशल विकास, वैगन डिजाइन और कंटेनर नीति सहित कई क्षेत्रों में बड़े बदलाव किए गए हैं। रेल मंत्री ने बताया कि फ्लाई ऐश का परिवहन अब खुले वैगनों के बजाय कंटेनरों में किया जाएगा। इससे परिवहन, भंडारण और अनलोडिंग के दौरान धूल से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण पर रोक लगेगी। उन्होंने बताया कि देश में प्रतिवर्ष लगभग 340 मिलियन मीट्रिक टन फ्लाई ऐश उत्पन्न होती है, जिसमें से 96 मिलियन मीट्रिक टन सीमेंट उद्योग में उपयोग होती है, जबकि रेलमार्ग से केवल 13 मिलियन मीट्रिक टन यानी लगभग चार प्रतिशत फ्लाई ऐश का परिवहन होता है। कंटेनर आधारित प्रणाली से प्रदूषण कम होगा तथा सामग्री का सुरक्षित भंडारण और आसान हैंडलिंग संभव होगी।

रेलवे ने कंटेनर ट्रेन ऑपरेटर (सीटीओ) नीति में भी व्यापक बदलाव किए

अब पूरे भारतीय रेलवे नेटवर्क के लिए एकीकृत अखिल भारतीय लाइसेंस की व्यवस्था होगी। सभी मार्गों के लिए 25 करोड़ रुपये का समान पंजीकरण शुल्क लागू किया गया है तथा 20 वर्ष सफल संचालन के बाद लाइसेंस के नवीनीकरण पर कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। इससे कंटेनर परिवहन क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और लॉजिस्टिक्स अधिक सरल एवं किफायती होंगे। मंत्री ने बताया कि उर्वरकों के परिवहन में भी सुधार किए गए हैं।

महाराष्ट्र के पुणे जिले के मोशी बिल्डिंग हादसे की जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित

● इस हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई थी

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को पुणे जिले के मोशी बिल्डिंग हादसे की जांच के लिए पुणे डिविजनल कमिश्नर शीतल तेली-उगाले की अध्यक्षता में छह सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह कमेटी कचरे के ढेर के ढहने के मुख्य कारणों का पता लगाएगी और तकनीकी पहलुओं की जांच करेगी। समयऔर कैलेंडर महाराष्ट्र सरकार के नगर विकास विभाग के सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि 8 जुलाई को मोशी वेस्ट-टू-एनर्जी प्रोजेक्ट में हुए हादसे की जांच के लिए छह सदस्यों वाली एक हाई-लेवल टेक्निकल कमेटी बनाई गई है। इस हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई थी। कमेटी इस आपदा का कारण बनी कमियों के लिए जिम्मेदारी तय करेगी और जिम्मेदार अधिकारियों, ठेकेदारों और एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश करेगी। इस उच्च



स्तरीय समिति को एक महीने के भीतर शुरुआती रिपोर्ट देने और दो महीने के भीतर अंतिम रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। अंतिम रिपोर्ट में जिम्मेदार लोगों की स्पष्ट पहचान करनी होगी और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सुधारात्मक उपायों की सिफारिश करनी होगी।

महानगर मेट्रो धमकियों से नहीं डरेगा

लातेहार में 20 लाख का इनामी माओवादी रविंद्र गंझू गिरफ्तार

एके-56 समेत भारी मात्रा में हथियार बरामद

एजेंसी

लातेहार। लातेहार पुलिस ने प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा (माओवादी) के रीजनल कमेटी सदस्य और 20 लाख रुपये के इनामी माओवादी रविंद्र गंझू को गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से एक एके-56 राइफल, एक पिस्टल, एक अन्य राइफल, 239 कारतूस तथा अन्य नक्सली सामग्री बरामद की गई है। रविंद्र गंझू लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र स्थित हेसला बांझीटोला गांव का निवासी है। मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में पुलिस अधीक्षक (एसपी) कुमार गौरव ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि रविंद्र गंझू अपने घर आया हुआ है। सूचना के आधार पर कोबरा-209 बटालियन के उप कमांडेंट दीपक कुमार के नेतृत्व में पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम का गठन किया गया। टीम ने उसके घर की घेराबंदी कर छापेमारी की और बिना किसी नुकसान के उसे गिरफ्तार कर लिया।



अमरनाथ गुफा के लिए 5,335 तीर्थयात्रियों का 13वां जत्था जम्मू से रवाना

जम्मू। वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों का 13वां जत्था मंगलवार सुबह जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के बीच रवाना हुआ। 5,335 श्रद्धालु कश्मीर के बालटाल और पहलगाम स्थित दोहरे आधार शिविरों की ओर बढ़ रहे हैं। संयुक्त पुलिस नियंत्रण कक्ष (जेपीसीआर) के अनुसार बालटाल मार्ग से काफिला सुबह 2:42 बजे रवाना हुआ, जबकि पहलगाम मार्ग से काफिला सुबह 3:10 बजे जम्मू और कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की सुरक्षा में रवाना हुआ। कुल तीर्थयात्रियों में से 1,736 बालटाल मार्ग से और 3,599 ने पारंपरिक पहलगाम मार्ग से यात्रा की। तीर्थयात्रियों में 3,911 पुरुष, 1,288 महिलाएं, 21 बच्चे, 90 साधु, 24 साध्वियां और एक ट्रांसजेंडर तीर्थयात्री शामिल थे। इस काफिले में 232 वाहन थे जिनमें 138 बसें, 36 मध्यम मोटर वाहन (एमएमवी), 57 हल्के मोटर वाहन (एलएमवी) और एक दोपहिया वाहन शामिल थे। इनमें से 99 वाहन बालटाल की ओर रवाना हुए जबकि 133 वाहन पहलगाम की ओर बढ़े। नवीनतम जत्थे के प्रस्थान के साथ ही इस वर्ष बागवती नगर जम्मू से गुफा मंदिर के लिए रवाना होने वाले तीर्थयात्रियों की कुल संख्या 93,036 हो गई है।

महानगर मेट्रो के एडिटर पवन माकन को फोन पर जान से मारने की धमकी और गाली-गलौज मिली, जिससे पुलिस फोर्स में भारी हंगामा

सच बताते ही होश में आया कमाउ का बेटा भूपत रबारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

कर्जन/वडोदरा। वडोदरा जिले के करजण तालुका में करोड़ों के किस्तों वाले लोन, अवैध देसी-विदेशी शराब के अड्डे और जुए के अड्डों की सनसनीखेज खबरें सामने आई हैं, जिससे भ्रष्ट अधिकारियों, वहीवटदार और अवैध शराब के धंधेबाजों के साम्राज्य में बड़ा भूचाल आ गया है। वडोदरा LCB PI के तथाकथित कमाऊ बेटे और जबरन वसूली करने वाले वहीवटदार भूपत रबारी का असली चेहरा जब महानगर मेट्रो अखबार ने पूरे राज्य के सामने सबूतों के साथ उजागर किया, तो इस हैरान और डरे हुए सरकारी क्लर्क ने पत्रकारिता के चौथे पिलर को डराने और दबाने की बहुत ही घटिया कोशिश की है। वडोदरा LCB PI के तथाकथित कमाऊ बेटे और जबरन वसूली करने वाले वहीवटदार भूपत रबारी का असली चेहरा जब महानगर मेट्रो अखबार ने अपनी अथॉरिटी और कथित पावर के नशे में चूर भूपत रबारी ने महानगर मेट्रो अखबार के एडिटर-इन-चीफ पवन माकन को फोन करके सबके सामने जान से मारने की धमकी दी है। इस वहीवटदार ने बहुत ही शर्मनाक और गंदी गालियां देते हुए धमकी दी है कि, 'अगर तुमने मेरे या मेरे बॉस के खिलाफ अखबार में दोबारा कुछ भी छापा, तो मैं तुम्हें सड़क पर खत्म कर दूंगा और बुरी तरह पीटूंगा। इस सनसनीखेज घटना के बाद, बेखौफ एडिटर पवन माकन ने तुरंत राज्य के मुख्यमंत्री, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी और वडोदरा जिले के पुलिस सुपरिटेंडेंट सुशील अग्रवाल को सबूतों के साथ एक लिखित शिकायत भेजी है और मांग की है कि इस भ्रष्ट और गैंगस्टर के खिलाफ तुरंत केस दर्ज किया जाए और उसे सख्त जेल की सजा दी जाए। प्रशासन को जाग जाना चाहिए और देखना चाहिए यही है PI वहीवटदार भूपत रबारी की असली पावर कानून की रक्षा के लिए सरकारी सैलरी और वर्दी पाने वाले इस वहीवटदार की हिम्मत इस हद तक सामने आ गई है कि वह अब खुद मीडिया हाउस के एडिटर का गला घोंटने पर उतर आया है। कर्जन में चल रही गैर-कानूनी गतिविधियों का खुलासा करने वाली रिपोर्ट के एयर होने के बाद, पूरे करप्ट गैंग के वहीवटदार को धमकी मिली है। रिपोर्ट में कर्जन पुलिस स्टेशन से सिर्फ़ 2 किलोमीटर दूर करमडी गाँव में चल रही 15 से ज़्यादा केमिकल वाली देसी शराब की भट्टियों, कुलारी और सापा गाँवों में वर्ली मटका जुआ, कथित BJP युवा मोर्चा के पदाधिकारी पार्थ शाह के नाम पर विदेशी शराब की ब्लैक मार्केट और कंडारी-बरियावास में अंग्रेजी शराब के नेटवर्क का खुलासा हुआ है। स्टेट मॉनिटरिंग सेल की रेड से पहले ही, वडोदरा LCB का यह करप्ट गैंग बूटलेगरों को लोकेशन लीक कर देता है और उनसे कहता है, 'गाड़ी निकल गई है, अड्डा बंद करो!' जैसे ही इस बहुत गंभीर और देशद्रोही गतिविधि का खुलासा हुआ, वहीवटदार भूपत रबारी अपने आकाओं की करोड़ों की किश्तों की कमाई रुकने के डर से गुंडागर्दी पर उतर आए हैं।



वडोदरा डिस्ट्रिक्ट पुलिस चीफ से सीधे सवाल:

क्या करप्ट लोगों का साइलेंट सपोर्ट है? 1. इंस्पेक्टर जनरल ऑफ़ पुलिस और वडोदरा SP सुशील अग्रवाल अपनी नाक के नीचे चल रहे इस करोड़ों की किश्तों और पत्रकार को जान से मारने की धमकी देने वाले भूपत रबारी के खिलाफ तुरंत एक्शन क्यों नहीं ले रहे हैं? क्या वहीवटदार द्वारा इन किश्तों का वितरण ऊपर तक जाता है?

2. अगर भूपत रबारी एक पत्रकार और एडिटर को इतनी गंभीर धमकियां देने के बाद भी खुलेआम घूमते रहे, तो वडोदरा पुलिस की इज्जत मिट्टी में मिल जाएगी। ऐसे गुंडा तत्वों के खिलाफ केस कब दर्ज होगा?

3. राज्य सरकार गांधीनगर में बैठे गृह मंत्री हर्ष संघवी की नकल करने वाले इन एडमिनिस्ट्रेटर पर कब आंखें मूंदेगी, जो राज्य में सख्त कानून व्यवस्था का दावा करते हैं?

' महानगर मेट्रो धमकियों से न तो झुकेगा और न ही रुकेगा!

'महानगर मेट्रो' अखबार इन भ्रष्ट पुलिस अधिकारियों और वहीवटदार को साफ चेतावनी देता है कि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ ऐसी धमकियों से कभी नहीं दब सकता। जनता की आवाज बनकर सच छापने का हमारा सफर और भी जोश के साथ जारी रहेगा। 'महानगर मेट्रो' अब पत्रकारों के खिलाफ गुंडागर्दी करने वाले भ्रष्ट अधिकारियों भूपत रबारी, खोड़ा रबारी और पूरे हसा नेटवर्क के खिलाफ कानूनी और पत्रकारिता के स्तर पर एक बड़ी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है। अब देखना यह है कि मुख्यमंत्री और गृह मंत्री की साफ छवि को खराब करने वाले और एक पत्रकार को जान से मारने की धमकी देने वाले इस भ्रष्ट पुलिस अधिकारी पर गांधीनगर से कब जोरदार हथौड़ा चलेगा और उसे सलाखों के पीछे डाला जाएगा!

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

भगवान जगन्नाथ अपने मामा के घर इदर से निजधाम लौटे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। 28वीं रथ यात्रा 16 जुलाई को इदर में शुरू होगी। भगवान जगन्नाथ साबरकांठा जिले के इदर में अपने मामा के घर चार दिन रहने के बाद धूमधाम से निजधाम लौटे। संतों, पुजारियों और स्थानीय लोगों ने भव्य आरती की और भगवान को सुंदर गहनों से सजाया गया। आस-पास के इलाके के लोग इकट्ठा हुए और DJ की धुन और 'जय रणछोड़, माखन चोर' के नारे के साथ भगवान को भावभीनी विदाई दे रहे थे। भगवान जगन्नाथ की 28वीं भव्य रथ यात्रा 16 जुलाई को आषाढ़ी बीज के पवित्र दिन इदर में होने जा रही है, जिसे लेकर पूरे शहर में काफी उत्साह है। यह पक्का करने के लिए कि कोई अनचाही घटना न हो और रथ यात्रा शांति से खत्म हो, इदर पुलिस सुबह से ही इंद्रानगर सोसाइटी में तैनात है और रथ यात्रा के रास्ते पर पूरी सुरक्षा तैयारियां कर ली हैं।



रात के अंधेरे में हाईवे पर रोती हुई मिली 11 साल की बच्ची को कुछ ही घंटों में उसके परिवार से मिलवाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। लिमडी पुलिस ने दाहोद-झालोद हाईवे पर पावड़ी गांव के पास रात के अंधेरे में अकेली और रोती हुई मिली 11 साल की बच्ची को कुछ ही घंटों में उसके परिवार से मिलवाकर इंसानियत की एक तारीफ़ के काबिल मिसाल पेश की है। मिली जानकारी के मुताबिक, लिमडी पुलिस स्टेशन की शि टीम हाईवे इलाके में पेट्रोलिंग कर रही थी, तभी पावड़ी गांव के पास एक बच्ची डरी हुई और रोती हुई मिली। टीम तुरंत बच्ची को सुरक्षित लिमडी पुलिस स्टेशन ले आई और उसकी देखभाल की। लिमडी पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर वी.पी. पटेल की गाइडेंस में शि टीम के लोगों ने बच्ची से उसकी भाषा में प्यार और अपनेपन से बात की। बच्ची ने तब बताया कि उसका नाम प्रतीक्षाबेन जेंटीभाई निनामा है। उसने बताया कि वह चोसाला गांव के एक आश्रम स्कूल में पढ़ती है और शाम करीब 5 बजे आश्रम स्कूल से निकलने के बाद वह रास्ता भूल गई और रात में हाईवे पर पहुंच गई। पुलिस ने तुरंत जांच की और लड़की के पिता जेंतीभाई कडकियाभाई निनामा, निवासी थाला, तलावा फलियुन, ता. गोविंदगुरु लिमडी, जी. दाहोद से संपर्क किया। जरूरी वेरिफिकेशन के बाद लड़की को सुरक्षित उसके पिता को सौंप दिया गया। अपनी बेटी को सुरक्षित वापस पाकर परिवार ने लिमडी पुलिस, पुलिस इंस्पेक्टर वी.पी. पटेल और SHI टीम का दिल से शुक्रिया अदा किया। इस पूरे ऑपरेशन में लिमडी पुलिस ने न सिर्फ कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाई है, बल्कि इंसानियत, संवेदनशीलता और तुरंत कार्रवाई का एक बेहतरीन उदाहरण पेश करके लोगों का पुलिस पर भरोसा भी मजबूत किया है।



हिम्मतनगर के खेड़ तसिया रोड पर रात में कार में आग लग गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। सुंदरगढ़ के पास शॉर्ट सर्किट, ड्राइवर और पुलिसकर्मी समेत तीन को बचाया गया साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर में खेड़ तसिया रोड पर सुंदरगढ़ गांव के पास बीती रात शॉर्ट सर्किट से एक कार में आग लग गई। ड्राइवर समेत तीन लोग टाइम सिग्नल का इस्तेमाल करके बाहर निकल गए और उन्हें बचा लिया गया। फायर डिपार्टमेंट ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। हिम्मतनगर नगर पालिका के फायर डिपार्टमेंट के फायर ऑफिसर मयंक पटेल ने बताया कि घटना सोमवार रात करीब 12 बजे की है। खेड़ तसिया रोड पर सुंदरगढ़ पाटिया के पास GJ BG.4665 नंबर की स्विफ्ट कार के इंजन में आगे के बोनट में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। ड्राइवर, पुलिसकर्मी भूपेंद्रसिंह चौहान समेत तीन लोग तुरंत कार से बाहर निकल गए। कुछ ही देर में पूरी कार आग की लपटों में घिर गई। कॉल मिलने पर फायर टीम मौके पर पहुंची और पानी की बौछार करके आग बुझाई। पुलिसकर्मी भूपेंद्रसिंह चौहान ने फोन पर हुई बातचीत में बताया कि वह हिम्मतनगर के मोतीपुरा से खेड़ तसिया रोड पर मधुवन विला में अपने घर आ रहे थे। उस समय कार की आगे की लाइट बंद थी और सुंदरगढ़ पाटिया के पास इंजन में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। उन्होंने तुरंत पुलिस और फायर डिपार्टमेंट को सूचना दी।



सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस रविराजसिंह जडेजा ने जलोद पुलिस स्टेशन का सालाना इंस्पेक्शन किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोद। दाहोद डिस्ट्रिक्ट सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस रविराजसिंह जडेजा ने मंगलवार को जलोद पुलिस स्टेशन का दौरा किया और सालाना इंस्पेक्शन किया। डिस्ट्रिक्ट पुलिस चीफ के आने पर जलोद डिवीज़न के डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस डी.आर. पटेल ने गुलदस्ता देकर गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद, जलोद पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर रवि गामित की लीडरशिप में पुलिस कर्मियों ने परेड निकाली और डिस्ट्रिक्ट पुलिस सुपरिटेंडेंट को गार्ड ऑफ़ ऑनर (सलामी) दी गई। डिस्ट्रिक्ट सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस ने परेड का इंस्पेक्शन किया और पुलिस कर्मियों के डिसिप्लिन, परफॉर्मेंस और तैयारियों का रिव्यू किया। इंस्पेक्शन के दौरान, पुलिस स्टेशन के अलग-अलग रजिस्टर, क्राइम इन्वेस्टिगेशन वर्क, वेयरहाउस, हथियारों का मेंटेनेंस, लॉकअप, रिकॉर्ड, CCTNS. पुलिस स्टेशन के अलग-अलग एडमिनिस्ट्रेटिव और लॉ एंड ऑर्डर से जुड़े मामलों की डिटेल में जांच की गई। इसके साथ ही थाने की साफ-सफाई, डॉक्यूमेंट्स के रखरखाव और पब्लिक-ओरिएंटेड पुलिसिंग को और असरदार बनाने के लिए भी ज़रूरी गाइडेंस दी गई। जिला पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मीटिंग की और अपराधों को जल्दी सुलझाने, कानून व्यवस्था बनाए रखने, जनता से दोस्ताना संबंध बनाए रखने और जनता का भरोसा मजबूत करने की दिशा में काम करने के सुझाव दिए। इंस्पेक्शन के दौरान जालोद थाने के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

वडोदरा में हुक्मरानों की तानाशाही और भ्रष्टाचार का भयानक खेल

माइनिंग माफिया बेलगाम, नर्मदा नदी का अस्तित्व खतरे में, बड़ौदा डेयरी से लेकर ज़िला पंचायत तक अरबों का खेल!

माइंस डिपार्टमेंट के कमिश्नर धवल पटेल और फ्लाइंग स्क्वॉड के साहब की मेहरबानी से करोड़ों की रॉयल्टी चोरी

सत्ताधारी पार्टी के बड़े नेताओं के पापों को उजागर करता 'महानगर मेट्रो का अब तक का सबसे बड़ा धमाका

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

वडोदरा/कर्जन। ईमानदारी और ट्रांसपेरेंट शासन का वादा करने वाली सरकार के कानून गुजरात में उड़ रहे हैं। वडोदरा जिले में पंचायत से लेकर कोऑपरेटिव सेक्टर तक भ्रष्टाचार का ऐसा दीमक लगा है कि वह पूरे सिस्टम को अंदर से खोखला कर रहा है। जिला पंचायत अध्यक्ष ज्योत्सनाबेन वसंतभाई रबारी के पति वसंत रबारी के खिलाफ गैर-कानूनी माइनिंग और रॉयल्टी चोरी के बहुत मजबूत सबूत सामने आए हैं, जिसने लोकल पॉलिटिक्स के सफेद कपड़ों पर एक बड़ा दाग लगा दिया है। पूरा एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम ऐसे नेताओं के आगे नतमस्तक है जो सत्ता के नशे में चूर हैं।

नर्मदा का खून-खराबा: प्राकृतिक संसाधनों की बेरहम लूट के आगे सिस्टम की लाचारी!

नरेश्वर से पालेज जाने वाली मेन रोड पर नज़र डालने पर पता चलता है कि बिना किसी सरकारी रॉयल्टी पास या परमिशन के अवैध रेत के पहाड़ खोदे गए हैं। JCB मशीनों और डंपरों का इस्तेमाल करके पवित्र नर्मदा नदी के तल से दिन-रात रेत चोरी का एक बड़ा नेटवर्क चल रहा है। कर्जन स्छरूशिवम बारिया, डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर और लोकल ममलतदार इस लूट के मूक गवाह बने बैठे हैं। इस चुप्पी और सत्ताधारी नेताओं के दबाव के पीछे बह रही मोटी रकम साफ दिख रही है।

बड़ौदा डेयरी में बड़ी छापेमारी का खेल: गरीब पशुपालकों की कमाई पर झटका!



गंभीर आरोप लगे हैं कि वडोदरा जिले में चल रही इस लूट को रोकने की मुख्य जिम्मेदारी जिस माइंस एंड मिनरल्स डिपार्टमेंट की है, वह खुद इस खेल में शामिल है। डिपार्टमेंट के कमिश्नर धवल पटेल और फ्लाइंग स्क्वॉड के चावड़ा साहब की नाक के नीचे सरकारी खजाने को करोड़ों रुपये का चूना लग रहा है। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, इन बड़े अधिकारियों का कथित काम सिर्फ रेगुलर किश्तें वसूलना रह गया है, जिससे माइनिंग माफिया को कोई डर नहीं है।

इस भ्रष्ट गिरोह ने कोऑपरेटिव ढांचे को भी नहीं छोड़ा है, जो किसानों और गरीब पशुपालकों की लाइफलाइन है। बड़ौदा डेयरी के ऑफिशियल ऑडिट से पता चला है कि सबडोल गांव में मौजूद चिलिंग सेंटर में लगभग 50 से 60 लाख रुपये का बड़ा फाइनेंशियल घोटाला किया गया है। सरकारी किताबों में इतना बड़ा गबन दर्ज होने के बावजूद, न तो डेयरी प्रशासन और न ही BJP जिला संगठन के नेता दोषियों के खिलाफ केस दर्ज करने की हिम्मत दिखा पा रहे हैं। गरीब किसानों की खून-पसीने की कमाई को बर्बाद करने वाले इन भ्रष्ट नेताओं का साथ कौन दे रहा है?

माइन्स एंड मिनरल्स डिपार्टमेंट के कमिश्नर और फ्लाइंग स्क्वॉड की शक वाली चुप्पी!

महानगर मेट्रो के CMO और सरकार से सीधे सवाल

1. **मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से सीधा सवाल:** माइंस और मिनरल्स डिपार्टमेंट सीधे आपके कंट्रोल में काम करता है, फिर भी आपके अंडर करोड़ों की रॉयल्टी चोरी का खेल चल रहा है। इन माफियाओं के खिलाफ सख्त एक्शन क्यों नहीं लिया जा रहा है, जबकि सारे सबूत आपके ऑफिस तक पहुंच चुके हैं?

2. **धवल पटेल और चावड़ा के खिलाफ सख्त जांच कब होगी?:** एंटी-करप्शन ब्यूरो माइंस डिपार्टमेंट के कमिश्नर धवल पटेल और फ्लाइंग स्क्वॉड के चावड़ा साहब की प्रॉपर्टी की जांच कब करेगा और केस फाइल करेगा?

3. **पशुपालकों के लुटेरे कब जेल जाएंगे?:** बड़ौदा डेयरी के सबडोल चिलिंग सेंटर से लाखों रुपये चुराने वाले चोरों पर केस क्यों नहीं किया जा रहा और उन्हें जेल क्यों नहीं भेजा जा रहा?

4. **बुलडोजर की कार्रवाई कब होगी?:** आम लोगों पर कानून का कोड़ा चलाने वाला प्रशासन, सत्ता के बल पर प्राकृतिक संसाधनों को लूट रहे वसंत रबारी जैसे ताकतवर घोटालेबाजों पर कानून का हथौड़ा कब चलाएगा?

जगन्नाथजी की रथ यात्रा से पहले भक्तिमय माहौल: नेत्रविधि और पवित्र ध्वजारोहण के मौके पर गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी की प्रेरक मौजूदगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। झआषाढ़ी बीज के मौके पर भगवान श्री जगन्नाथजी की पारंपरिक रथ यात्रा से पहले, पूरे गुजरात में भक्ति और उत्साह का एक अनोखा माहौल देखा जा रहा है। भक्त भगवान के दर्शन करने और रथ यात्रा के पावन उत्सव को देखने के लिए उत्सुक हैं। इस भक्तिमय माहौल के बीच, मंदिर के शिखर पर पारंपरिक नेत्रविधि पूजन और पवित्र ध्वजारोहण का एक बड़ा उत्सव मनाया गया। इस दिव्य और पवित्र अवसर पर, गुजरात राज्य के लोकप्रिय और सक्रिय गृह राज्य मंत्री, हर्षभाई संघवी, विशेष रूप से मौजूद थे। भगवान जगन्नाथजी का दिव्य आशीर्वाद प्राप्त करने के बाद, उन्होंने शास्त्रीय रीति-रिवाजों के साथ ध्वजारोहण किया। जब मंदिर के ऊपर लाल, पीले और केसरिया रंग का पवित्र झंडा फहराया गया, तो वहां मौजूद सभी भक्त 'जय जगन्नाथ' और 'मंदिर में कौन है, राजा रामचंद्र हैं?' के नारे लगाते हुए खड़े हो गए। नेत्रविधा के इस पवित्र मौके पर भगवान के दर्शन करने के बाद, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि रथ यात्रा सिर्फ एक धार्मिक त्योहार नहीं है, बल्कि गुजरात की एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। उन्होंने प्रार्थना की कि महाप्रभु जगन्नाथजी का आशीर्वाद हमेशा गुजरात के लोगों पर बना रहे और राज्य में सुख, शांति और भगवान की दिव्य उपस्थिति में होने वाले इस ध्वजारोहण और नेत्र समारोह उत्सव ने भक्तों के दिलों में भक्ति की एक अनोखी भावना जगा दी है और अब सभी को रथ यात्रा के उस शुभ दिन का इंतज़ार है।

सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में बड़ा धमाका: 'डिमोलिशन कमिश्नर ने करवाया था!' सस्पेंड इंजीनियर ने हाई कोर्ट में कमिश्नर के खेल का पर्दाफाश किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो



सूरत। सूरत के बहुचर्चित नसीरनगर डिमोलिशन स्कैंडल में हर दिन नए अंकुर फूट रहे हैं, लेकिन इस बार जो धमाका हुआ है, उसने पूरे सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और गांधीनगर तक के एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम में भूचाल ला दिया है। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा बलि का बकरा बनाए गए और सस्पेंड किए गए एग्जीक्यूटिव इंजीनियर ने गुजरात हाई कोर्ट में एफिडेविट देकर सीधे कमिश्नर के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इंजीनियर ने कोर्ट के सामने खुलासा किया है कि, 'मैंने नसीरनगर का डिमोलिशन अपनी मर्ज़ी से नहीं किया, बल्कि म्युनिसिपल कमिश्नर ने मुझे ऑर्डर दिया था और अपना मैसेज भी मुझे फॉरवर्ड किया था! कमिश्नर के भेजे एक WhatsApp मैसेज की वजह से यह स्कैंडल भड़का हाई कोर्ट में पेश डिटेल्स के मुताबिक, सस्पेंडेड ऑफिसर ने खुद को बचाने और सच सामने लाने के लिए कमिश्नर से मिले एक WhatsApp मैसेज का सबूत पेश किया है। कमिश्नर ने एक असरदार आदमी से मिला मैसेज इस इंजीनियर को फॉरवर्ड किया था, जिसमें नसीरनगर में तोड़फोड़ करने के साफ निर्देश थे। जैसे ही यह सबूत सामने आया, यह साबित हो गया कि इस पूरे खेल के असली मास्टरमाइंड बड़े अधिकारी थे, जिन्होंने प्यादों को सस्पेंड करके अपनी खाल बचाने की कोशिश की। नसीरनगर इलाके में इस तथाकथित कानूनी/गैर-कानूनी तोड़फोड़ के बाद हंगामा हुआ था। उस समय, विपक्ष और स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया था कि बिना किसी सही नोटिस या कानूनी प्रक्रिया के रातों-रात बुलडोजर पलट दिया गया। जब मामला बढ़ा और कानूनी उलझनें पैदा हुईं, तो ऊपर बैठे 'साहबों' ने अंतरिम उपाय के तौर पर निचले लेवल के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को सस्पेंड करने और पूरे मामले को दबाने की योजना बनाई। लेकिन, इस अन्याय के आगे झुकने के बजाय, सस्पेंड अधिकारी ने हाई कोर्ट की शरण ली है और अधिकारियों की पोल खोल दी है। क्या कमिश्नर के खिलाफ भी कानूनी मुश्किलें आएंगी? हाई कोर्ट में इस चौंकाने वाले खुलासे के बाद कानूनी हलकों और सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की लॉबी में ज़बरदस्त हंगामा मच गया है। सिस्टम, जो अब तक बचाव की मुद्रा में था, अब पूरी तरह से निशाने पर आ गया है। अगर कोर्ट इस एफिडेविट के सबूतों को मान लेता है, तो कमिश्नर और दूसरे बड़े अधिकारियों को हाई कोर्ट के कड़े सवालों का जवाब देना होगा। इतना ही नहीं, कमिश्नर पर अपनी पावर का गलत इस्तेमाल करने और गलत तरीके से डेमोलिशन करवाने के आरोप में कड़ी रेड आई भी पड़ सकती है।

जनता की आवाज बनी असरदार, सड़क की मरम्मत पूरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटा उदेपुर। छोटा उदेपुर शहर के डिस्ट्रिक्ट सेवा सदन ऑफिस के बाहर मेन R.C.C. रोड से एक लोहे की रॉड निकली हुई थी, जिससे गाड़ी चलाने वालों और पैदल चलने वालों के लिए गंभीर हादसा हो गया। इस गंभीर मुद्दे पर डेली अखबार 'पक्को गुजरात' में खास रिपोर्ट दिखाए जाने के बाद लोकल सिस्टम जागा और एक्शन लिया। 'पक्को गुजरात' में रिपोर्ट छपते ही छोटा उदेपुर म्युनिसिपैलिटी के कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने जल्दी से काम शुरू किया और सड़क की मरम्मत पूरी की और सड़क के बीच से निकली जानलेवा रॉड को हटाकर सड़क को सुरक्षित कर दिया। यहां यह बताना ज़रूरी है कि ज़िला सेवा सदन, नगर सेवा सदन समेत कई सरकारी दफ़्तरों और पढ़ाई-लिखाई की जगहों तक जाने वाली यह सड़क शहर की सबसे बिज़ी सड़कों में से एक है। यहां से रोज़ाना हज़ारों लोग और गाड़ियां गुज़रती हैं। इस बात का बहुत ज़्यादा डर था कि सड़क से निकली यह रॉड किसी पैदल चलने वाले को घायल कर सकती है या किसी गाड़ी के टायर में घुसकर कोई बड़ा हादसा कर सकती है, जो अब समय रहते टल गया है। अखबार में खबर छपने के बाद, प्रशासन के तेज़ी से एक्शन लेने से स्थानीय लोगों और गाड़ी चलाने वालों ने राहत महसूस की है। इस पॉज़िटिव एक्शन के साथ ही, लोगों ने मांग की है कि ऐसी खतरनाक स्थिति आने से पहले सड़कों की रेगुलर जांच और समय पर मेंटेनेंस किया जाए, ताकि भविष्य में कोई बड़ा हादसा न हो।



हिंदू-मुस्लिम नेता शामिल हुए

भगवान जगन्नाथजी की आने वाली रथ यात्रा को लेकर दभोई तालुका सेवा सदन सभा हॉल में शांति समिति की बैठक हुई



महानगर मेट्रो ब्यूरो

दभोई। बद्रीनारायण मंदिर से भगवान जगन्नाथजी की शोभायात्रा के अवसर पर पूरे शहर में शांति, सांप्रदायिक एकता और सौहार्दपूर्ण माहौल में इसे मनाने के शुभ इरादे से दभोई तालुका सेवा सदन में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता दभोई DYSP आकाश पटेल, दभोई पुलिस इंस्पेक्टर ए. टी. पटेल दभोई नगर पालिका के मुख्य अधिकारी जय किशन तड़वी और महेशभाई परमार दभोई नगर पालिका अध्यक्ष पुष्पाबेन रावल और बीरन शाह गोपालभाई जीनावाला अफजल भाई कबावाला सलीमभाई घांची इब्राहिमभाई खत्री सोनलबेन सोलंकी और शहर कांग्रेस भाजपा अध्यक्ष हिंदू मुस्लिम नेताओं के साथ-साथ बद्रीनारायण मंदिर के न्यासी बोर्ड के सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद थे। मीटिंग के दौरान DYSP श्री आकाश पटेल ने त्योहार के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आपसी भाईचारा बनाए रखने के लिए ज़रूरी सुझाव दिए। इस मौके पर हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के नेता, स्थानीय व्यापारी और शांति समिति के सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद थे। मीटिंग में मौजूद सभी नेताओं ने प्रशासन को पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया। दभोई हमेशा से सांप्रदायिक एकता का प्रतीक रहा है और आने वाली रथ यात्रा पारंपरिक तरीके से शांति और उत्साह के साथ मनाई जाएगी...दाधिकारीयो ने स्थानीय रंगोली रिसोर्ट में दायित्व ग्रहण किया

कचरे से हादसे का खतरा; प्रशासन की बड़ी लापरवाही बरसाती नाले की सफाई के बाद 4 दिन तक सड़क पर कचरा पड़ा रहने से देश-विदेश से आए टूरिस्ट और वाहन चालक परेशान हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। विश्व प्रसिद्ध टूरिस्ट स्थल 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' को डभोई से जोड़ने वाले मुख्य हाईवे पर प्रशासन की बड़ी लापरवाही सामने आई है। डभोई वेगा चौकड़ी के पास से गुजरने वाले बरसाती नाले की सफाई तो कर दी गई, लेकिन उससे निकलने वाला सारा कचरा मुख्य सड़क पर फेंक दिया गया है। इस घटना को चार दिन बीत जाने के बाद भी स्टेट हाईवे के अधिकारियों ने इस कचरे को हटाने की जहमत नहीं उठाई है। टूरिस्टों की मुख्य समस्याएं और शर्मिंदगी देश-विदेश से आने वाले टूरिस्टों के सामने खराब इंप्रेशनः यह सड़क न सिर्फ स्थानीय लोगों के लिए, बल्कि स्टैच्यू ऑफ यूनिटी देखने जाने वाले देश-विदेश के हजारों टूरिस्टों के लिए भी मुख्य हाईवे है। सड़क पर पड़े कचरे के ढेर गुजरात के टूरिज्म और सफाई के दावों पर सवाल खड़े करते हैं। हादसों का बड़ा खतराः सड़क के किनारे पड़े कचरे की वजह से सड़क पतली हो गई है। खासकर रात के समय यहां से गुजरने वाले गाड़ी चलाने वालों को बहुत मुश्किल होती है और उन्हें लगातार किसी बड़े हादसे का डर सताता रहता है। पिछले चार दिनों से सड़क पर गंदगी और कचरा पड़ा होने से स्थानीय राहगीरों और गाड़ी चलाने वालों में प्रशासन के खिलाफ काफी गुस्सा है। अब देखना यह है कि... क्या स्टेट हाईवे डिपार्टमेंट के अधिकारी, जो गहरी नींद में सो रहे हैं, जागेंगे? आखिर कब इन कचरे के ढेरों को साफ किया जाएगा और कब गाड़ी चलाने वालों और पैदल चलने वालों को इस खतरनाक समस्या से छुटकारा मिलेगा?



संक्षिप्त न्यूज

सरकारी गाड़ियों की लोकेशन शेयर करने वाले 85 लोगों को पुलिस की चेतावनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर . सरकारी वाहनों की लोकेशन WhatsApp ग्रुपों में साझा करने के मामले में पुलिस ने 85 लोगों को एसपी कार्यालय बुलाकर सख्त हिदायत दी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सरकारी गतिविधियों की जानकारी सोशल मीडिया पर साझा करना गंभीर अपराध है। पुलिस ने भविष्य में ऐसी हरकत दोहराने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी।

अंकलेश्वर में दहेज प्रताड़ना के कारण महिला ने आत्महत्या की



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंकलेश्वर। दधल गांव में दहेज प्रताड़ना के कारण एक महिला ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने इस मामले में पांच ससुराल वालों को गिरफ्तार किया है और कानूनी कार्रवाई कर रही है। अंकलेश्वर ग्रामीण पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के अनुसार, उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के बभनी गांव के वेदप्रकाश लाल बहादुर पासवान की बेटी उजालाबेन पासवान की शादी 7 मई, 2026 को अंकलेश्वर के दधल गांव के हरिकृष्ण रेजीडेंसी में रहने वाले अजीतकुमार अवधेशकुमार पासवान से हुई थी। शादी से पहले सास मायादेवी पासवान और उनके परिवार वालों ने दहेज में घर का सामान मांगा था, जो वेदप्रकाश पासवान ने दिया था। हालांकि, शादी के बाद भी पति, सास, ससुर, देवर और ननद ने दुल्हन पर सोने के गहने वापस करने और घर की पांच लाख रुपये की किस्त भरने का दबाव बनाया।

शिक्षकों ने लंबित मांगों को लेकर सत्याग्रह, सरकार के सामने रखीं 11 प्रमुख मांगें



महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। शिक्षकों और शिक्षण सहायकों ने गांधीनगर में आयोजित सत्याग्रह शिविर में लंबित समस्याओं के समाधान की मांग उठाई। भरूच जिले से 584 से अधिक शिक्षक, प्राचार्य और शिक्षा विभाग के पदाधिकारी इसमें शामिल हुए। शिक्षकों ने सरकार के समक्ष TET में छूट, पुरानी पेंशन योजना, गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्ति, कंप्यूटर ऑपरेटर व सफाई कर्मियों की नियुक्ति सहित 11 प्रमुख मांगें रखीं।

भरूच सिविल हॉस्पिटल में चांदीपुरा वायरस के लिए आइसोलेशन वार्ड तैयार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। सिविल हॉस्पिटल में चांदीपुरा वायरस के लिए एक खास आइसोलेशन वार्ड तैयार किया गया है। जिले में एक भी केस रिपोर्ट न होने के बावजूद एहतियाती कदम उठाए गए हैं। भरूच में हेल्थ सिस्टम भी चांदीपुरा वायरस को लेकर अलर्ट हो गया है। भरूच सिविल हॉस्पिटल को मैनेज करने वाले डॉ. किरण सी. पटेल मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट ने एहतियात के तौर पर सिविल हॉस्पिटल में एक खास वार्ड तैयार किया है। चांदीपुरा वायरस के संभावित मामलों को ध्यान में रखते हुए हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन ने पहले से तैयारी कर ली है। अगर कोई संदिग्ध मरीज सामने आता है, तो एक अलग वार्ड बनाया गया है ताकि उसे तुरंत ज़रूरी इलाज और निगरानी में रखा जा सके। हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन स्थिति पर नज़र रख रहा है और ज़रूरत पड़ने पर मरीजों को समय पर इलाज देने के लिए तैयार है। चांदीपुरा वायरस मुख्य रूप से रेत मक्खियों के काटने से फैलता है। यह वायरस बच्चों पर ज़्यादा गंभीर असर डाल सकता है। इसके मुख्य लक्षणों में अचानक बुखार, सिरदर्द, उल्टी, दौरे, बेहोशी और ब्रेन डैमेज शामिल हैं। अभी इस वायरस के लिए कोई खास एंटीवायरल दवा उपलब्ध नहीं है।

अंकलेश्वर में मोबाइल टावर की बैटरी चोरी का मामला सुलझा

2.46 लाख रुपये के कीमती सामान के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंकलेश्वर। GIDC पुलिस ने कुछ दिनों में सारंगपुर गांव इलाके में एक मोबाइल टावर से बैटरी चोरी का मामला सुलझा लिया है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से 2.46 लाख रुपये का कीमती सामान जब्त किया है।यह चोरी अंकलेश्वर के मीरानगर में दुर्गामाता मंदिर के पीछे राजपीपला रोड पर एक मोबाइल टावर से हुई थी। अज्ञात लोगों ने टावर की कैबिनेट का ताला तोड़कर 16 बैटरी सेल चुरा लिए। हर बैटरी सेल की कीमत 6 हजार रुपये है, कुल 96 हजार रुपये का कीमती सामान चोरी हुआ, जिसका मामला अंकलेश्वर GIDC पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया। पुलिस ने इस अपराध की जांच के दौरान



CCTV फुटेज, ह्यूमन सोर्स और टेक्निकल सर्विलांस का इस्तेमाल किया। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने बबलू चौकड़ी के पास निगरानी रखी। निगरानी के दौरान, पुलिस ने रवि जोरूभाई परमार को पकड़ा, जो एक लाल



बजाज थ्री-व्हीलर टेंपा में चोरी का सामान ले जा रहा था। आरोपी अभी भरूच में ज़ादेश्वर चौकड़ी ओवरब्रिज के नीचे रहता है और मूल रूप से सारंगपुर का रहने वाला है। पुलिस ने उसके पास से लगभग 1.50 लाख रुपये कीमत के 16 चोरी के बैटरी सेल और एक



टेंपो बरामद किए और कुल 2.46 लाख रुपये का सामान जब्त किया। शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी रवि परमार के खिलाफ पहले भी मारपीट, धमकी, जुआ और शराबबंदी से जुड़े चार अपराध दर्ज हैं।

लायंस क्लब नागदा गोल्ड के पदाधिकारीयो ने स्थानीय रंगोली रिसोर्ट में दायित्व ग्रहण किया

महानगर मेट्रो ब्यूर

नागदा। मुख्य अतिथि खाचरोद विधायक डॉ तेज बहादुर सिंह चौहान, विशेष अतिथि सुल्तान सिंह शेखावत दायित्व ग्रहण अधिकारी लायन डिस्ट्रिक 3233त2 के पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमजेएफ लायन डॉक्टर आरके चौरसिया भोपाल, विशिष्ट अतिथि स्नेह के संस्थापक एवं 3233त2 के उप प्रांतपाल लायन डॉक्टर पंकज मारु व एमजेएफ लायन डॉक्टर जेपी सिंह जोहर, लायन सुयश कुलश्रेष्ठ, रीजन चेयरपर्सन लायन वीरेंद्र मालपानी व झोन चेयरपर्सन लायन अशोक बिसानी मंचासीन थे। सचिव देव बांबीवाल के अनुसार कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती एवं लायन इंटरनेशनल के संस्थापक मेल्विन जोंस के फोटो पर पुष्प माला व दीप



प्रज्वलित कर किया गया ।ध्वज वंदना लायन मीना अग्रवाल व विश्व शांति पाठ लायन मनोज व्यास एवं अतिथि परिचय लायन देव बंबीवाल द्वारा किया गया। पूर्व अध्यक्ष लायन पी डी शुक्ला ने अपने कार्यकाल में हुए पूरे साल की सेवा गतिविधियों की जानकारी दी। साथ ही उनके कार्यकाल में सेवा गतिविधियों में सहयोगी संस्था इंद्र फाउंडेशन अध्यक्ष रेखा राजेश इंद्र का दुपट्टा और सम्मान पत्र से सम्मानित किया । साथ ही लायंस ऑफ नागदा के साथियों लायन नंदलाल जोशी राजेश इन्द्र,सलीम खान, अजय गरवाल, डॉ पवन शर्मा, नवीन गहलोत, डॉ आशीष शर्मा, अनिल प्रजापत, मीना अग्रवाल, सोरवी भदौरिया को मोतियों की माला एवं सम्मान पत्र देकर उनके द्वारा वर्ष भर की गई सेवा गतिविधियों अभूतपूर्व योगदान हेतु सम्मान किया गया। समारोह में लायन लखन गुर्जर अध्यक्ष लायन देव बंबीवाल सचिव लायन मनोज व्यास सह सचिव लायन मीना अग्रवाल कोषाध्यक्ष, लायन सोरवी भदौरिया सह कोषाध्यक्ष की शपथ दिलाई गई। प्रथम उपाध्यक्ष लायन नवीन गहलोत द्वितीय उपाध्यक्ष लायन डॉक्टर पवन शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी द्वारा दायित्व ग्रहण किया गया। इस समारोह में लायंस सेवा गतिविधियों से प्रेरित होकर चार नए सदस्य सुनील मोडीया, बाबूलाल सिसोदिया, राधा कृष्ण कदम, रवि मोरवाल को डिस्ट्रिक्ट 3233 G2 के प्रथम वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन डॉ पंकज मारु ने लायनवाद की शपथ दिलवाई । सचिव बंबीवाल द्वारा बताया गया की लाइनिस्टिक सत्र 2026 27 में हुई सेवा गतिविधियां जिसमें डॉक्टर डे का आयोजन ,पक्षियों के लिए जल पात्र वितरण, पर्यावरण को देखते हुए शमशान घाट पर बड़े गमलो का वितरण एवं ग्राम किलोडीया में विद्यार्थियों में कापी किताब का वितरण कराया गया। अध्यक्ष गुर्जर द्वारा पूर्व अध्यक्ष लायन पी डी शुक्ला का सम्मान कर उनका आभार व्यक्त किया तथा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया और उनसे आशा व्यक्त की पूरे वर्ष उनका मार्गदर्शन मिलता रहे जिससे नगर में लायंस क्लब गोल्ड अपनी उत्कृष्ट कार्यो के माध्यम से पहचान बना सके।

पुरानी घोषणाओं को दोहराकर श्रेय लेने का प्रयास कर रहे हैं विधायक चौहान बसंत मालपानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। कांग्रेस नेता बसंत मालपानी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हालिया नागदा दौरे के दौरान की गई घोषणाओं को लेकर क्षेत्रीय विधायक डॉ. तेज बहादुर सिंह चौहान पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वे वर्षों पहले की गई घोषणाओं को दोबारा घोषित करवाकर जनता को भ्रमित करने और श्रेय लेने की राजनीति कर रहे हैं। जारी प्रेस विज्ञप्ति में मालपानी ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा घोषित आईटीआई कॉलेज कोई नई घोषणा नहीं है। उन्होंने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की घोषणा के बाद वर्ष 2016-17 और 2017-18 में नागदा के पुराने इंटर कार्यालय में आईटीआई कॉलेज का संचालन भी शुरू हो चुका था, लेकिन बाद में यह कहकर बंद कर दिया गया कि एक विकासखंड में केवल एक आईटीआई संचालित हो सकती है, जबकि बाद में जानकारी मिली कि



प्रदेश के कई विकासखंडों में दो-दो आईटीआई कॉलेज संचालित हैं। ऐसे में पुरानी घोषणा को दोहराने के बजाय स्थायी रूप से कॉलेज शुरू कराया जाना चाहिए। मालपानी ने कहा कि नीनावटखेड़ा-अटलावदा डैम की घोषणा भी वर्ष 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा दीनदयाल उपाध्याय चौक की सभा में की जा चुकी थी। अब उसी घोषणा को पुनः दोहराया गया है। इससे स्पष्ट होता है कि विधायक पुरानी घोषणाओं को नए रूप में प्रस्तुत कर राजनीतिक श्रेय लेने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिरलाग्राम झुग्गी-झोपड़ीवासियों को पट्टे देने का मुद्दा भी वर्षों से लंबित है। वर्ष 2017 में शिवराज सिंह चौहान तथा वर्ष 2024 में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी पट्टे देने की घोषणा की थी, लेकिन आज तक उस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। बिरलाग्राम में लगभग 5,000 से अधिक परिवार निवास करते हैं, जो आज भी अपने आवास और भूमि को लेकर असुरक्षा की स्थिति में जीवन जी रहे हैं। कई परिवार पलायन कर चुके हैं, जबकि अनेक लोग अब भी पट्टों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने विधायक से इस मामले में तत्काल कार्रवाई कराने की मांग की। नागदा जिला बनाए जाने के मुद्दे पर मालपानी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने परिसीमन का हवाला देकर विषय को टाल दिया, जबकि नागदा जिले की सीमाएं पहले ही निर्धारित होकर गजट अधिसूचना जारी हो चुकी है।

राजकोट ग्रामीण SOG ने बैन तोड़ने वाले शापर के आदतन बूटलेगर राजेश बाबरिया को पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। राजकोट रेंज के डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस निर्लिप्ता राय और राजकोट ग्रामीण पुलिस सुपरिटेंडेंट विजयसिंह गुर्जर के गाइडेंस में स्व्त ब्रांच टीम ने बैन तोड़ने वाले एक आदतन आरोपी को पकड़ा है। राजकोट ग्रामीण इलाके में बैन लोगों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करने के निर्देश मिलने के बाद, स्व्त ब्रांच टीम इलाके में पेट्रोलिंग कर रही थी। इसी बीच, Po. हेड कॉन्स्टेबल नैमिशभाई मेहता और पीयूषभाई अघेरा को मिली प्राइवेट जानकारी के आधार पर, सब डिविजनल मजिस्ट्रेट राजकोट सिटी-2 के बैन केस के तहत राजकोट ग्रामीण और राजकोट शहर की सीमा से 3 महीने के लिए बैन किए गए आरोपी को शापर-वेरावल इलाके से पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपी का नाम राजेशभाई घेलाभाई बाबरिया है। वह शापर-वेरावल, इंड्रोकास्ट फैक्ट्री के पास, G.E.B. के पीछे, तारीख कोटदासंगानी का रहने वाला है। आरोपी बिना किसी परमिशन के



इलाके में घूमता हुआ पाया गया और उसके खिलाफ शापर वेरावल पुलिस स्टेशन में ट्रेसपासिंग का केस दर्ज किया गया है और कानूनी कार्रवाई की गई है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, आरोपी राजेशभाई बाबरिया आदतन शराब तस्कर है। उसके खिलाफ साल 2024, 2025 और 2026 के दौरान शापर वेरावल पुलिस स्टेशन में शराबबंदी के करीब 8 मामले दर्ज किए गए हैं। इस सफल ऑपरेशन को अंजाम देने वाली टीम में स्व्त ब्रांच के Po Ins. F.A. पारगी, Po Sub Ins. J.B. ज़ाला और P.B. मिश्रा, Po Head Cons. नैमिषभाई मेहता और पीयूषभाई अघेरा शामिल थे।

10 साल में 94,000 सरकारी स्कूल बंद होने के पीछे का असली सच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। 2014 से पहले का भारत और 2014 के बाद का भारत। इन दोनों समय के एजुकेशन सिस्टम को लेकर अब सोशल मीडिया पर ज़बरदस्त जंग छिड़ गई है। एक तरफ़ दावा किया जा रहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में 'राइट टू एजुकेशन' के तहत देश में सरकारी स्कूलों की नींव मज़बूत हुई, तो दूसरी तरफ़ आरोप लगाया जा रहा है कि पिछले 10 सालों में देश भर में हज़ारों सरकारी स्कूल बंद हो गए हैं। इन आंकड़ों के भ्रम के पीछे असली सच क्या है? स्कैम किसने किया और असलियत क्या है? आइए फैक्ट्स के साथ पता करते हैं। आइए एक नज़र डालते हैं कि इस समय एजुकेशन की दुनिया में किस बात पर गुस्सा और चर्चा हो रही है। सोशल मीडिया पर एक दावा वायरल हो रहा है कि मनमोहन सिंह सरकार ने 11 लाख नए सरकारी स्कूल बनवाए थे। लेकिन सरकारी आंकड़े और इतिहास कुछ और ही तस्वीर दिखाते हैं आज़ादी के बाद से भारत में सरकारी स्कूलों की संख्या धीरे-धीरे 11.07 लाख तक पहुँच गई है। PA सरकार के समय में, 2009 में ऐतिहासिक 'राइट टू एजुकेशन' एक्ट लाकर शिक्षा को मज़बूत करने की बड़ी कोशिश की गई थी, लेकिन ये सभी स्कूल किसी एक सरकार के समय में रातों-रात एक साथ नहीं आए। RTE एक्ट के तहत, प्राइवेट स्कूलों में गरीब और पिछड़े ग्रुप के बच्चों के लिए 25' सीटें रिज़र्व करने का इंतज़ाम किया गया, ताकि कमज़ोर तबके के बच्चे भी हायर एजुकेशन पा सकें। 2014 के बाद पिछले 10 सालों में क्या बदला? 94,000 स्कूल क्यों बंद हो गए? नीति आयोग की ताज़ा रिपोर्ट और संसद में पेश किए गए सरकारी डेटा के मुताबिक, पिछले एक दशक में देश में सरकारी स्कूलों की संख्या 11.07 लाख (2014-15) से घटकर लगभग 10.13 लाख (2024-25) हो गई है। यानी, करीब 94,000 सरकारी स्कूल बंद हो गए हैं देश में घटती फर्टिलिटी रेट (जन्म दर) की वजह से स्कूल जाने लायक बच्चों की आबादी में कमी आई है।

खेड़ा-नदियाद क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नदियाद। खेड़ा जिले में पुलिस ने गैर-कानूनी कामों और जुए के अड्डों पर आंखें मूंद ली हैं। एक टिप-ऑफ के आधार पर, खेड़ा-नदियाद क्राइम ब्रांच ने नदियाद इलाके में चल रहे वर्ली मटका जुए के अड्डे पर अचानक छापा मारकर इस काले धंधे का पर्दाफाश किया है। इस छापे के दौरान, पुलिस ने जुए के अड्डे के मुख्य साथी इम्तियाज नबीमिया उर्फ ??गुलाम नबी शेख को रंगे हाथों पकड़ लिया है। क्राइम ब्रांच को खास जानकारी मिली थी कि



नदियाद और आस-पास के इलाकों में वर्ली मटका जुआ खेलकर गरीब और मिडिल क्लास लोगों को लूटा जा रहा है। इस जानकारी के आधार पर, क्राइम ब्रांच की टीम ने बड़ी प्लानिंग के साथ जुए के अड्डे पर छापा मारा। पुलिस को अचानक आते देख जुए के अड्डे पर भगदड़ मच गई, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी करके मैनेजर इम्तियाज उर्फ गुलाम नबी शेख को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मौके से जुए का साहित्य, कैश और दूसरी चीजें जब्त कर ली हैं और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। पुलिस अब इस बात की जांच में जुट गई है कि यह जुए का अड्डा कब से चल रहा था और इसमें कौन-कौन से लोकल नेता शामिल थे। जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्राइम ब्रांच की इस तेज और सख्त कार्रवाई से जुआरियों और गैर-कानूनी कामों में शामिल लोगों में भारी हलचल मच गई है।

पनोली पुलिस ने ढाई साल से फरार चल रहे बूटलेगर को पकड़ा: A डिवीजन पुलिस ने एक और बूटलेगर को भी पकड़ा, पुलिस ने महाराष्ट्र में तलाश की लेकिन वह नहीं मिला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। पुलिस ने दो अलग-अलग ऑपरेशन में दो बूटलेगर पकड़े हैं। पनोली पुलिस ने ढाई साल से फरार चल रहे एक आरोपी को पकड़ा है, जबकि, डिवीजन पुलिस ने विदेशी शराब की सप्लाई में शामिल एक बूटलेगर को गिरफ्तार किया है। आरोपी अर्जुन उर्फ सोनू गणेश कडू (उम्र 34, निवासी अंबेगांव, केडगांव ग्राम पंचायत, ता. दौंड, जी. पुणे, महाराष्ट्र) जो पिछले ढाई साल से फरार था, उसे पनोली थाने में



साल 2024 के दौरान दर्ज शराबबंदी के एक केस में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उसके होमटाउन समेत महाराष्ट्र में कई जगहों पर तलाश की, लेकिन वह नहीं मिला। जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपी किसी दूसरे केस में काम के लिए गुजरात आया है। इस जानकारी के आधार पर पनोली पुलिस ने ह्यूमन सोर्स और टेक्निकल सर्विलांस का इस्तेमाल करके अर्जुन उर्फ ??सोनू गणेश कडू को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। एक और घटना में, भरूच क्राइम ब्रांच की एक टीम अंकलेश्वर इलाके में पेट्रोलिंग कर रही थी। बाद में, पुलिस ने जानकारी के आधार पर शाहरुख पठान को गिरफ्तार कर लिया और आगे की कार्रवाई की, जबकि सुजातखान अभी भी फरार है।

जेतपुर सिटी इलाके में पुलिस का ट्रैफिक ड्राइव नियम तोड़ने पर 25 गाड़ियां पकड़ीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जेतपुर। राजकोट रूरल पुलिस ने जेतपुर सिटी पुलिस स्टेशन इलाके में सड़क हादसों को रोकने और ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन कराने के लिए एक खास ट्रैफिक ड्राइव चलाई। यह सख्त कैंपेन जेतपुर सिटी पुलिस इंस्पेक्टर ए.डी. परमार ने राजकोट रेंज के डिप्टी



इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस नीलिप्ता राय, राजकोट रूरल डिस्ट्रिक्ट के सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस विजय सिंह गुर्जर और डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस रोहित सिंह डोडिया की देखरेख में चलाया। इस ट्रैफिक ड्राइव के दौरान, नाबालिगों को शहर में बिना लाइसेंस और खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने से रोका गया। ट्रैफिक नियमों के खिलाफ गाड़ी चलाने वाली कुल 25 गाड़ियों को पुलिस ने MV एक्ट की धारा 207 के तहत कानूनी कार्रवाई करके पकड़ा।

जगन्नाथ मंदिर में गूंजा भाईचारे का संदेश मुस्लिम नेताओं ने महंत का किया सम्मान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद. शांति, संयम और सद्भावना के प्रतीक भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा से पहले अहमदाबाद की पहचान गंगा-जमुनी संस्कृति की एक और खूबसूरत तस्वीर सामने आई है। हर साल परंपरा को जिंदा रखते हुए अहमदाबाद के मुस्लिम भाइयों और जाने-माने नेताओं ने जमालपुर स्थित ऐतिहासिक जगन्नाथ मंदिर पहुंचकर भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद लिया। इस पवित्र



मौके पर उन्होंने मंदिर के पूजनीय महंत दिलीप दासजी महाराज को खास यादगार चीजें और गुलदस्ता देकर आदरपूर्वक सम्मानित किया। इस मौके पर दोनों समुदायों के नेताओं ने एक-दूसरे को गले लगाया और हिंदू-मुस्लिम एकता और अटूट भाईचारे का मजबूत संदेश दिया। रथ यात्रा सिर्फ हिंदू धर्म का त्योहार नहीं है, बल्कि सालों से यह त्योहार अहमदाबाद में सभी धर्मों के लोगों को जोड़ता आ रहा है। मुस्लिम समुदाय के नेताओं ने रथ यात्रा के शांतिपूर्ण और शानदार आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं और प्रार्थना की कि यह पवित्र यात्रा पूरे देश में शांति, खुशहाली और सद्भावना लाए। मीडिया कैमरों में कैद मुस्लिम नेताओं और मंदिर के महंत के बीच इस सुखद मुलाकात की तस्वीरों ने नफरत फैलाने वाले तत्वों को बड़ा झटका दिया है।

सहकर्मी ने विधि ट्रांसपोर्ट की महिला का अकाउंट खाली किया, पति पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

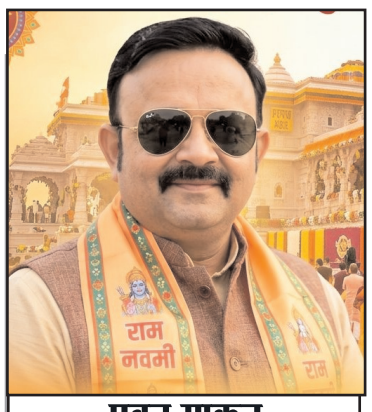
अंकलेश्वर। कपोद्रा पाटिया के पास संस्कार बंग्लोज में रहने वाले एक कपल के साथ इन्वेस्टमेंट और लोन का लालच देकर 19 लाख की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। अंकलेश्वर GIDC पुलिस ने इस घटना में केस दर्ज कर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के



मुताबिक, संस्कार बंग्लोज में रहने वाली सुशीला उर्फ आरती शुक्ला अंकलेश्वर GIDC में मौजूद विधि ट्रांसपोर्ट के अकाउंट्स डिपार्टमेंट में काम करती है। उसके साथ काम करने वाले भाविक त्रिवेदी और उसकी पत्नी अंकिता त्रिवेदी ने खुद को 'ग्रीन माइंड कंसल्ट' नाम की फाइनेंस कंपनी चलाने वाला बताया। आरोपी कपल ने शिकायत करने वाले को भरोसा दिलाया था कि उन्हें अलग-अलग बैंकों से आसानी से बड़ा लोन मिल जाएगा। उसने बेनिफिशियरी को लालच दिया था कि लोन अमाउंट का 40' बेनिफिशियरी को दिया जाएगा और बाकी 60' भारत सरकार की अलग-अलग इन्वेस्टमेंट स्कीम में इन्वेस्ट किया जाएगा और पैसा डबल हो जाएगा। इसके साथ ही, उसने भरोसा दिलाया था कि मिले प्रॉफिट से वह बैंक की किश्तें भी भरेगा। इस लालच में आकर, शिकायत करने वाले कपल ने आरोपी पर भरोसा कर लिया।



प्रधानमंत्री मोदी को मिले पुरस्कारों पर गार्जियन की हताशा



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

भारतीय नौसेना ने हालिया समुद्री सुरक्षा अभियानों (मुख्य रूप से अरब सागर और अदन की खाड़ी) में 520 से अधिक लोगों की जान बचाई है और ईरान, लाइबेरिया, माल्टा, और सेंट विंसेंट एंड द ग्रेनाडाइन्स जैसे विभिन्न देशों के झंडे वाले जहाजों को समुद्री लुटेरों से सुरक्षित मुक्त कराया है।

दा गार्जियन अखबार ने मोदी और भारत की छवि धूमिल करने के लिए एक अंग्रेजी मे एक लेख लिखा। जिसका सारांश यह है कि कोई झूठे भी पुरस्कार देने के लिए बुलाए तो प्रधानमंत्री मोदी दौड़े दौड़े चले जाते हैं। मतलब यह अखबार कहना चाह रहा कि मोदी पुरस्कार के भूखे हैं, साथ ही यह भी जताने की कोशिश कर रहा है, जिन देशों ने मोदी को उनकी विदेश यात्रा के दौरान पुरस्कार दिए, उनकी कोई प्रतिष्ठा नहीं हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी को इन देशों ने फिजूल में पुरस्कार दिए हैं। गार्जियन ने यह लेख लिख कर मोदी सहित भारत का तो अपमान किया ही है, साथ मोदी को पुरस्कार देने वाले उन देशों के नागरिकों, पुरस्कारों और उन देशों के राष्ट्रप्रमुखों का भी अपमान किया है।

इस लेख की भड़ास के बावजूद पीएम मोदी को पुरस्कारों का सिलसिला थम नहीं रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इंडोनेशिया के सर्वोच्च सम्मान ह्यबिंतांग आदिपूर्णा ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशियाह्न मेडल ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पीएम मोदी की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने प्रदान किया। वर्ष 2016 से अब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एशिया, यूरोप, अफ्रीका और अमेरिका के देशों से ऐसे 34 सम्मान मिल चुके हैं। यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री को मिले सम्मानों में सबसे अधिक हैं। इनमें से कुछ सम्मान सदियों पुराने हैं, जबकि कुछ सम्मान संबंधित देशों की सम्मान प्रणाली में हाल ही में शामिल किए गए हैं।

गार्जियन का यह लेख में भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने का कुत्सित प्रयास है। विश्व का बड़ा और प्रभावशाली शायद ही कोई देश बचा होगा जिसके प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति ने मोदी और भारत की तारीफ नहीं की होगी। दरअसल यह तारीफ पाश्चात्य मीडिया पचा नहीं पा रहा है, पचा इसलिए भी नहीं पा रहा है कि भारत न सिर्फ घरेलू स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तरक्की के झंडे गाढ़ रहा है। चंद्रयान और मंगलयान मिशन की कामयाबी इसके बड़े उदाहरण हैं। जो विकसित देश भी हासिल नहीं कर सके। यह अखबार यह भी भूल गया कि जब कोरोना काल में पूरी दुनियां में हाहाकार मचा हुआ था, तब भारत ने ही कोरोना वैक्सीन दर्जनों देशों को निशुल्क भेज कर करोड़ों लोगों की जाने बचाने का काम किया था।



क्या ऐसे परोपकारी कार्यों के लिए उन्हें विदेशी पुरस्कार नहीं दिया जा सकता।

गार्जियन ने इसका जिक्र कभी नही किया कि विश्व को मोदी नेतृत्व में भारत ने क्या–क्या दिया है। भारत की यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस जैसी सस्ती और सुलभ डिजिटल पेमेंट प्रणाली नेपाल, भूटान, सिंगापुर, यूएई और मॉरीशस ने अपना लिया है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत की प्राचीन धरोहर योग को मोदी सरकार के प्रयासों से वैश्विक मान्यता मिली?संयुक्त राष्ट्र द्वारा हर वर्ष 21 जून को 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मनाया जाता है। मोदी सरकार के प्रयासों से ही अफ्रीकी संघ को जी-20 का स्थायी सदस्य बनाया गया।

भारत ने प्राकृतिक आपदा के दौरान विश्व के देशों के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़ा रहा है। तुर्किये और सीरिया में आए भूकंप के दौरान'मिशन सागर'और'ऑपरेशन दोस्त'के जरिए विश्व स्तर पर मानवीय सहायता पहुंचाई गई। वेनेजुएला में विनाशकारी भूकंप के बाद ऑपरेशन अमिस्ताद के तहत बचाव दल और पोर्टेबल अस्पताल भेजे गए। म्यांमार में ऑपरेशन ब्रह्मा (2025) और ऑपरेशन सहायता (2008) के तहत भूकंप व चक्रवात के दौरान भारी राहत सामग्री व चिकित्सा सुविधाएँ दी गईं। श्रीलंका में सुनामी (2004) में ऑपरेशन रेनबो और चक्रवात (2025) में ऑपरेशन सागर बंधु के माध्यम से सहायता प्रदान की गई।

भारतीय नौसेना ने हालिया समुद्री सुरक्षा अभियानों (मुख्य रूप से अरब सागर और अदन की खाड़ी) में 520 से अधिक लोगों की जान बचाई है और ईरान, लाइबेरिया, माल्टा, और सेंट विंसेंट एंड द ग्रेनाडाइन्स जैसे विभिन्न देशों के झंडे वाले जहाजों को समुद्री लुटेरों से सुरक्षित मुक्त कराया है। इन अभियानों की सबसे बड़ी खासियत यह रही है कि नौसेना ने बिना किसी राष्ट्रीय भेदभाव के, पाकिस्तानी और ईरानी नागरिकों सहित कई देशों के नाविकों को भी बचाया है।

गार्जियन खासकर विदेशी मीडिया को कथित मानवाधिकारों के उल्लंघन पर भारी परेशानी है। भारत में उन्हें यह उल्लंघन नजर आता है। अंग्रेजों ने भारत पर 200 साल राज किया। अंग्रेज शासकों ने इस अवधि में भारतीयों पर अत्याचारों के सारे रिकार्ड तोड़ दिए। अंग्रेज व्यापारी बन कर आए और तानाशाह बन बैठे, खूब लूट खसौट की और भारत से सारा मालमत्ता समेट कर चंपत हो गए। आज भी कोहिनूर का हीरा इन्हीं अंग्रेजों के पास है, जो यह बताता है कि किस तरह इन्होंने भारत में लूटपाट मचाई थी। ऐसे मानवाधिकारों के उल्लंघन गार्जियन जैसे अखबारों को दिखाई नहीं देते। मानवाधिकारों के इन विदेशी पैरोकारों को जलियांवाला बाग दिखाई नहीं देता, जहां निहत्थे प्रदर्शकारियों को चारों तरफ से घेर कर एक अंग्रेज अधिकारी डायर ने गोलियों से भून डाला था।

गार्जियन को यह कभी दिखाई नहीं दिया कि किस तरह केंद्र सरकार ने मुसलमानों की भलाई का एक ऐतिहासिक काम किया, जिसे करने से पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री डरते रहे। देश की करोड़ों मुस्लिम महिलाओं को तलाक के बाद मिलने वाला कानून हक दिलवाया है। जिन्हें पहले पति तीन बार तलाक तलाक बोल कर धक्के खाने के लिए छोड़ दिया जाता था।कांग्रेस ने मुसलमानों के वोट के डर से सुप्रीम कोर्ट के शाह बानों के फैसले को ही पलट दिया था, जिसमें कोर्ट ने गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था, इसके खिलाफ तत्कालीन कांग्रेस सरकार के प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कानून बना दिया था।

विदेशी अखबारों को तकलीफ हो रही है कि मोदी राज में कैसे मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है, जब भारत ने ऐसे आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया तब खीझ उतारने के लिए कह दिया कि मोदी पुरस्कार के लिए दौड़े चले आते हैं। जिला स्तर, वार्ड स्तर, राज्यस्तर या राष्ट्रीय स्तर पर सरकारी और निजी क्षेत्र में पुरस्कार के लिए कितने पापड़ बेलने पड़ते हैं, इन्हें पाने के लिए लोग अपनी पूरी उम्र खपा देते हैं। उसमें भी जबरदस्त प्रतिस्पर्धा होती है, तब कहीं जाकर किसी एक का चयन किया जाता है।

ऐसे में देशों द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिये जाने वाले पुरस्कार का मापदंड कितने कठोर होगा, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। इन पुरस्कारों में पुरस्कार देने वाली सरकार के साथ उन देशों के करोड़ों लोगों की भावनाएं भी जुड़ी होती हैं। चलो मान भी लिया जाए कि किसी एक देश ने भारत से कुछ फायदा लेने के लिए कोई पुरस्कार दे दिया होगा, पर मोदी को तो दर्जनों देशों के सर्वोच्च पुरस्कार मिले हैं, तो क्या इन सब देशों को मोदी फायदा पहुंचाएंगी, वो भी सिर्फ एक पुरस्कार के कारण, यदि ऐसा हुआ होता ना तो अब तक देश में तूफान आ जाता, कांग्रेस ओर विपक्षी दलों ने आसमान सिर पर उठा लिया होता। गार्जियन का यह लेख सिर्फ हताशा ही प्रकट करता है, इससे पहले भी इसी तरह के विदेशी अखबारों में लेखों के जरिए भारत की छवि और विकास की तरफ बढ़ते कदमों को रोकने का असफल प्रयास किया जाता रहा है।

संपादकीय

सभ्यताओं के टकराव का युद्ध

पांच दिन, तीन रातें और कुल 310 विनाशक, विध्वंसक हमले...! क्या इन हमलों और बारूदी विस्फोटों के बाद किसी का अस्तित्व जिंदा रह सकता है? यकीनन ईरान अब भी तैनात, मोचार्बंद है और अमरीकी सेना के हमलों के पलटवार में खाड़ी देशों में सक्रिय अमरीका के सैन्य अड्डों को तबाह भी कर रहा है। यदि अमरीकी हमलों ने चाबहार, सिरिक, असालुयेह, यासूज, कोनारक, बुशहर आदि बंदरगाहों, सैन्य और परमाणु संयंत्र के करीबी ठिकानों पर विनाशक प्रहार करके बुनियादी ढांचे को बर्बाद किया है, तो खाड़ी देशों में अमरीका के 17 सैन्य बेस ईरान ने इस कदर तबाह किए हैं कि आने वाले कुछ वक्त तक वहां से ऑपरेशन करना मुनासिब नहीं होगा। अब यह युद्ध अनैतिकता, अहंकार, सभ्यताओं के टकराव और ईसाई बनाम शिया मुसलमान का युद्ध बनता जा रहा है। युद्ध थोपने के अमरीका-इजरायल के जो मंसूबे, मकसद थे, वे नाकाम होकर काफी पीछे छूट गए हैं और होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर युद्ध केंद्रित हो गया है। ईरान ने ओमान तट पर एक कार्गो जहाज पर हमला किया। पलटवार में अमरीकी हमलों ने ईरान में धुआं-धुआं कर दिया। ईरान खंडहर में तबदील होता जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ईरानी सभ्यता को ही मिटा देने पर आमादा हैं। वह ईरान को पाषाणकाल में धकेल देना चाहते थे, उन्होंने ऐसा बयान कई बार दोहराया था। अब ट्रंप का दावा है कि होर्मुज खुला है, जहाज-टैंकर आ-जा सकते हैं, लेकिन ईरान के आईआरजीसी ने ऐलान किया है कि होर्मुज फिलहाल बंद है। वैसे भी जो जहाज होर्मुज पार कर निकलना चाहते हैं, वे ईरानी अथॉरिटी से इजाजत लें। यदि होर्मुज के बजाय ओमान रूट से जहाज-टैंकर गुजरना चाहेंगे, तो उन पर मिसाइल-ड्रोन हमले किए जाएंगे।

बीते 15 दिनों में 70-80 जहाज चीन की ओर निकले हैं, उन पर हमले क्यों नहीं किए गए? बीती 10 जुलाई को 19 जहाज होर्मुज से निकले थे, जाहिर है कि उन्होंने 'ईरानी टोल' दिया होगा! बहरहाल जिस जहाज पर ईरान ने हमला किया था और अमरीका ने पलटवार में 140 हमले किए, उस जहाज पर साइप्रस देश का झंडा लगा था, लेकिन चालक दल में 11 भारतीय भी थे। ओमान ने लाइफ बोट के जरिए 10 भारतीयों सहित कुल 23 नाविकों को बचाया, लेकिन एक भारतीय नाविक लगातार लापता बताया जा रहा है। असीम समंदर में 'लापता' के मायने समझे जा सकते हैं। इससे पहले, जून माह में ही, अमरीकी सेना ने हमला कर 3 भारतीय नाविकों की 'हत्या' कर दी थी। हम इसे 'हत्या' ही मानते हैं, क्योंकि आज के विकसित, तकनीकी सम्पन्न परिवेश में तमाम डाटा उपलब्ध होता है कि किस जहाज पर क्या माल लदा है? उसका गन्तव्य क्या है? उसके नाविकों में किस देश के नागरिक हैं? सबसे महत्वपूर्ण यह है कि कार्गो जहाज को लगातार 'चेतावनी' दी जाती है और उसके जवाब की प्रतीक्षा की जाती है।

चिंतन-मनन

व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

बदलाव का क्रम निरंतर चलता है। जैन दर्शन इस क्रम को पर्याय-परिवर्तन के रूप में स्वीकार करता है। पर्याय का अर्थ है अवस्था। प्रत्येक वस्तु की अवस्था प्रतिक्षण बदलती है। यह जगत की स्वाभाविक प्रक्रिया है।कुछ अवस्थाओं को प्रयत्नपूर्वक भी बदला जाता है।स्वभाव से हो या प्रयोग से, बदलाव की प्रक्रिया को बदलना संभव नहीं है।वस्तु बदल सकती है तो व्यक्ति भी बदल सकता है।इस आस्थासूत्र का आलंबन लेकर ही व्यक्ति व्यक्तित्व-निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करता है।लक्ष्य निर्णीत होने के बाद उस दिशा में प्रस्थान करता है। आज का आदमी जेट युग की रफ्तार से चलता है। वह आकाश में सीढ़िया लगाने की बात सोचता है और समुद्र में सुरंग बनाने की कल्पना करता है।पर व्यक्ति-निर्माण का काम शॉर्टकट मेथड से पलक झपकते ही हो जाए, यह संभव नहीं है। व्यक्तित्व निर्माण की बात होती है तो प्रश्न उठता है कि किस प्रकार का व्यक्तित्व? इस प्रश्न का समाधान है आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व।व्यक्तित्व निर्माण के इस अनुष्ठान में जिन वर्गों को सहभागी होना है, उनमें एक वर्ग है- स्नातक। एक विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करने में अपने जीवन के सत्रह-अठारह वर्ष लगा देता है। उस समय उसके अभिभावकों के मन में यह भाव नहीं पैदा होता कि उसके ये वर्ष व्यर्थ तो नहीं बीत रहे हैं।क्योंकि डिग्री के साथ जीविका का संबंध जोड़ा जाता है।जीविका जीवन की अनिवार्यता है।लेकिन जीविका से अधिक मूल्यवान जीवन है।जीविका जीवन का साध्य नहीं साधन है।जीवन का साध्य है- विकास की यात्रा में अग्रसर होना। बुद्धि व्यक्तित्व का महज एक घटक है।उसका दूसरा घटक है प्रज्ञा।प्रज्ञा के जागरण से बौद्धिक विकास के साथ भावनात्मक विकास का संतुलन रहता है।जब ये दोनों विकास समानांतर होते हैं, तब आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण हो सकता है। इस बात को स्वयं विद्यार्थी अनुभव करे या नहीं, अभिभावकों को ध्यान देने की अपेक्षा है।

रिश्तों में कम्युनिकेशन की कमी और महिलाओं का प्लेज़र हर पति को यह क्यों समझना चाहिए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आजकल हम हर सब्जेक्ट पर खुलकर बात करते आ रहे हैं, लेकिन जब बात पति-पत्नी के बीच फिजिकल रिलेशनशिप और खासकर महिलाओं के सैटिस्फैक्शन, यानी ऑर्गेज्म (चरमसुख) की आती है, तो आज भी समाज में एक बड़ी गलतफहमी है। ज़्यादातर मामलों में देखा गया है कि शादीशुदा ज़िंदगी में सेक्सुअल रिलेशन बनाते समय पुरुष अपनी सैटिस्फैक्शन को ही सबसे ज़रूरी मानते हैं, लेकिन वे यह जानने या समझने की कोशिश भी नहीं करते कि उनकी पत्नी उस रिश्ते से सैटिस्फाइड है या नहीं। इस पवित्र रिश्ते में दोनों तरफ की सैटिस्फैक्शन एक हेल्दी शादी के लिए पहली शर्त है।

कम्युनिकेशन की कमीः इस पर बात करने से क्यों बचा जाता है?

हमारे समाज में सेक्स या सेक्सुअल सैटिस्फैक्शन के बारे में खुलकर बात करना आज भी शर्म की बात मानी जाती है। भले ही पति-पत्नी सालों से साथ रह रहे हों, लेकिन वे बेडरूम की इन बातों पर बात करने से बचते हैं।

पुरुष-प्रधान सोचः पुरुष अक्सर यह मान लेते हैं कि सेक्सुअल इंटरकोर्स प्रोसेस पूरा होने का मतलब है कि दोनों सैटिस्फाइड हैं। महिलाओं का शर्मीलापनः भारतीय संस्कृति और परवरिश की वजह से, महिलाएं अपनी शारीरिक ज़रूरतों या असंतुष्टि के बारे में खुलकर बात नहीं कर पाती हैं। उन्हें डर लगता है कि अगर उन्होंने इस विषय पर बात की, तो उनके चरित्र या मानसिकता पर सवाल उठाए जाएंगे। असंतुष्टि के साइड इफ़ेक्टः स्वभाव में चिड़चिड़ापन शारीरिक संबंध सिर्फ़ एक शारीरिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह मानसिक और हार्मोनल संतुलन से जुड़ा है। जब कोई महिला लंबे समय तक यौन संबंधों में असंतुष्ट महसूस करती है, तो इसका सीधा असर उसकी मानसिक स्थिति पर पड़ता है।

मानसिक तनावः अधूरी संतुष्टि एक महिला में डिप्रेशन और फ्रस्ट्रेशन पैदा करती है।

चिड़चिड़ा स्वभावः जिस पत्नी को अपने पति से चरम सुख नहीं मिलता, उसका स्वभाव धीरे-धीरे चिड़चिड़ा और गुस्सैल होने लगता है। वे छोटी-छोटी बातों पर लड़ने लगती हैं, जिसका असली कारण बेडरूम में असंतुष्टि है।

रिश्ते में दरारः पत्नी अपने पति से इमोशनली दूर होने लगती है और शादी में रोमांस गायब हो जाता है।

पुरुष कैसे जान सकते हैं कि पत्नी संतुष्ट है या नहीं?

पुरुषों और महिलाओं की शारीरिक बनावट और ऑर्गेज्म तक पहुंचने की प्रक्रिया बिल्कुल अलग होती है। पुरुष बहुत जल्दी सैटिस्फाइड हो जाते हैं, जबकि महिलाओं को ऑर्गेज़्म तक पहुंचने के लिए ज़्यादा समय, प्यार और सेंसिटिविटी की ज़रूरत होती है। पत्नी सैटिस्फाइड है या नहीं, यह जानने के लिए पुरुषों को इन बातों पर ध्यान देना चाहिएः

फोरप्ले का महत्वः महिला को सैटिस्फाइड करने के लिए सीधे इंटरकोर्स के बजाय फोरप्ले को काफ़ी समय देना ज़रूरी है।

फिजिकल साइनः जब महिला ऑर्गेज़्म तक पहुंचती है, तो उसकी सांस लेने की रफ़्तार बढ़ जाती है, शरीर की मसल्स में एक खास तरह का कॉन्ट्रैक्शन और रिलैक्सेशन देखा जाता है और उसके चेहरे पर शांति और सैटिस्फैक्शन का एक अनोखा एहसास होता है। रिश्ता खत्म होने के बाद, आप अपनी पत्नी को कडल करके पूछ सकते हैं कि वह कैसा महसूस कर रही है। इससे पत्नी की शर्म दूर होती है।

एक खुशहाल शादी का राज़ः ओपन कम्युनिकेशन

हर पुरुष को यह समझना होगा कि उसकी पत्नी सिर्फ़ उसकी इच्छाओं को पूरा करने का ज़रिया नहीं है, बल्कि वह इस रिश्ते में बराबर की पार्टनर है। एक्सपर्ट्स का मानना ??है किः 'एक आइडियल रिश्ता वह होता है जिसमें पति-पत्नी दोनों एक-दूसरे की फिजिकल और मेंटल इच्छाओं की रिस्पेक्ट करें। अगर आपके रिश्ते में कोई कमी है, तो एक-दूसरे पर गुस्सा करने के बजाय बैठकर शांति से बात करें। बातचीत ही हर प्रॉब्लम का सॉल्यूशन है। ' अगर पत्नी फिजिकली और मेंटली सैटिस्फाइड और खुश है, तो पूरा घर खुश रहेगा। इसलिए, शर्म छोड़िए, अपनी पत्नी की खुशी और सैटिस्फैक्शन का ध्यान रखिए और अपनी शादीशुदा ज़िंदगी को और मजबूत बनाइए।

विश्व युवा कौशल दिवस- साझा भविष्य की सबसे मजबूत नींव है युवा कौशल क्रांति



योगेश कुमार गोयल

रोजगार नहीं, अवसर सृजन की शक्ति है कौशल...

तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण तथा स्थानीय व वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के लिए प्रासंगिक अन्य कौशलों के विकास के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 15 जुलाई को 'विश्व युवा कौशल दिवस' मनाया जाता है। चूंकि यह दिन विश्वभर के युवाओं को रोजगार, काम और एंटरप्रेन्योर बनने के लिए जरूरी स्किल्स से लैस बनाने के लिए समर्पित है, इसीलिए यह दिवस मनाए जाने का काफी महत्व है। दरअसल पूरी दुनिया आज कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, जिनमें से कई चुनौतियां खासकर युवा वर्ग को बहुत प्रभावित करती हैं। यह दिवस युवाओं और 'तकनीकी, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण' (टीवीईटी) संस्थानों, फर्मों, नियोक्ताओं, श्रमिक संगठनों, नीति निमार्ताओं तथा विकास भागीदारों के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। यह दिन लैंगिक असमानता को समाप्त करने तथा कमजोर लोगों तक संसाधनों की पहुंच सुनिश्चित करने को बढ़ावा देने के लिए भी खास माना जाता है।

विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक पूरी दुनिया में 200 मिलियन से भी ज्यादा युवा या तो बेरोजगार हैं या उनके पास नौकरी तो है लेकिन वे गरीबी में जी रहे हैं। केवल 1997 और 2017 के बीच ही युवा आबादी में 139 मिलियन की वृद्धि हुई, वहीं युवा श्रम बल में 58.7 मिलियन की कमी आई। कोरोना काल के बाद तो युवा श्रम बल को लेकर स्थिति काफी बदतर हुई। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में पांच में से दो युवा श्रमिक प्रतिदिन 3.1 अमेरिकी डॉलर से भी कम पर जीवनयापन करते हैं और वैश्विक स्तर पर 4 में से 3 युवा कर्मचारी अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में कार्यरत हैं, जो सभ्य काम नहीं है। वैश्विक स्तर पर अधिकांश युवा अभी भी स्थिर या संतोषजनक नौकरी पाने के लिए औसतन 13.8 महीने तक प्रतीक्षा करते हैं, जो शिक्षा से नौकरी में एक कठिन संक्रमण को दशार्ता है। चूंकि पूरी दुनिया में युवा बेरोजगारों बहुत बड़ी फौज है, इसलिए उनके लिए आने वाली चुनौतियों का सफलतापूर्वक प्रबंधन करने के कौशल से लैस होना और भविष्य में होने वाली बाधाओं को झेलने के लिए लचीलापन होना आवश्यक है। वैश्विक स्तर पर बढ़ती युवा बेरोजगारी आज की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों के सामने विकसित और विकासशील देशों के लिए सबसे बड़ी समस्या है। इसीलिए विश्व युवा कौशल दिवस का मुख्य उद्देश्य बेरोजगारी और अल्प-रोजगार की चुनौतियों के संदर्भ में आज के युवाओं के लिए बेहतर सामाजिक-आर्थिक स्थिति प्राप्त करना है।

युवाओं को रोजगार, अच्छे कार्य और उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करने के रणनीतिक महत्व को स्वीकार करने और साथ ही वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने तथा सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 15 जुलाई 2014 को विश्व युवा कौशल दिवस मनाने की घोषणा की थी, तभी से यह दिवस 15 जुलाई को एक खास विषय के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष इस दिवस के लिए 'साझा भविष्य के लिए कौशल' विषय निर्धारित किया गया है, जो इस विचार को रेखांकित करता है कि भविष्य केवल तकनीकी दक्षता से नहीं बल्कि ऐसे संतुलित कौशलों से निर्मित होगा, जिनमें डिजिटल साक्षरता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित तकनीक, सामाजिक-भावनात्मक समझ, सहयोग, नवाचार और जिम्मेदार नागरिकता का समावेश हो।

भारत में 2015 में इसी दिन यानी 15 जुलाई को ही कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए 'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना' (पीएमकेवीवाई) की शुरूआत की गई थी। इसके तहत युवाओं को मुफ्त में लघु अवधि का औद्योगिक कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे रोजगार प्राप्त कर सकें। 14 से 35 वर्ष के युवा इस मिशन के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। प्रशिक्षण के लिए तीन महीने, छह महीने या एक वर्ष के लिए रजिस्ट्रेशन कराना होता है। कोर्स पूरा करने के पश्चात प्रमाणपत्र दिया जाता है, जो देशभर में मान्य है और इस कौशल प्रमाणपत्र के आधार पर आसानी से रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। चूंकि युवा वर्ग समाज में अधिक न्यायसंगत, समान और प्रगतिशील अवसरों तथा समाधानों की मांग कर रहा है, इसलिए युवाओं के समक्ष आने वाली शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और लैंगिक समानता तक पहुंच जैसी बहुमुखी चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है और इसके लिए युवाओं को कौशल प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें अपने कार्य वातावरण में अधिक रोजगार योग्य तथा अधिक उत्पादक बनाने के लिए गंभीर पहल किए जाने की भी जरूरत है।

भारत में केंद्र सरकार की ऐसी ही महत्वपूर्ण पहल है 'कौशल भारत', जिसके जरिये सफल होने के लिए युवाओं को आवश्यक कौशल से लैस करने के प्रयास किए जाते हैं। 'स्किलिंग इंडिया' के तहत 'कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय' भारतीयों में ऐसे कौशल विकसित करने की पहल और योजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिससे वे राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान बढ़ा सकें। दरअसल युवा राष्ट्र निर्माण और छवि निर्माण दोनों में ही सबसे बड़े हितधारक हैं, इसलिए उनके उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए युवाओं को कौशल प्रदान करने तथा देश और दुनिया को एक बड़ा कुशल कार्यबल प्रदान करने पर सरकार का फोकस है। युवाओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं में 'नेशनल अप्रेन्टसशिप प्रोमोशन स्कीम', युवाओं को स्टार्टअप शुरू करने, नवविचार को प्रोमोट करने, देश में स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'स्टार्टअप इंडिया', बेरोजगार युवाओं और महिलाओं को नया कारोबार शुरू करने के लिए लोन उपलब्ध करवाने हेतु 'पीएम रोजगार योजना' इत्यादि विभिन्न योजनाएं भी शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक हिंसक संघर्ष शिक्षा और स्थिरता को बाधित करते हैं, ऑनलाइन वातावरण में नकारात्मकता को बढ़ावा देने वाला ध्रुवीकृत वातावरण और लगातार आर्थिक असमानता अवसरों को सीमित



करती है। ये मुद्दे न केवल व्यक्तिगत भविष्य बल्कि समाज की समग्र स्थिरता को भी खतरे में डालते हैं। शांति की संस्कृति को बढ़ावा देने, जिम्मेदार वैश्विक नागरिकों का पोषण करने और सभी के लिए अधिक न्यायपूर्ण, समावेशी और टिकाऊ भविष्य बनाने के लिए सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए युवाओं को आवश्यक कौशल से लैस करना महत्वपूर्ण है। विश्व युवा कौशल दिवस युवाओं की क्षमता को पहचानने, उन्हें चुनौतियों का सामना करने तथा शांतिपूर्ण, समृद्ध और टिकाऊ भविष्य में योगदान देने के लिए कौशल और अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्धता पर जोर देता है। दरअसल तीव्र गति से विकसित होती प्रौद्योगिकी और नौकरी बाजार की निरंतर विकसित होती प्रकृति को देखते हुए युवाओं को अनुकूलनीय और बहुमुखी कौशल सैट के साथ सशक्त बनाना बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस का कहना है कि न केवल आज बल्कि हर दिन शिक्षा को बदलने के लिए काम करते हुए यह सुनिश्चित करने के भी प्रयास होने चाहिएं कि युवाओं के पास वह सब कुछ हो, जो उनके लिए अधिक शांतिपूर्ण, टिकाऊ भविष्य को आकार देने और उनके कौशल को विकसित करने के लिए आवश्यक है। अब चूंकि विभिन्न उद्योगों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस तकनीकों का तेजी से उपयोग कार्य के परिदृश्य को बदल रहा है, इसलिए भविष्य की नौकरियों के लिए युवाओं को तैयार करने हेतु उन्हें आवश्यक एआई कौशल से लैस करना बेहद महत्वपूर्ण हो गया है।

'मैं IAS हूं...' कहकर लड़की ने की शादी, सच सामने आया तो पुलिस ने लिया एक्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बरेली। उत्तरप्रदेश के बरेली में एक महिला पर खुद को IAS अधिकारी बताकर युवक से शादी करने का आरोप लगा है. पति का दावा है कि फेसबुक पर दोस्ती के बाद शादी हुई, लेकिन बाद में महिला के दावे फर्जी निकले. आरोप है कि उसने लाखों के जेवर हड़प लिए, 40 लाख रुपये मांगे और विरोध करने पर हत्या की कोशिश व झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी दी. पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया. अब तक फर्जी पहचान बनाकर शादी करने के ज्यादातर मामलों में पुरुषों के नाम सामने आते रहे हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश के बरेली से सामने आए एक मामले ने सबको चौंका दिया है. यहां एक महिला पर खुद को भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी बताकर युवक से शादी करने, लाखों रुपये के जेवर हड़पने, 40 लाख रुपये की मांग करने और पति की हत्या का प्रयास करने का आरोप लगा है. पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है. .पुलिस के अनुसार, फरीदपुर थाना क्षेत्र के गांव पचौमी निवासी अभिषेक की पहचान सोशल मीडिया के जरिए बदायूं जिले के बिल्सी थाना क्षेत्र के संतौत पट्टी ईशा गांव निवासी साधना से हुई थी. दोनों के बीच फेसबुक पर बातचीत शुरू हुई, जो धीरे-धीरे दोस्ती और फिर प्रेम संबंध में बदल गई. अभिषेक का आरोप है कि बातचीत के दौरान साधना खुद को ढूस अधिकारी बताती थी. उसने दावा किया कि उसकी नियुक्ति केवल एक कोर्ट केस की वजह से रुकी हुई है और फैसला आते ही वह प्रशासनिक सेवा में जॉइन कर लेगी. शिकायत के मुताबिक, साधना के पिता नरेंद्र पाल सिंह, भाई सूर्यप्रताप और रिश्तेदार राजेंद्र सिंह ने भी अभिषेक और उसके परिवार को भरोसा दिलाया कि कोर्ट का मामला खत्म होते ही साधना की नियुक्ति हो जाएगी. इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि साधना अपने प्रभाव से अभिषेक को भी सरकारी नौकरी दिलाने में मदद करेगी. इन्हीं दावों पर विश्वास कर अभिषेक ने 7 फरवरी 2025 को साधना से शादी कर ली. अभिषेक का आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही साधना का व्यवहार बदल गया. उसने कोर्ट केस और नियुक्ति का हवाला देकर परिवार के जेवर और कीमती सामान अपने कब्जे में लेना शुरू कर दिया. पति का आरोप है



'लोगों को मूर्ख बना रहा है ट्रस्ट...', राम मंदिर में CEO की नियुक्ति पर भड़के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने ट्रस्ट पर पारदर्शिता की कमी और वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए मौजूदा ट्रस्ट को हटाने की मांग की



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर में मुख्य कार्यकारी अधिकारी यानी ष्टश्वह्व की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है. जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने राम मंदिर ट्रस्ट पर तीखा हमला बोला है. शंकराचार्य CEO पद के लिए निकाली गई वैकेंसी पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब मुख्य ट्रस्ट का गठन किया जा रहा था, तब कोई वैकेंसी क्यों नहीं निकाली गई थी? उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब सिर्फ जनता को मूर्ख बनाने का एक तरीका है, और ट्रस्ट वही करेगा जो वो पहले से तय कर चुका है. अविमुक्तेश्वरानंद यहीं नहीं रुके, उन्होंने कहा कि जब ट्रस्ट नियुक्त किया जा रहा था, तब भर्ती नहीं निकली और अब सीईओ की नियुक्ति के लिए नोटिफिकेशन जारी किया जा रहा है. ये, जिसको उनको करना है उसको करेंगे, लोगों को केवल मूर्ख बना रहे हैं. इन सब चीज़ों का कोई तात्पर्य नहीं है. अविमुक्तेश्वरानंद ने राम मंदिर के मौजूदा ट्रस्ट पर वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाते हुए तुरंत हटाने की मांग की. उन्होंने कहा कि जब तक वह ट्रस्ट, जिस ट्रस्ट ने राम जी के खजाने में हाथ साफ़ किया है, जब तक वह वहां से साफ़ नहीं हो जाता है, निर्मूल नहीं हो जाता है. वहीं जब तक धर्माचार्यों का ट्रस्ट वहां बन कर भगवान की सेवा संभाल नहीं लेता है, तब तक हिंदुओं के मन में कोई शांति नहीं होगी. शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के इस बयान के बाद राम मंदिर की व्यवस्था और मौजूदा ट्रस्ट को लेकर एक बार फिर सनातन धर्म के जानकारों और संतों के बीच बहस तेज हो गई है. इधर राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला सामने आने के बाद दर्जनों दानदाताओं ने ट्रस्ट के सामने गंभीर आरोप लगाए हैं. कई श्रद्धालुओं का दावा है कि उनके द्वारा भेंट की गई वस्तुओं की रसीद नहीं दी गई. आरोप यह भी है कि उनकी दी गई भेंट राम मंदिर में प्रदर्शित या सुरक्षित नहीं रखी गई. इन शिकायतों को देखते हुए ट्रस्ट संबंधित श्रद्धालुओं द्वारा भेंट में दी गई वस्तुओं को लौटाने के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रहा है. ट्रस्ट का मानना है कि गर्भगृह में सभी भेंट स्वरूप प्राप्त वस्तुओं को रखने के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं है.



15 साल का टूटा साथ तो गम सह नहीं पाया डुग्गू, मालिक की अंतिम यात्रा में चलते-चलते थमीं सासें

बैतूल में 15 साल से अपने मालिक प्रदीप जैन के साथ रह रहे डुग्गू ने उनकी मौत के बाद दम तोड़ दिया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बैतूल। मध्य प्रदेश के बैतूल से इंसान और कुत्ते के बीच अटूट रिश्ते की कहानी सामने आई है। दोनों जब तक जिए हैं तो साथ जिए। अब दोनों साथ ही मरे हैं। इसके बाद परिजनों ने अंतिम संस्कार भी साथ में किया है। यह कहानी प्रदीप जैन और उनके डॉगी डुग्गू की है। दोनों की मौत के बाद वहां आए सभी लोगों की आंखें नम थी।

प्रदीप जैन का भोपाल एम्स में हो गया निधन

नगर के सिविल लाइन निवासी प्रदीप जैन (67) का भोपाल स्थित एम्स अस्पताल में उपचार के दौरान कल निधन हो गया था। वे पिछले आठ दिनों से अस्वस्थ थे। उनका पार्थिव शरीर कल शाम को बैतूल लाया गया, जहां परिजनों और शुभचिंतकों ने उन्हें अंतिम विदाई देने की तैयारी की। लेकिन इस विदाई में एक ऐसा साथी भी था, जिसने पिछले 15 वर्षों से उनका साथ निभाया था।

पार्थिव शरीर के पास से नहीं हट रहा था डुग्गू

उनका पालतू डॉगी (डुग्गू) अपने मालिक के पार्थिव शरीर के पास से हटने को तैयार नहीं था। परिजनों ने उसे दूसरे कमरे में बंद कर दिया, जहां वह परेशान रहा और उसकी आवाजें आते रही। डुग्गू बेचैन रहा और मानो अपने प्रिय मालिक के उठने का इंतजार करता रहा।

कुछ कदम चलकर उखड़ी सांसें

जब अंतिम यात्रा शुरू हुई तो डुग्गू भी अर्थी के साथ कुछ देर चला और उसने भी दम तोड़ दिया। परिजनों ने डुग्गू की भी अर्थी सजाई और दोनों



की अंतिम यात्रा साथ में निकाली। यह दृश्य देखकर वहां मौजूद लोग भावुक हो उठे। कई लोगों की आंखों से आंसू छलक पड़े। प्रदीप जैन का अंतिम संस्कार हिंदू रीति-रिवाज से किया गया, जबकि उनके सबसे वफादार साथी डुग्गू को भी श्मशान परिसर के समीप सम्मानपूर्वक दफनाया गया। परिजनों और स्थानीय लोगों का कहना है कि डुग्गू केवल एक पालतू जानवर नहीं था, बल्कि परिवार का सदस्य था। उसने अपने मालिक का साथ जीवन भर निभाया और अंतिम यात्रा में भी उन्हें अकेला नहीं छोड़ा। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि निस्वार्थ प्रेम, वफादारी और अपनापन शब्दों से नहीं, बल्कि रिश्तों से पहचाना जाता है। 15 साल तक साथ निभाने वाले डुग्गू ने अपने मालिक को ऐसी विदाई दी, जिसे देखने वाले शायद कभी भूल नहीं पाएंगे।

एथेनॉल घोटाला: 2320 का सरकारी चावल 2800 में खुले बाजार में बिका, 17 ट्रक जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बालाघाट। मध्य प्रदेश के बहुचर्चित फोर्टिफाइड चावल घोटाले की जांच अब अपने सबसे निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। मामले के खुलासे के बाद हरकत में आई जांच एजेंसियों ने अब तक 17 ट्रकों को जब्त कर लिया है और 13 से ज्यादा लोगों को नामजद किया है। इस पूरे खेल में रसूखदारों के शामिल होने के सुराग मिले हैं। सरकारी सिस्टम से जो चावल ?2320 प्रति क्विंटल की दर से एथेनॉल बनाने के लिए अलॉट हुआ था, उसे बिचौलिए और मिलर्स मिलकर ?2800 प्रति क्विंटल में खुले बाजार में खपा रहे थे। खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने साफ किया है कि वारासिवनी की संचेती राइस मिल के पास पकड़ा गया ट्रक एवीजे एग्रिको प्राइवेट लिमिटेड बोरगांव (छिंदवाड़ा) को अलॉट हुआ था। एथेनॉल के नाम पर मिला 242.55 क्विंटल फोर्टिफाइड चावल राइस मिल में मिलने के बाद दोनों कंपनियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

ट्रांसपोर्टेशन और कमीशन का बड़ा खेल

3 जून को एक्शन: वारासिवनी में संचेती राइस मिल के बाहर सरकारी चावल से लदा पहला ट्रक



पकड़ा गया था।

बड़ा मुनाफा: 2320 का सरकारी राशन सीधे 2800 प्रति क्विंटल के भाव में प्राइवेट मिलों को बेचा जा रहा था।

जांच का दायरा: अब तक 50 से अधिक लोगों से पूछताछ की जा चुकी है और उनके बैंक खातों को खंगाला जा रहा है।

एफसीआई का रुख: एफसीआई ने अपनी रिपोर्ट दिल्ली भेजकर कहा है कि अलॉटमेंट के लेवल पर कोई नियमों का उल्लंघन नहीं हुआ।

रसूखदारों पर शिकंजा: ट्रांसपोर्ट नेटवर्क और एथेनॉल यूनिट्स के डिजिटल रिकॉर्ड की जांच की जा रही है।

मध्य प्रदेश में UCC लागू करने की तैयारी, आदिवासियों को मिलेगी छूट

मध्य प्रदेश में UCC लागू करने की दिशा में सरकार को समिति की रिपोर्ट मिल गई है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मध्य प्रदेश। मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है. सरकार की ओर से बनाई गई समिति ने अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री मोहन यादव को सौंप दी है. इस रिपोर्ट में सबसे अहम सिफारिश यह की गई है कि अनुसूचित जनजातियों को UCC के दायरे से बाहर रखा जाए. अब रिपोर्ट कानून विभाग को भेज दी गई है. अगले चरण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद मानसून सत्र में इससे जुड़ा विधेयक विधानसभा में पेश किया जा सकता है. जानकारी के अनुसार वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति पहले इस रिपोर्ट की समीक्षा करेगी. इसके बाद जैसे ही कैबिनेट की मंजूरी मिलेगी, वैसे ही UCC विधेयक को विधानसभा के मानसून सत्र में पेश कर दिया जाएगा. वैसे मध्य प्रदेश विधानसभा का यह पांच दिवसीय मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होने जा



हा है. वहीं, तय समय के भीतर रिपोर्ट सौंपने के लिए सीएम मोहन यादव ने समिति के सभी सदस्यों का आभार जताया है. आपको बता दें कि इस समिति को रिटायर्ड रंजना प्रकाश देसाई की देखरेख में बनाया गया था. समिति की रिपोर्ट तीन हिस्सों में तैयार की गई है. पहले हिस्से में देश-विदेश और मध्य प्रदेश के मौजूदा कानूनों का अध्ययन करने के बाद सिफारिशें दी गई हैं. UCC का ड्राफ्ट बिल शामिल है, जबकि तीसरे भाग में जनता से मिले सुझावों का पूरा ब्योरा दिया गया है. सरकार के मुताबिक इस ड्राफ्ट बिल में चार भाग, 404 धाराए और सात अनुसूचियां शामिल हैं. रिपोर्ट तैयार करने के दौरान जिला, राज्य और वेबसाइट के जरिए लोगों से राय मांगी गई थी. इस प्रक्रिया में 9.58 लाख से ज्यादा सुझाव मिले, जिनका अलग-अलग आधार पर विश्लेषण भी रिपोर्ट में जोड़ा गया है. समिति को शादी, तलाक, गुजारा भत्ता, संपत्ति में उत्तराधिकार, गोद लेने और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे पारिवारिक मामलों से जुड़े मौजूदा कानूनों का अध्ययन करने की जिम्मेदारी दी गई थी. इसी आधार पर मध्य प्रदेश की सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ड्राफ्ट तैयार किया गया. रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के साथ प्रदेश की पारंपरिक रीति-रिवाजों, सामाजिक प्रथाओं और संवैधानिक प्रावधानों का भी ध्यान रखा गया है. सबसे महत्वपूर्ण सिफारिश अनुसूचित जनजातियों को UCC के दायरे से बाहर रखने की है, जिस पर अब सरकार आगे फैसला लेगी.

छतरपुर में रोंगटे खड़े करने वाली वारदात: महिला को पीटते-पीटते थके आरोपी, पानी पी-पीकर फिर बरसाईं लाठियां,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले से इंसानियत को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 55 साल की बुजुर्ग महिला हरकुंवर प्रजापति को बेरहमी से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया गया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक खौफनाक वीडियो में साफ दिख रहा है कि हमलावर महिलाएं पीटते-पीटते थकने पर बीच में रुककर पानी पीती हैं और फिर असहाय पड़ी बुजुर्ग पर दोबारा लाठियां बरसाने लगती हैं। यह पूरी वारदात 11 जुलाई को हुई, जब भारी बारिश के बाद हरकुंवर अपने घर के बाहर जमा पानी निकालने के लिए निकली थीं। तभी पुरानी रंजिश के चलते विरोधी परिवार के लोगों ने उन पर लाठियों से हमला कर दिया। इलाज के दौरान पीड़ित महिला ने दम तोड़ दिया।

पुलिस पर लापरवाही के आरोप

मृतका के बेटे राजेंद्र प्रजापति ने स्थानीय पुलिस प्रशासन पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। राजेंद्र का कहना है कि जब उनकी मां को बेरहमी से पीटा जा रहा था, तब पुलिस की डायल-112 टीम मौके पर ही मौजूद थी, लेकिन पुलिसकर्मियों ने हमलावरों को रोकने की कोई कोशिश नहीं की।



इतना ही नहीं, परिजनों का आरोप है कि गंभीर रूप से घायल और तड़प रही बुजुर्ग महिला को तुरंत अस्पताल ले जाने के बजाय पुलिस शिकायत की औपचारिकताएं पूरी करने के लिए करीब एक घंटे तक थाने में बिठाए रही। समय पर सही इलाज न मिलने के कारण आखिरकार जिला अस्पताल में उनकी मौत हो गई।

पुरानी रंजिश और अब तक की कार्रवाई

विवाद की वजहः परिजनों के मुताबिक, 25 अप्रैल को मृतका का छोटा बेटा पवन और आरोपी परिवार की एक लड़की घर से चले गए थे, जिसके बाद से दोनों परिवारों में दुश्मनी थी। ताजा ट्रिगरः 11 जुलाई को घर के बाहर जलजमाव को साफ करने की बात पर बहस हुई और हमलावरों ने लाठियां निकाल लीं।

गिरफ्तारी: छतरपुर एसपी रजत सकलेचा के मुताबिक, हत्या के इस मामले में अब तक 4 मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस पर जांच: एसपी ने बताया कि वायरल वीडियो की जांच की जा रही है और मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों के रवैये की भी विभागीय इंक्वायरी होगी।

बाराबंकी: पिता से वीडियो कॉल के बाद टीचर बेटे ने किया सुसाइड, गृह प्रवेश से पहले अब घर में पसरा मातम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बाराबंकी। एक शिक्षक परिजनों से वीडियो कॉल पर बात करने के बाद फांसी के फंदे पर झूल गया। पुलिस को शिक्षक का शव बंद कमरे में मिला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में सरकारी विद्यालय के एक शिक्षक ने फांसी के फंदे से लटक कर सुसाइड कर लिया। बताया जा रहा है कि 32 वर्षीय शिक्षक शुभाष्कर तिवारी अपने पिता से वीडियो कॉल पर बातचीत करने के तुरंत बाद घर में फांसी पर झूल गए। इनकी पत्नी छाया तिवारी बहराइच जिले के प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक पद पर कार्यरत हैं। घटना के समय इनकी पत्नी और दो बच्चे लखनऊ में थे। सूचना के बाद पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है।= पुलिस के मुताबिक, रामनगर पंचायत के धमेड़ी -2 मोहल्ले के निवासी शुभाष्कर तिवारी और उनकी पत्नी छाया तिवारी बहराइच जिले के प्राइमरी स्कूल में टीचर हैं। वह अपने परिवार के साथ लखनऊ में रहते थे। लेकिन परिवार में विवाद की वजह से शुभाष्कर दो दिनों से रामनगर पंचायत स्थित अपने मकान में ही रह रहे थे। सोमवार सुबह 8:50 बजे उसने अपने पिता सेवानिवृत जिला संख्यायिकी अधिकारी बृजकिशोर तिवारी से मोबाइल पर वीडियो कॉल कर बात की। इसके बाद उसने कमरे में ही फांसी लगाकर जान दे दी। घटना के समय वह घर में अकेले थे, जबकि उनकी पत्नी और बच्चे लखनऊ में मौजूद थे। सबसे दर्दनाक बात यह रही कि आत्मघाती कदम उठाने से कुछ देर पहले उन्होंने पिता से वीडियो कॉल पर बातचीत की थी। कॉल खत्म होने के तुरंत बाद परिजनों को किसी अनहोनी की आशंका हुई। सूचना मिलने पर मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे तो मकान का मुख्य दरवाजा अंदर से बंद था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस और स्थानीय लोगों ने छत के रास्ते घर में प्रवेश किया। अंदर कमरे में शुभाष्कर तिवारी फांसी के फंदे से लटके मिले। उन्हें तत्काल नीचे उतारकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि शुभाष्कर तिवारी ने हाल ही में रामनगर कस्बे में अपना नया मकान बनवाया था।



गौतमबुद्ध नगर में 300 से ज्यादा जिम बंद करने की तैयारी, नोटिस के बाद शुरू होगा तगड़ा एक्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में खेल विभाग ने बिना एनओसी चल रहे 300 से अधिक जिम -फिटनेस सेंटरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने जा रहा है। जिले में चल रहे जिन जिम और फिटनेस सेंटरों के पास अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) नहीं है, उनके खिलाफ विभाग कड़ी कार्रवाई करेगा। अंतिम नोटिस जारी कर नियम न मानने वालों को बंद कराने के लिए जिलाधिकारी को पत्र भेजा जाएगा। अभी तक सिर्फ 59 संचालकों ने एनओसी ली है, कई बड़े ब्रांड भी सूची में हैं। विभाग का कहना है कि नियमों का पालन न करने वाले ऐसे केंद्रों को बंद कराया जाएगा। अंतिम नोटिस जारी करके शीघ्र ही कार्रवाई शुरू की जाएगी।



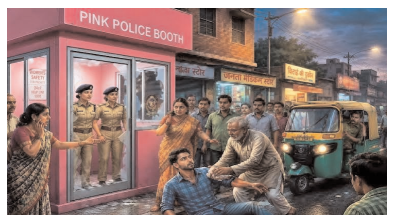
300 से अधिक एनओसी नहीं ले पाए

खेल विभाग पिछले कई महीनों से जिम और फिटनेस सेंटर के संचालकों से बार-बार एनओसी लेने की अपील कर रहा है। बावजूद इसके नोएडा, ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट में 300 से अधिक जिम संचालक अब भी एनओसी नहीं ले पाए हैं। खेल विभाग ने बताया कि नियम न मानने वाले जिम और फिटनेस सेंटरों को बंद कराने का कदम उठाया जाएगा। इसके पहले अंतिम नोटिस जारी कर तुरन्त कार्रवाई की जाएगी। प्रभारी जिला खेल अधिकारी डॉ. परवेज अली ने बताया कि अब तक केवल 59 जिम संचालकों ने खेल विभाग से एनओसी प्राप्त की है। इससे पूर्व में नोएडा, ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट के इलाकों में किए गए निरीक्षण में कई स्थानों पर बिना एनओसी के जिम चलते पाए गए। जिले भर में 300 से अधिक जिम और फिटनेस सेंटरों को चिन्हित किया गया है। इन सभी को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण माँगा जाएगा, और नियमों का उल्लंघन करने वाले जिमों को बंद कराने के लिए जिलाधिकारी को पत्र भेजा जाएगा। खेल विभाग के अधिकारी के अनुसार एनी टाइम फिटनेस, कल फिट, एनिडे फिटनेस, हाउस ऑफ फिटनेस, फिटनेस यार्ड, के 11 फिटनेस क्लब, एंकर फिटनेस क्लब, मैराखी फिटनेस स्टूडियो, द फॉरच जिम, एनएस फिटनेस क्लब, एएस फिटनेस क्लब, फिट फैक्ट्री जिम, फिटनेस 911, एक्सलूट फिटनेस जोन, एसके फिटनेस जिम समेत कई नामी सेंटरों ने अब तक एनओसी नहीं ली है।

गाजियाबाद के मधुबन बापूधाम में पिंक बूथ पर मदद मांगता रहा युवक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। मधुबन बापूधाम क्षेत्र के संजयनगर सेक्टर-23 पिंक बूथ पर कार्यालय का दरवाजा खोलने के लिए युवक ने हाथ मारा तो शीशा लगने से हाथ की नस कट गई। करीब आधे घंटे की देरी से पहुंची ऐम्बुलेंस से उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा कि युवक का किराये को लेकर ऑटो चालक से झगड़ा हुआ था। शिकायत करने के लिए युवक पिंक बूथ पर पहुंचा था, जहां महिला पुलिसकर्मियों ने शोर सुनकर कार्यालय का दरवाजा बंद कर लिया था, जिसके कारण यह घटना हुई।



किराये को लेकर ऑटो चालक से मारपीट

जानकारी के अनुसार, मूलरूप से बिहार के गांव बटुलिया निवासी राजकुमार (22) सेक्टर-23 संजयनगर में किराये के मकान में रहता था और कार मैकेनिक था। रविवार दोपहर राजकुमार को कहीं जाना था। किराये को लेकर राजकुमार और ऑटो चालक में मारपीट हो गई। ऐसे में राजकुमार शिकायत करने और जान बचाने के लिए सेक्टर-23 पिंक बूथ पहुंचा, जहां उसने लोहे के दरवाजे में हाथ मारा, लेकिन नहीं खुला।

पुलिसकर्मियों ने बंद कर लिया था दरवाजा

आरोपी से बचाने की गुहार लगाते हुए राजकुमार प्रभारी के कार्यालय का दरवाजा खोलने का प्रयास करने लगा, लेकिन वहां मौजूद महिला पुलिसकर्मियों ने गेट बंद कर लिया और अंदर से देखती रहीं। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि राजकुमार ने दोनों हाथ दरवाजों पर पटके। इससे कांच टूटकर उसके हाथों में घुस गया और दोनों हाथों की नसें कट गईं। आशंका जताई जा रही है कि अधिक खून बहने से राजकुमार की मौत हुई है। बताया जा रहा है कि आधे घंटे बाद पहुंची ऐम्बुलेंस में फर्स्ट ऐड किट भी नहीं थी। डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। जांच की जा रही है। पिंक बूथ पर पहुंचे युवक की बात सुननी चाहिए थी। मामले की जांच कर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में AI से लैस डस्ट पोर्टल शुरू, हो सकेगी लाइव मॉनिटरिंग, प्रदूषण का तुरंत अलर्ट देगा प्लेटफॉर्म

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को दिल्ली सचिवालय में AI पर चलने वाला 'डस्ट पोर्टल 2.0' को लॉन्च किया। DPCC की ओर से बना यह डिजिटल प्लेटफॉर्म ,ढ्ढ की सहायता से कंस्ट्रक्शन और डिमोलिशन साइट्स पर धूल नियंत्रण उपायों की रियल टाइम निगरानी करेगा।

असल समय में होगी निगरानी

इसके जरिए सेल्फ इवैल्युएशन की सुविधा भी मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान डस्ट पोर्टल 2.0 का लाइव डेमो करके दिखाया गया कि किस तरह से ,ढ्ढ के जरिए निगरानी सिस्टम को सटीक और प्रभावी बनाया जा सकता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि डस्ट पोर्टल 2.0 निर्माण स्थलों पर धूल प्रदूषण की निगरानी और प्रबंधन की प्रक्रिया में एक बड़ा बदलाव लेकर आएगा। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि नई व्यवस्था से असल समय में निगरानी होगी। DPCC ने निर्माण स्थलों के लिए 12 पॉइंट्स वाला सेल्फ ऑडिट सिस्टम भी लागू किया है। इसके तहत साइट पर ग्रीन नेटिंग या बैरिकेडिंग, पानी छिड़काव, सामग्री को ढकना, गाड़ियों के टायर धोने की व्यवस्था, एंटी स्मॉग गन पीएम 2.5 और पीएम 10 सेंसर, कैमरे, साइन बोर्ड लगाना जैसे मानकों का पालन करना होगा। इन सभी के फोटो पोर्टल पर अपलोड करने होंगे। दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने भी सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए दिल्ली सरकार हर स्तर पर लगातार काम कर रही है। इसी दिशा में आज दिल्ली सचिवाल AI -संचालित 'डस्ट पोर्टल 2.0' और मोबाइल एप का शुभारंभ किया गया। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति द्वारा विकसित यह पोर्टल निर्माण एवं विध्वंस स्थलों पर धूल नियंत्रण उपायों की AI की मदद से रियल-टाइम निगरानी करेगा।

'अनशन खत्म करें', अखिलेश से लेकर केजरीवाल तक... सोनम वांगचुक को मिला विपक्ष का साथ

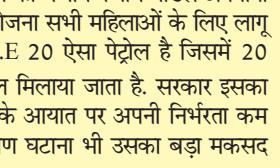


महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी का प्रदर्शन पिछले 24 दिनों से चल रहा है. शिक्षाविद और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक इस प्रदर्शन में 28 जून से भूख हड़ताल पर बैठे हैं और उनकी सेहत लगातार बिगड़ रही है. मंगलवार को आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने इस प्रदर्शन को अपना समर्थन दिया और वांगचुक से भूख हड़ताल खत्म करने की अपील की. वहीं समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी वांगचुक से अनशन तोड़ने की गुजारिश की और भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला. इसके अलावा लेखिका अरुंधति रॉय समेत कई जाने माने लोगों ने भी प्रदर्शनकारियों से भूख हड़ताल रोकने की अपील की है. केजरीवाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वे गुरुवार शाम 5 बजे जंतर मंतर जाकर वांगचुक और सीजेपी के प्रदर्शन को समर्थन देंगे. उन्होंने कहा कि वांगचुक कई दिनों से भूख हड़ताल पर हैं और उनकी सेहत खराब होती जा रही है. केजरीवाल ने कहा कि वांगचुक देश की एक अनमोल शख्सियत हैं और उन्हें अपनी भूख हड़ताल खत्म कर देनी चाहिए क्योंकि संघर्ष के और भी रास्ते हो सकते हैं. उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी सीजेपी की मांगों का समर्थन करती है और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए. केजरीवाल ने यह भी कहा कि परीक्षा प्रणाली में सुधार होना चाहिए ताकि पेपर लीक जैसी घटनाएं रुकें और छात्रों को आगे परेशानी न झेलनी पड़े. आम आदमी पार्टी की नेता और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी सोमवार को जंतर मंतर जाकर वांगचुक से मिल चुकी हैं. आयोजकों के मुताबिक वांगचुक का वजन अब तक 8.2 किलोग्राम कम हो चुका है.

E20 पेट्रोल पर अरविंद केजरीवाल की PM मोदी को चिट्ठी, रखीं दो बड़ी मांगें

महानगर मेट्रो ब्यूरो



दिल्ली। आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने श्व20 पेट्रोल के मुद्दे पर सीधे पीएम मोदी को एक चिट्ठी लिखी है, जिसमें जनता के हित से जुड़ी दो बड़ी मांगें रखी गई हैं. इस चिट्ठी में मांग की गई है कि हर पेट्रोल पंप पर ग्राहकों को E20 के साथ 100 फीसदी शुद्ध पेट्रोल का विकल्प भी मिलना चाहिए. साथ ही अगर श्व20 पेट्रोल में माइलेज कम मिलता है तो उसकी कीमत भी कम होनी चाहिए. साथ ही उन्होंने StopEw®petrol.com के जरिए देशभर में ऑनलाइन सिग्नेचर अभियान भी शुरू किया है. अरविंद केजरीवाल ने E20 पेट्रोल के मुद्दे पर सिर्फ चिट्ठी लिखने तक बात सीमित नहीं रखी. उन्होंने 'स्टॉप E20 पेट्रोल' नाम से एक ऑनलाइन सिग्नेचर अभियान भी शुरू किया है. इसके लिए StopEw®petrol.com वेबसाइट लॉन्च की गई है, जहां लोग प्रधानमंत्री के नाम की याचिका पर हस्ताक्षर कर सकते हैं. इसके अलावा, केजरीवाल ने लोगों से अपील की है कि अगर उन्हें श्व20 पेट्रोल की वजह से माइलेज कम होने, इंजन में खराबी या गाड़ी के रखरखाव का खर्च बढ़ने जैसी दिक्कतें आ रही हैं, तो वे इस अभियान से जुड़ें. साथ ही, उन्होंने लोगों से सोशल मीडिया पर अपने अनुभव वीडियो के जरिए साझा करने की भी अपील की. अरविंद केजरीवाल ने बताया कि श्व20 पेट्रोल को लेकर उन्हें लोगों और सर्विस सेंटरों से लगातार शिकायतें मिल रही हैं. बड़ी संख्या में गाड़ी मालिक माइलेज कम होने के साथ-साथ इंजन में खराबी की बात कह रहे हैं. इसी समस्या को देखते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री से मिलने का समय मांगा है, ताकि सरकार आम लोगों की परेशानी सुनकर इसका कोई समाधान निकाले. अपनी चिट्ठी में उन्होंने मुख्य रूप से दो मांगें उठाई हैं. पहली मांग यह है कि पेट्रोल पंपों पर 100 फीसदी शुद्ध पेट्रोल, E10 और श्व20 तीनों के विकल्प मिलने चाहिए, ताकि लोग अपनी पसंद से तेल चुन सकें. दूसरी मांग सीधे जनता की जेब से जुड़ी है. उनका कहना है कि E20 पेट्रोल से गाड़ियों का माइलेज कम मिलता है, इसलिए इसकी कीमत भी सामान्य पेट्रोल के मुकाबले कम होनी चाहिए. प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान केजरीवाल ने दिल्ली सरकार की 2500 रुपये वाली महिला योजना पर भी सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि इस योजना में शर्तें लगाने की बजाय पंजाब मॉडल अपनाना चाहिए. उनके मुताबिक पंजाब में यह योजना सभी महिलाओं के लिए लागू की गई है, चाहे वे अमीर हों या गरीब.E 20 ऐसा पेट्रोल है जिसमें 20 फीसदी इथेनॉल और 80 फीसदी पेट्रोल मिलाया जाता है. सरकार इसका इस्तेमाल बढ़ाकर जहां एक तरफ तेल के आयात पर अपनी निर्भरता कम करना चाहती है, वहीं दूसरी तरफ प्रदूषण घटाना भी उसका बड़ा मकसद है.

वॉटरफॉल पर घूमने गए परिवार से मारपीट, 15 km तक किया पीछा, तोड़ डाले गाड़ी के शीशे

विरोध करने पर आरोपियों ने परिवार का कई किलोमीटर तक पीछा किया, कार में तोड़फोड़ की और जानलेवा हमला करने का आरोप है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो





मुंबई। महाराष्ट्र के नासिक जिले में स्थित इगतपुरी के प्रसिद्ध भवाली वॉटरफॉल पर घूमने पहुंचे एक परिवार के साथ कथित तौर पर मारपीट और महिलाओं से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है. पीड़ित परिवार का आरोप है कि स्थानीय युवकों ने पहले महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किया. जब परिवार ने इसका विरोध किया तो विवाद बढ़ गया. परिवार के मुताबिक, आरोपी यहीं नहीं रुके बल्कि उनकी कार का करीब 10 से 15 किलोमीटर तक पीछा किया. रास्ते में कई बार उन्हें रोकने की कोशिश की गई और लकड़ी के डंडों तथा लोहे की रॉड से हमला किया गया. हमले में कार को भी नुकसान पहुंचाया गया. पीड़ितों का कहना है कि किसी तरह जान बचाकर वे वहां से निकल सके. घटना के बाद पीड़ित परिवार ने इगतपुरी पुलिस स्टेशन और नासिक शहर के अंबड़ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है. शिकायत के आधार पर गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है और बाद में 9 लोगों को हिरासत में भी ले लिया गया है. पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटना की जांच नासिक ग्रामीण पुलिस और अंबड़ पुलिस संयुक्त रूप से कर रही है. आसपास के सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की मदद से आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है. फिलहाल पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं की जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. इस घटना ने एक बार फिर नासिक और इगतपुरी के लोकप्रिय पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं.

देवेंद्र फडणवीस बने लंबे समय तक कुर्सी पर रहने वाले तीसरे CM, शरद पवार को पछाड़ा, अब विलासराव-वसंतराव नाइक ही आगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो



मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री के रूप में सबसे लंबे कार्यकाल का पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू का रेकॉर्ड तोड़ा है। अब देवेंद्र फडणवीस सबसे लंबे समय तक सत्ता की कुर्सी पर रहने वाले महाराष्ट्र के तीसरे मुख्यमंत्री बन गए हैं। 12 जुलाई 2026 तक फडणवीस का मुख्यमंत्री के तौर पर कार्यकाल 2430 दिन यानी 6 साल 7 महीने का हो गया। इस उपलब्धि के साथ ही उन्होंने शरद पवार (2412 दिन) को पीछे छोड़ते हुए राज्य के इतिहास में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नेताओं की सूची में तीसरा स्थान हासिल कर लिया है।

शरद पवार कितनी बार बने मुख्यमंत्री?

दरअसल शरद पवार राज्य के चार बार मुख्यमंत्री बने जबकि फडणवीस का यह तीसरा कार्यकाल है। फडणवीस से ज्यादा लंबे समय तक महाराष्ट्र की कुर्सी पर रहने वाले नेताओं में वसंतराव नाईक पहले और विलासराव देशमुख दूसरे नंबर पर हैं। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि जिस मजबूती से फडणवीस ने खुद को महाराष्ट्र में स्थापित किया है वह न केवल अपना रेकार्ड और मजबूत करेंगे बल्कि विलासराव देशमुख के 2686 दिनों के रेकार्ड को भी पार कर सकते हैं।

महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा दिन किसने संभाली कमान?

कांग्रेस के वसंतराव नाईक ने 11 साल 77 दिन (दिसंबर 1963 से फरवरी 1975) यानी 4096 दिनों तक महाराष्ट्र की कमान संभाली थी। यह रेकॉर्ड दशकों से कायम है। वहीं कांग्रेस के ही विलासराव देशमुख 2686 दिन तक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे। देवेंद्र फडणवीस अब तक तीन बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बन चुके हैं। फडणवीस पहली बार अक्टूबर 2014 से नवंबर 2019 लगातार 5 साल मुख्यमंत्री रहे। 2019 में मुख्यमंत्री के रूप में फडणवीस का कार्यकाल केवल 6 दिन रहा। तीसरी बार दिसंबर 2024 में फडणवीस ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और यह कार्यकाल अब भी जारी है। फडणवीस का मौजूदा कार्यकाल में 12 जुलाई 2026 तक 585 दिन पूरे हो चुके थे।

दिल्ली में फूड डिलीवरी को लेकर विवाद, 15 साल के युवक की चाकू मारकर हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली। साउथ डिस्ट्रिक्ट के आंबेडकर नगर इलाके में फूड डिलिवरी को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद एक युवक की जान ले बैठा। आरोपी ने कृष्ण रोशन (15) की चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डीसीपी अनंत मित्तल के अनुसार पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर आरोपियों की पहचान कर दो को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद किया। पुलिस के मुताबिक, 10 जुलाई की रात करीब 9:30 बजे अंबेडकर नगर थाने में पीसीआर कॉल के जरिए चाकूबाजी की सूचना मिली। पुलिस ने घायल कृष्ण रोशन को एम्स ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

फूड डिलीवरी को लेकर हुआ था विवाद

डीसीपी अनंत मित्तल के अनुसार, लोगों से पूछताछ, तकनीकी साक्ष्यों और अन्य सुरागों के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। हत्या के पीछे कोई बड़ी आपराधिक साजिश नहीं, बल्कि फूड डिलिवरी के दौरान सामान नहीं मिलने को लेकर उपजा विवाद था।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों के मन में इस बात को लेकर पहले से नाराजगी थी कि उन्हें तय सामग्री की डिलिवरी नहीं मिली थी। इसे लेकर उन्होंने कृष्ण रोशन को रोककर बहस शुरू कर दी। कहासुनी हिंसक झड़प में बदल गई और आरोपियों ने युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। कृष्ण रोशन को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी।ढ्ढ पुलिस ने उनके ठिकानों पर दबिश दी और जहांपनाह सिटी फॉरेस्ट से दोनों को पकड़ लिया। इनकी पहचान राहुल उर्फ धोबी और राहुल तोमर उर्फ मोटा के रूप में हुई है। दोनों दक्षिणपुरी के सुभाष कैंप के रहने वाले हैं। उनकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल चाकू भी बरामद किया गया। पिता की कर रहा था मदद मृतक के परिवार वालों के अनुसार कृष्ण की तीन बहनें है। हाल ही में उसने 12वीं क्लास पास की थी। पिता की सहायता के लिए वह फूड डिलिवरी का काम कर रहा था। परिवार का आरोप है कि रोशन के साथ लूटपाट भी की गई है। परिवार ने आरोपियों के खिलाफ सख्त ऐक्शन लेने की गुहार लगाई है।

सुनेत्रा पवार का चुनाव गैर कानूनी, उनकी ही पार्टी पदाधिकारी ने दिया लीगल नोटिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो



मुंबई। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी में पार्टी के कामकाज के तरीके, खासकर NCP सांसद और महाराष्ट्र की डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार के बड़े बेटे पार्थ पवार की पार्टी के कामकाज में दखलअंदाजी को लेकर असंतोष बढ़ रहा है। यह असंतोष तब सामने आया जब NCP सचिव सच्चिदानंद सिंह ने सुनेत्रा को कानूनी नोटिस भेजा। इसमें दावा किया गया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर उनका चुनाव गैर-कानूनी था और नए सिरे से चुनाव कराने की मांग की गई। 9 जुलाई को सुनेत्रा को भेजे गए नोटिस में सिंह ने अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए पार्टी द्वारा अपनाई गई पूरी चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के संविधान के अनुसार एक स्वतंत्र केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण का गठन और चुनाव का आधिकारिक कार्यक्रम जारी करने के लिए एक रिटर्निंग ऑफिसर की नियुक्ति जरूरी है, लेकिन इनमें से कुछ भी नहीं किया गया। 15 दिन का दिया समय सच्चिदानंद सिंह ने पार्टी को अपनी मांगों को पूरा करने के लिए 15 दिन का समय दिया है। इन मांगों में सुनेत्रा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर हुए तथाकथित चुनाव को अमान्य घोषित करना शामिल है। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग को भेजी गई सभी सूचनाओं और दस्तावेजों को वापस लेने को कहा है। इसके अलावा पदाधिकारियों की नियुक्ति को शून्य और अमान्य घोषित करने की भी मांग की है। प्रफुल्ल पटेल और बृजमोहन श्रीवास्तव भी प्रतिवादी पार्टी सचिव ने चेतावनी दी है कि अगर पार्टी उनकी मांगों को पूरा नहीं करती है तो वे कानूनी कार्रवाई करेंगे। सुनेत्रा के अलावा, NCP के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और राष्ट्रीय महासचिव बृजमोहन श्रीवास्तव को भी प्रतिवादी बनाया गया है। खासकर पार्थ पवार को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। पार्टी के कई नेताओं का आरोप है कि वे एकतरफा फैसले लेते हैं और दूसरों की बात सुनने को तैयार नहीं रहते। कानूनी नोटिस में आरोप लगाया गया है कि पार्टी लीडरशिप ने 26 फरवरी को मुंबई में हुए पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन में सुनेत्रा पवार को चुनते समय NCP के संविधान का उल्लंघन किया। सिंह के अनुसार, अजीत पवार के निधन के बाद 17 फरवरी को हुई बैठक में यह तय किया गया था कि प्रफुल्ल पटेल अंतरिम राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर काम करेंगे। हालांकि, उनका आरोप है कि अगले ही दिन, पार्टी संविधान में तय प्रक्रियाओं का पालन किए बिना नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को चुनने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। सिंह ने आरोप लगाया है कि राष्ट्रीय अधिवेशन बुलाने और अध्यक्ष पद के चुनाव की प्रक्रिया शुरू करने का अधिकार केवल अधिकृत कार्यवाहक अध्यक्ष के पास था, न कि महासचिव के पास। नोटिस में यह भी आरोप लगाया गया है

दिल्ली के सभी वार्डों में हनुमान चालीसा पाठ कराने की तैयारी

मंगलवार को दिल्ली के सभी 250 वार्डों में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन करने का फैसला लिया है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली। देश में अयोध्या के श्रीराम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के बाद शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। जहां बीजेपी मामले में सफाई देने में लगी है, वहीं दूसरी तरफ विपक्ष लगातार पीएम मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार पर निशाना साध रहा है। इसी कड़ी में आम आदमी पार्टी ने मंदिर से चढ़ावा चोरी के खिलाफ राजधानी के सभी 250 वार्ड में हनुमान चालीसा के पाठ का आयोजन करने का फैसला किया है।

आप दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ने दी जानकारी

आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार को राजधानी दिल्ली के 250 वार्ड में 250 जगहों पर हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा और उसके बाद भगवान राम तथा हनुमान की आरती होगी। अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी से जुड़े मुद्दे पर लोगों के साथ बातचीत भी की जाएगी। इस मुद्दे पर अपना हस्ताक्षर अभियान जारी रखेगी, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेजा जाएगा।

सुंदरकांड पाठ के आयोजन के बाद हुई घोषणा

आपको बता दें कि दिल्ली ईकाई द्वारा की गई यह घोषणा 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से रोहिणी के जापानी पार्क में सुंदरकांड के पाठ के बाद देशव्यापी हस्ताक्षर अभियान शुरू करने के एक दिन बाद की गई है। आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने रविवार को आरोप लगाया था कि दोषियों को जवाबदेही से बचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक दोषियों को फांसी की सजा नहीं मिल जाती, हम चैन से नहीं बैठेंगे। आम आदमी पार्टी ने कहा कि यह अभियान दूसरे राज्यों में भी चलाया जाएगा।

'मोदी जी, मेरे बेटे को इंसाफ दिलाइए...' पुणे मर्डर केस में केतन अग्रवाल की मां का पीएम को खत

महानगर मेट्रो ब्यूरो



पुणे। रियल एस्टेट एजेंट केतन अग्रवाल मर्डर केस की जांच में पुलिस को जैसे- जैसे अहम जानकारियां मिल रही हैं , वैसे वैसे तहकीकात आगे बढ़ रही है. इस बीच केतन अग्रवाल के पिता विशाल अग्रवाल ने हाल ही में अपने बेटे को इंसाफ दिलाने की मांग करते हुए राष्ट्रपति को पत्र लिखा था. और अब केतन की मां राखी अग्रवाल ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक भावुक चिट्ठी लिखी है. इस पत्र में एक मां का दर्द हर शब्द में साफ दिखाई देता है. राखी अग्रवाल लिखती हैं...'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे अपने ही बेटे के लिए न्याय मांगने के लिए प्रधानमंत्री को पत्र लिखना पड़ेगा. हर मां का सपना होता है कि उसका बेटा शादी करे, अपना परिवार बसाए और खुशहाल जिंदगी जिए... लेकिन मुझे अपने ही बेटे का अंतिम संस्कार करना पड़ा.' राखी अग्रवाल कहती हैं कि...'मेरे बेटे की बेरहमी से हत्या कर दी गई, उसके साथ मेरी पूरी दुनिया भी खत्म हो गई. घर का हर कोना आज भी मुझे केतन की याद दिलाता है. उसका कमरा, उसके कपड़े, उसकी तस्वीरें , सब कुछ मुझे हर दिन यह एहसास कराता है कि मेरा बेटा अब कभी लौटकर नहीं आएगा.' पत्र में उन्होंने यह भी लिखा है कि केतन की मौत के सिर्फ 20 दिन बाद उसके दादा का भी निधन हो गया. अपने पोते को खोने का गम वह सहन नहीं कर पाए. कुछ ही दिनों में परिवार ने दो पीढ़ियों को खो दिया. राखी अग्रवाल प्रधानमंत्री मोदी से कहती हैं- 'मैं किसी सहानुभूति या विशेष मदद की मांग नहीं कर रही हूं, मैं सिर्फ अपने बेटे के लिए इंसाफ चाहती हूं. जिन लोगों ने मेरे बेटे की जान ली है, उन्हें कानून के तहत सबसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए.'

'हर रात बेटे की तस्वीर देखकर कहती हूं...'

अपने पत्र के आखिर में एक मां की बेबसी छलक पड़ती है. वह लिखती हैं- 'हर रात मैं अपने बेटे की तस्वीर देखकर कहती हूं- बेटा, मां आज भी तेरे लिए लड़ रही है. बस उस दिन का इंतजार है, जब मैं तुझसे कह सकूं- बेटा, तुझे इंसाफ मिल गया.' अब देखना होगा कि एक मां की इस भावुक अपील के बाद क्या इस मामले में कोई नई पहल होती है और केतन अग्रवाल के परिवार को इंसाफ की उम्मीद कब पूरी होती है. बता दें कि बीते 18 जून को पुणे जिले के लोहागढ़ किले पर 25 साल के रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की कथित तौर पर चट्टान से धक्का देकर हत्या कर दी गई थी. इस मामले में मुख्य आरोपी केतन की मंगेतर सिया गोयल और उसके कथित प्रेमी चेतन चौधरी पुलिस की गिरफ्त में हैं लेकिन हत्या की कहानी अब भी साफ नहीं है.

पंजाब में कमजोर पड़ा मानसून, सैटेलाइट तस्वीरों से बढ़ी चिंता

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब के कई इलाकों में मानसूनी बादलों का मिजाज बदल गया है, जिससे किसानों और आम जनता की चिंता बढ़ी है। सैटेलाइट तस्वीरों के विश्लेषण से पता चला है कि पठानकोट, गुरदासपुर, होशियारपुर और हिमाचल से सटे क्षेत्रों में अभी भी घने बादल मौजूद हैं। वहीं, जालंधर, लुधियाना, कपूरथला और नवांशहर में भी बादलों की हल्की पट्टी देखी जा रही है, जबकि मोहाली और जालंधर में सुबह के वक्त कुछ तेज बारिश भी दर्ज की गई। इसके विपरीत, राज्य के दक्षिणी जिले जैसे बठिंडा, मानसा, मुक्तसर और फाजिल्का में बादल लगभग नदारद हैं, जिससे यहां सूखे जैसे हालात बन रहे हैं। बीते 24 घंटों में पंजाब के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क रहा और केवल सीमावर्ती व पहाड़ी क्षेत्रों में ही हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि 13 से 18 जुलाई के बीच मानसून की गतिविधियां कमजोर रहने की संभावना है, जिसके चलते लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ेगा। चंडीगढ़ में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और कुछ मौकों पर बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं, हालांकि इसके लिए कोई विशेष अलर्ट जारी नहीं किया गया है। एक ओर जहां पंजाब के कई हिस्से बारिश की कमी झेल रहे हैं, वहीं पड़ोसी राज्य हिमाचल प्रदेश में जुलाई महीने में अब तक सामान्य से 40 फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई है। 1 से 12 जुलाई के बीच राज्य में 119.6 मिलीमीटर वर्षा हुई है, जो सामान्य 85.6 मिलीमीटर से काफी ज्यादा है।

सर्पदंश से मासूम की मौत, सपेरे का करते रहे इंतज़ार

गुरुग्राम (एजेंसी)। ,(ईएमएस)। बहादुरगढ़ में एक दुखद घटना सामने आई है जहाँ अंधविश्वास के चलते चार वर्षीय मासूम अंशज ने अपनी जान गंवा दी। टीकरी बॉर्डर क्षेत्र में सांप के काटने के बाद उसके परिजन तुरंत अस्पताल ले जाने की बजाय सपेरे का इंतजार करते रहे। जब वे अचेत अवस्था में सिविल अस्पताल पहुंचे, तब चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। हैरानी की बात यह है कि डॉक्टरों द्वारा मृत्यु की पुष्टि के बाद भी स्वजन सपेरे के आने की उम्मीद में काफी देर तक वहीं इंतजार करते रहे। अस्पताल प्रशासन ने मामले की सूचना पुलिस को दी, जिसने मौके पर पहुँचकर आवश्यक कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया। चिकित्सकों ने समझाया है कि सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक या सपेरे के भरोसे रहने की बजाय तुरंत निकटतम अस्पताल पहुंचना चाहिए। एंटी-स्नेक वेनम (एएसवी) समय पर मिलने से कई जानें बचाई जा सकती हैं, जैसा कि बहादुरगढ़ में ही पहले दो मामलों में हुआ। यह घटना अंधविश्वास से बचने और तत्काल चिकित्सा सहायता लेने की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

महाराष्ट्र की लाडकी बहिन योजना में बड़ा फेरबदल : 81 लाख महिलाएं बाहर

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना राज्य में एक बड़े राजनीतिक विवाद का केंद्र बनी है। महीनों तक चले व्यापक ई-केवाईसी सत्यापन अभियान के बाद, महायुति सरकार ने करीब 81 लाख लाभार्थियों को योजना से बाहर किया है, जिससे सत्ताधारी महायुति और विपक्षी महाविकास अघाड़ी के बीच तीखी बयानबाजी शुरू हो गई है। महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने कदम का बचाव कर कहा कि ई-केवाईसी प्रक्रिया का उद्देश्य योजना की पात्रता शर्तों को पूरा न करने वाले अयोग्य लाभार्थियों जैसे आयकर दाता और सरकारी कर्मचारियों के परिवार की पहचान करना और उन्हें हटाना था। उन्होंने बताया कि योजना की शुरुआत में 2.63 करोड़ लोगों ने पंजीकरण कराया था, जिसमें से 2.47 करोड़ महिलाओं को मासिक आर्थिक सहायता मिलनी शुरू हुई थी। मंत्री अदिति ने स्पष्ट किया कि अयोग्य लोगों को हटाने के लिए ई-केवाईसी शुरू होने के बाद लाभार्थियों की संख्या घटकर 1.67 से 1.7 करोड़ रह गई। अदिति तटकरे ने उन रिपोर्टों को भी खारिज किया जिनमें 92-93 लाख लाभार्थियों को हटाए जाने का दावा किया गया था, यह बताकर कि यह आंकड़ा कुल पंजीकरण और वर्तमान लाभार्थियों के बीच का अंतर था, न कि वास्तविक लाभार्थियों की संख्या। हालांकि, विपक्षी दलों ने महायुति सरकार पर 2024 के विधानसभा चुनावों से पहले योजना का दुरुपयोग एक चुनावी हथियार के रूप में करने का आरोप लगाया है, और इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं को सूची से बाहर करने पर गंभीर सवाल उठाए हैं। यह योजना अब राज्य में एक नए सियासी घमासान का रूप ले चुकी है।

दिल्ली में ट्रांसजेंडर भेष में बांग्लादेशी गिरफ्तार, अवैध धंधों का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने जहांगीरपुरी इलाके में अवैध आप्रवासन के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत महत्वपूर्ण कार्रवाई में बांग्लादेश के एक अवैध नागरिक को गिरफ्तार किया है। यह व्यक्ति ट्रांसजेंडर के भेष में रहकर रात के समय अवैध गतिविधियों में शामिल मिला। भलस्वा फ्लाईओवर के नीचे सुबह-सुबह की गई विशेष कार्रवाई में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा। शुरुआती पूछताछ के दौरान, संदिग्ध व्यक्ति अपने भारत में रहने संबंधी कोई वैध यात्रा या पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर सका। विस्तृत जांच और डिजिटल फुटप्रिंट से पुष्टि हुई कि वह बिना दस्तावेज़ों के गैर-कानूनी रूप से भारत में रह रहा बांग्लादेशी नागरिक है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, पकड़े गए व्यक्ति की पहचान सुकांता चंद्र दास (उर्फ माधुरी), 44 वर्षीय पुरुष के रूप में हुई है। वह बांग्लादेश के ढाका जिले के गाज़ीपुर इलाके का रहने वाला है। उसके पास से मिले एक स्मार्टफोन में प्रतिबंधित आईएमए एप इंस्टॉल मिला और फ़ोन की गैलरी में बांग्लादेशी राष्ट्रीय पहचान पत्र के दस्तावेज़ों की तस्वीरें भी मौजूद थीं, जिससे उसकी पहचान और अवैध स्थिति की पुष्टि हुई। कानूनी कार्रवाई करते हुए, फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरआरओ) के समक्ष पेश किया गया है। तय प्रक्रियाओं के तहत अब देश से वापस भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। यह गिरफ्तारी दिल्ली पुलिस की अवैध आप्रवासन और आपराधिक गतिविधियों पर लगाम लगाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

कानपुर : थाने में आत्मदाह का प्रयास, बचाने गए पुलिसकर्मी भी झुलसे

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में मंगलवार को हैरान कर देने वाली घटना सामने आई। पारिवारिक विवाद से परेशान एक युवक ने खुद को आग लगाकर आत्मदाह का प्रयास किया, जिससे न सिर्फ वह गंभीर रूप से झुलस गया, बल्कि युवक को बचाने दौड़े तीन पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। सभी को तत्काल उर्सुला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां बर्न यूनिट में उनका उपचार चल रहा है। चकेरी एसीपी के अनुसार, फुफुवार राजथोक निवासी करीब 35 वर्षीय मजदूर महेश पासवान का अपनी पत्नी पूनम से पिछले कई माह से विवाद चल रहा था।

एसआईआर प्रक्रिया पर चुनाव आयोग संयुक्त राष्ट्र के निशाने पर? भारत ने आरोपों को किया खारिज

60 दिन के अंदर जवाब देने को कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन एसआईआर) को लेकर संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार तंत्र से जुड़े 3 स्वतंत्र विशेषज्ञों ने भारत सरकार और निर्वाचन आयोग से जवाब तलब किया है। यूनाइटेड नेशन के विशेषज्ञों ने आशंका जताई है. यदि दस्तावेज़ सत्यापन की प्रक्रिया उचित सुरक्षा उपायों के बिना लागू की जाती है. ऐसी स्थिति में बड़ी संख्या में पात्र मतदाताओं के मतदान अधिकार प्रभावित हुये हैं. इस संबंध में यूनाइटेड नेशन ने भारत से अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों,नागरिकों के राजनीतिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय समझौता (आईसीसीपीआर), के अनुरूप स्थिति स्पष्ट करने को कहा है।

यूनाइटेड नेशन ने पूछा है, मतदाता सूची से नाम हटाने, अपील की व्यवस्था और प्रभावित मतदाताओं के लिए उपलब्ध कानूनी उपाय के संबंध



में विस्तृत जानकारी मांगी है। यह टिप्पणियां संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र विशेष प्रतिवेदकों/विशेषज्ञों की हैं. संयुक्त राष्ट्र महासभा या सुरक्षा परिषद दे अभी इस मामले में कोई आधिकारिक निर्णय नहीं लिया है।

भारत सरकार और निर्वाचन आयोग ने आरोपों को अस्वीकार किया है। आयोग का कहना है, एसआईआर पूरी तरह संविधान, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम और निर्धारित नियमों के अनुरूप संचालित की जा रही है। आयोग के अनुसार किसी भी पात्र मतदाता का नाम मनमाने ढंग से नहीं हटाया जाएगा. प्रत्येक व्यक्ति को आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने और दावा-आपत्ति दर्ज कराने का पूरा अवसर दिया जा रहा है। आयोग ने कहा है, अंतिम मतदाता सूची जारी होने से पहले सभी वैधानिक प्रक्रियाओं का पालन किए जाने का भरोसा दिलाया है। सरकार का पक्ष है, भारत का चुनावी तंत्र स्वतंत्र और मजबूत है. मतदाता सूची का शुद्धिकरण निर्वाचन आयोग का संवैधानिक दायित्व है। सरकार ने कहा है, भारत अपने संवैधानिक और कानूनी ढांचे के अनुसार चुनाव कराता है. लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए सरकार और चुनाव आयोग प्रतिबद्ध है।

यह मुद्दा राजनीतिक और कानूनी बहस का विषय बन गया है. बिहार और पश्चिम बंगाल में जिस तरह से मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से अलग किए गए हैं. उस पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है. पश्चिम बंगाल के 27 लाख से ज्यादा मतदाताओं के मतदान अधिकार ट्रिब्यूनल में लंबित थे. सुप्रीम कोर्ट का यह कहना कि इस बार मतदान नहीं कर पाए तो अगली बार कर देना. संयुक्त राष्ट्र में इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है. अंतिम स्थिति निर्वाचन आयोग की प्रक्रिया और न्यायिक समीक्षा तथा यूनाइटेड नेशन पर निर्भर करेगी।

वांगचुक की भूख हड़ताल : महुआ और उद्धव ठाकरे ने कहा सरकार को आपकी चिंता नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का मंगलवार को 17वां दिन था, और उनके बिगड़ते स्वास्थ्य को लेकर चिंताएँ बढ़ती जा रही है। प्रमुख राजनीतिक हस्तियों ने उनसे अपना अनशन समाप्त करने की अपील की है, हालांकि वांगचुक केंद्र सरकार से बातचीत की अपनी मांग पर अडिग हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) संस्थापक अभिजीत दिपके ने वांगचुक के स्वास्थ्य की जानकारी देकर बताया कि उनका वज़न 8.5 किलो कम हुआ है, मांसपेशियां कमज़ोर पड़ गई हैं, और उन्हें अत्यधिक दर्द हो रहा है। उनका ब्लड प्रेशर 109/70 है। दिपके के अनशन समाप्त करने के अनुरोध पर, वांगचुक ने शांति से जवाब दिया कि सरकार को बातचीत के लिए आगे आना चाहिए, न कि उन्हें अनशन तोड़ने के लिए कहा जाए। वहीं टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा ने वांगचुक से अपील की कि उनका उद्देश्य पूरा हो चुका है, और केंद्र सरकार को उनकी परवाह नहीं है, लेकिन उनकी जान देश के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए उन्हें उपवास खत्म कर लड़ाई जारी रखनी चाहिए। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आंदोलन को अपना समर्थन देकर वांगचुक से अनशन वापस लेने का आग्रह किया। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने भी विरोध स्थल का दौरा कर एकजुटता व्यक्त की। यह भूख हड़ताल शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन के 25वें दिन से चल रही है। दिपके ने सरकार से अहंकार की लड़ाई न बनाने का आग्रह कर कहा कि यहां इंसानी जानें दांव पर लगी हैं, और अपनी गलती मानना परिपक्वता तथा जवाबदेही की निशानी है।

टीईटी पेपर लीक से 6 लाख छात्रों का भविष्य अधर में



-राहुल गांधी का महाराष्ट्र सरकार पर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने महाराष्ट्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (टीईटी) 2026 रद्द होने और पेपर लीक के आरोपों को लेकर देवेंद्र फडणवीस सरकार पर सवाल उठाए, जिससे करीब छह लाख उम्मीदवार अधर में लटके हुए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि परीक्षा रद्द होने के दो हफ्ते बाद भी कोई नई तारीख घोषित नहीं की गई है, जो इन छात्रों के भविष्य के लिए चिंता का कारण है।

अपनी पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा कि महाराष्ट्र टीईटी का पेपर लीक हुआ और परीक्षा रद्द कर दी गई। दो हफ्ते बीत चुके हैं, लेकिन नई तारीख का कोई अता-पता नहीं है, इससे 6 लाख उम्मीदवार अनिश्चितता में जी रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक करने वाले आजाद घूम रहे हैं, सिस्टम पर कोई दाग नहीं लगा है, जबकि ईमानदारी से मेहनत करने वाले छात्रों को इसकी सजा भुगतनी पड़ रही है। राहुल गांधी ने कहा कि ये छात्र ही देश के मौजूदा और भविष्य के शिक्षक हैं, जिनके हाथों में भारत का भविष्य है।

राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री फडणवीस को संबोधित कर अपनी 3 सूत्रीय मांगें रखीं। उन्होंने सबसे पहले महाराष्ट्र टीईटी का नया शेड्यूल तुरंत घोषित करने की अपील की। इसके साथ ही, उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया कि पेपर लीक के लिए ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, न कि उम्मीदवारों को सजा दी जाए। तीसरी मांग में उन्होंने कहा कि उन उम्मीदवारों को उम्र सीमा में छूट दी जाए जिनकी पात्रता परीक्षा टलने से प्रभावित हुई हो सकती है। राहुल गांधी ने कहा कि लाखों उम्मीदवारों का भरोसा बहाल करने के लिए महाराष्ट्र सरकार को तेज़ी से कदम उठाने चाहिए और प्रशासनिक विफलता का बोझ उन मेहनती छात्रों पर नहीं पड़ना चाहिए जिन्होंने सालों तक तैयारी की है।

महिला आरक्षण पर सरकार को विपक्ष की नेता का समर्थन

-प्रियंका चतुर्वेदी ने की सभी दलों से सहमति बनाने की अपील, मानसून सत्र से पहले बढ़ी राजनीतिक हलचल

-महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने पर फिर तेज हुई चर्चा



नई दिल्ली(एजेंसी)। संसद के आगामी मानसून सत्र से पहले महिला आरक्षण को लेकर एक बार फिर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की पूर्व राज्यसभा सांसद और विपक्षी इंडिया गठबंधन की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण देने की पहल का समर्थन करते हुए सभी राजनीतिक दलों से इस मुद्दे पर सकारात्मक रुख अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि महिला आरक्षण को वास्तविकता का रूप दिया जाए।

प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक समाचार रिपोर्ट साझा करते हुए लिखा कि यह ऐसा विचार है, जिसका समय अब आ चुका है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी राजनीतिक दल अपने-अपने रुख पर पुनर्विचार करेंगे और महिला आरक्षण को लागू करने की दिशा में सहमति बनाएंगे। हाल के महीनों में प्रियंका कई राष्ट्रीय मुद्दों पर पार्टी लाइन से अलग स्वतंत्र राय भी रखती रही हैं।

यहां बताते चलें कि केंद्र सरकार ने संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त 2026 तक बुलाया है। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि सरकार इस दौरान महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने तथा परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को फिर से संसद में पेश करने का प्रयास कर सकती है। माना जा रहा है कि इस बार सरकार पहले पर्याप्त समर्थन सुनिश्चित करने के बाद ही विधेयक आगे बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, केंद्र सरकार संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए विपक्षी दलों के साथ भी संवाद कर रही है। खबरों में दावा किया गया है कि सरकार दो-तिहाई बहुमत सुनिश्चित होने के बाद ही विधेयक सदन में लाना चाहती है। इसके लिए कुछ विपक्षी दलों से समर्थन या कम से कम मतदान के दौरान अनुपस्थित रहने की संभावना पर भी चर्चा होने की बात कही गई है। हालांकि, इस संबंध में सरकार की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

गौरतलब है कि इससे पहले विशेष सत्र के दौरान महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं मिल पाने के कारण पारित नहीं कराया जा सका था। प्रस्तावित संशोधन में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के साथ लोकसभा की कुल सीटों में वृद्धि का भी प्रावधान शामिल होने की चर्चा रही है। मानसून सत्र से पहले महिला आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में आ गया है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि विभिन्न राजनीतिक दल इस विषय पर किस प्रकार का रुख अपनाते हैं और क्या व्यापक सहमति के साथ इस लंबे समय से लंबित मुद्दे पर आगे बढ़ा जा सकेगा।

ई-20 पेट्रोल सस्ता क्यों नहीं? सरकार ने बताई वजह, दूर की उपभोक्ताओं की उलझन

नई दिल्ली(एजेंसी)। देशभर में ई-20 पेट्रोल लागू होने के बाद आम लोगों के मन में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाया जा रहा है, तो इसकी कीमत शुद्ध पेट्रोल या ई-10 पेट्रोल से कम क्यों नहीं है। इस पर केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि मौजूदा परिस्थितियों में ई-20 पेट्रोल का उत्पादन शुद्ध पेट्रोल से सस्ता नहीं पड़ता। सरकार के अनुसार इथेनॉल की खरीद किसानों को लाभकारी मूल्य पर की जाती है। इसके अलावा इथेनॉल के उत्पादन, परिवहन, भंडारण और आपूर्ति पर भी अतिरिक्त खर्च आता है। दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की मौजूदा कीमतों के कारण शुद्ध पेट्रोल की उत्पादन लागत अपेक्षाकृत कम पड़ रही है। यही वजह है कि ई-20 पेट्रोल उपभोक्ताओं को सस्ता उपलब्ध नहीं कराया जा सकता। केंद्र सरकार का कहना है कि इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम का उद्देश्य केवल कीमत कम करना नहीं, बल्कि कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटाना, विदेशी मुद्रा की बचत करना, किसानों की आय बढ़ाना और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना भी है। सरकार का दावा है कि इस कार्यक्रम से देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी और लंबे समय में इसका लाभ अर्थव्यवस्था तथा उपभोक्ताओं दोनों को मिलेगा।



यूपी में कांग्रेस-सपा गठबंधन में दरारें और गहरी: इमरान ने सपा पर गंभीर आरोप

लखनऊ (एजेंसी)। 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के इंडिया गठबंधन में तनाव बढ़ता जा रहा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता इमरान मसूद ने सपा नेता उदयवीर सिंह की टिप्पणी के जवाब में समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस नेता मसूद के बयान से दोनों सहयोगियों के बीच दरारें और गहरी हो गई हैं, जिससे 2024 के लोकसभा चुनावों में सफल रही यह साझेदारी अगले विधानसभा चुनावों तक टिक पाएगी या नहीं, इस पर सवाल खड़े हुए हैं।

सपा नेता उदयवीर सिंह की टिप्पणियों का जवाब देकर कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने दावा किया कि कांग्रेस के बजाय सपा को गठबंधन की ज्यादा जरूरत थी। उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी ही गठबंधन के लिए जोर दे रही है और इसी की बदौलत आप 2024 में 37 सीटें जीत सके, वरना 2022 में आप 120 का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके थे। सपा पर और कड़ा प्रहार कर मसूद ने आरोप लगाया कि पार्टी प्रभावशाली मुस्लिम नेताओं का समर्थन करने में लगातार विफल रही है। उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी किसी मुस्लिम नेता या अपनी बात रखने वाले



नेता को बर्दाश्त नहीं कर सकती, और ऐसा नेता अब कांग्रेस में है।

अतीत में सपा से जुड़े प्रमुख मुस्लिम नेताओं का जिक्र कर मसूद ने कहा कि उनकी पार्टी में किसका नुकसान हुआ? मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद और आजम खान का। कांग्रेस नेता ने इस बात को खारिज किया कि उनकी चुनावी जीत सपा के साथ गठबंधन पर निर्भर थी। उन्होंने कहा, मैं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की वजह से अपनी सीट जीता हूं। चुनाव के दौरान मैंने गठबंधन में रहते हुए भी समाजवादी पार्टी के लिए एक भी रैली नहीं की।

मसूद के ये बयान उन सार्वजनिक टिप्पणियों की श्रृंखला का हिस्सा हैं, जिनसे दोनों विपक्षी पार्टियों के बीच बढ़ती बेचैनी सामने आई है, क्योंकि वे 2027 के उत्तर प्रदेश चुनाव के लिए खुद को तैयार कर रही हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नए अध्यक्ष राज कुमार सिंह पटेल के सुझाव के बाद तनाव और बढ़ गया था कि विधानसभा चुनावों के लिए सपा के साथ किसी भी संभावित गठबंधन में कांग्रेस सीटों में बराबर हिस्सेदारी की मांग करेगी। मसूद के आरोप और कांग्रेस के अन्य नेताओं की टिप्पणियां दर्शाती हैं कि 2027 के उत्तर प्रदेश चुनावों से पहले दोनों पार्टियों के बीच राजनीतिक समीकरण उलझते जा रहे हैं।

ज्ञानवापी मध्यस्थता : हिंदू पक्ष का स्वागत, मुस्लिम पक्ष पर असहयोग का आरोप

वाराणसी (एजेंसी)। ज्ञानवापी विवाद को सुलझाने के लिए सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता पहल ने फिर वाराणसी में हलचल मचा दी है। हिंदू पक्ष के वादकारियों ने कदम का स्वागत कर जिला न्यायालय में होने वाली मध्यस्थता संबंधी बैठक में शामिल होने की बात कही है। हालांकि, उन्होंने मुस्लिम पक्ष और ज्ञानवापी मस्जिद प्रबंधन समिति पर इस पहल को स्वीकार न करने का आरोप लगाया है।

हिंदू पक्ष के वादी सोहन लाल आर्य ने सुप्रीम कोर्ट की पहल को सकारात्मक बताया, लेकिन मुस्लिम पक्ष द्वारा अस्वीकार करने को सामाजिक सद्भाव के लिए ठीक नहीं बताया। आर्य ने कई सवाल उठाए, जैसे कि क्या दुनिया में ऐसी कोई मस्जिद है जिसके नीचे पूजा हो और ऊपर नमाज पढ़ी जाए, या जिसके सामने नंदी विराजमान हों? उन्होंने इन्हीं को अपने प्रमुख प्रमाण और साक्ष्य बताया। उन्होंने दावा किया कि वक्फ बोर्ड और प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट, 1991 से जुड़े मामलों में मुस्लिम पक्ष जिला न्यायालय और इलाहाबाद हाईकोर्ट में हार



चुका है, और इसी कारण वे अब सुप्रीम कोर्ट में मध्यस्थता से बच रहे हैं।

हिंदू पक्ष की एक अन्य वादी लक्ष्मी देवी ने भी मुस्लिम पक्ष पर लगातार बाधाएं पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुस्लिम पक्ष को पता है कि ज्ञानवापी मंदिर है, मस्जिद नहीं, इसलिए वे मध्यस्थता में शामिल नहीं होना चाहते और मामले को लंबा खींचना चाहते हैं। उन्होंने 1669 में औरंगजेब द्वारा मंदिर तोड़कर जबरन मस्जिद निर्माण की बात कही।

ज्ञानवापी मामले की एक और हिंदू वादी ने कहा कि उनका विश्वास है कि यह स्थल मंदिर है और वे उसी पक्ष में अपनी बात रख रही हैं। उन्होंने कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट या दूसरा पक्ष स्वीकार कर मंदिर वापस कर दे, तब कोई विवाद नहीं रहेगा। साहू ने कहा कि हिंदू पक्ष हमेशा न्यायालय के आदेशों का सम्मान करता है और वे स्वयं समझौते के पक्ष में हैं, लेकिन जिसे वे मंदिर मानते हैं, उसे मस्जिद नहीं कह सकते।

किसानों के लिए आफत, मानसून की कमी और अधिकारियों की लापरवाही ने बढ़ाई टेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून में कमी के कारण नीति-निर्माताओं को खरीफ की बुवाई की चिंता सता रही है। इसी बीच, सांख्यिकी मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट में फसल के रकबे और खाद्य उत्पादन पर नजर रखने वाले कृषि डेटा कलेक्शन सिस्टम में भारी कमियां मिली हैं। जमीनी स्तर के डेटा का इस्तेमाल कृषि लागत और मूल्य आयोग उत्पादन लागत का हिसाब लगाने और राष्ट्रीय स्तर पर अनुमान तैयार करने के लिए करता है। सरकार इन अनुमानों के आधार पर खाद्य सुरक्षा से जुड़े अहम फैसले लेती है, जैसे कि महंगाई को काबू करने के लिए निर्यात पर रोक लगाना, आयात शुल्क में बदलाव करना या आपातकालीन बफर स्टॉक जारी करना।

नेशनल लेवल पर रिपोर्ट से पता चलता है कि गिरदावरी जो फसल के आंकड़ों का आधार है और जिसका मतलब है कि गांव के रेवेन्यू अधिकारियों द्वारा फसल की गिनती के लिए की जाने वाली सरकारी जांच, देश के आधे से भी कम हिस्से में समय पर पूरी हुई। रिपोर्ट के मुताबिक आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पंजाब, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 2023-24 के दौरान गिरदावरी पूरी न होने के मामले चिंताजनक रूप से ज्यादा थे। नतीजतन, शुरुआती खरीफ में सिर्फ 43फीसदी सैंपल गांवों में देर से खरीफ के दौरान 46फीसदी में, रबी के दौरान 48फीसदी में और गर्मी के मौसम में 33फीसदी गांवों में ही यह काम समय पर पूरा हो पाया।

पिछले हफ्ते जारी फसल आंकड़ा प्रणाली की समीक्षा नाम की रिपोर्ट में कहा गया है कि सभी राज्यों में गिरदावरी का काम समय पर पूरा करने के लिए संबंधित राज्य अधिकारियों को उचित कदम उठाने की जरूरत है। इसके अलावा, रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 63 फीसदी गांव के नक्शे जो बदले हुए प्लॉट और जमीन के इस्तेमाल की सीमाओं का पता लगाने के लिए जरूरी हैं। इससे पता चलता है कि ये नक्शे शायद निर्माण और शहरीकरण की वजह से हुए बदलावों को सही ढंग से नहीं दिखाते होंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि पुराने नक्शों के इस्तेमाल से सर्वे नंबरों की पहचान करने में दिक्कतें आती हैं। इसलिए नक्शों को नियमित रूप से अपडेट करना जरूरी है।

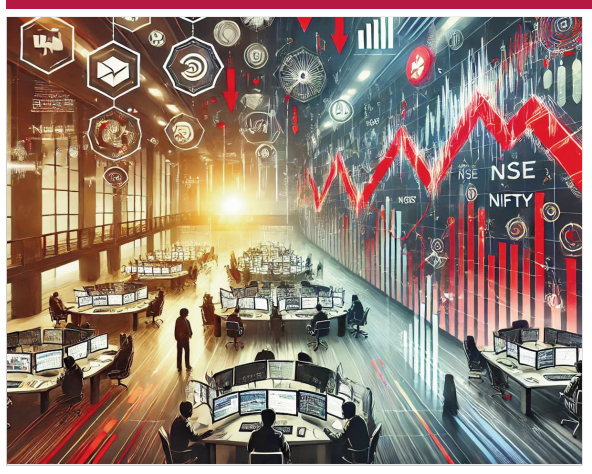
रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि औसत पैदावार का आकलन करने और अनाज के कुल उत्पादन का हिसाब लगाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले वैज्ञानिक आधार यानी क्रॉप-कटिंग एक्सपेरिमेंट, ऐसे अप्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे थे जिन्हें राजस्व अधिकारियों ने यह काम सौंपा था। रिपोर्ट के मुताबिक 2023-24 में सीसीई की कुल संख्या करीब 12 लाख होने का अनुमान था। झारखंड और उत्तर प्रदेश में 40फीसदी तक सीसीई अप्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा किए गए, जबकि मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में 10फीसदी से ज्यादा सीसीई कनिष्ठ (जूनियर) कर्मचारियों द्वारा किए गए।



महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (बुधवार)
15 जुलाई 2026

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 561, निफ्टी 158 अंक गिरा



मुम्बई ।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच ही भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दूनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 561.46 अंक टूटकर 77,054.94 अंक पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 158.95 अंक फिसलकर 24,052.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 24 नीचे आये। कारोबार के दौरान एचसीएल टेक के शेयर सबसे अधिक गिरे। वहीं बजाज फिनसर्व, एसबीआई, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडिगो, लार्सन एंड टुब्रो, कोटक बैंक, आईटीसी, मारुति, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा और ट्रेंट के शेयरों में भी गिरावट दर्ज की गयी। वहीं दूसरी ओर, भारती एयरटेल, सन फार्मा, टीसीएस, टाटा स्टील, अडानी पोर्ट्स के शेयर उछले।निफ्टी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट एचसीएल टेक, श्रीराम फाइनेंस और एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी सबसे ज्यादा नीचे आये। ब्रॉडर मार्केट में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप शेयरों में भी गिरावट रही। सेक्टर के अनुसार देखें तो निफ्टी रियल्ट, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी ऑटो के शेयर सबसे अधिक गिरे। वहीं निफ्टी फार्मा में सबसे ज्यादा तेजी रही। वहीं इससे पहले आज सुबह निवेशकों ने मुनाफावसूली का रुख अपनाया, जिससे घरेलू बेंचमार्क इंडेक्स शुरुआती कारोबार में ही गिरावट के साथ खुले। सुबह शुरुआत के बाद बीएसई सेंसेक्स 388.16 अंक की कमजोरी के साथ 77,228.24 पर और एनएसई निफ्टी 50, 102 अंक गिरकर 24,109.10 के स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स क्रमशः 0.37 और 0.57 फीसदी तक लुढ़क गए।

बजट स्मार्टफोन और टीवी की बिक्रि में दशक की सबसे बड़ी गिरावट

मेमोरी चिप की बढ़ती कीमतें और रुपये की कमजोरी बनी वजह

मुंबई ।

बढ़ती महंगाई का असर अब बजट इलेक्ट्रॉनिक्स पर दिख रहा है। एक दशक से भी ज्यादा समय में पहली बार एंट्री-लेवल स्मार्टफोन और टीवी की बिक्री में भारी गिरावट दर्ज हुई है। मेमोरी चिप की ऊंची कीमतों और रुपये की कमजोरी से उत्पादन लागत बढ़ने के कारण ग्राहकों ने खरीदारी टाली है। एक मार्केट रिसर्च फर्म के आंकड़ों के अनुसार जनवरी से मई के दौरान 12,000 रुपए से कम कीमत वाले स्मार्टफोन की बिक्री में 54 फीसदी की भारी गिरावट आई है। नतीजतन, कुल स्मार्टफोन बिक्री में एंट्री-लेवल सेगमेंट की हिस्सेदारी घटकर सिर्फ 14 फीसदी रह गई है। इसके विपरीत 12,000-30,000 रुपए कीमत वाले फोन की बिक्री में 17 फीसदी और 30,000 रुपए से ऊपर के प्रीमियम स्मार्टफोन की बिक्री में 6 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। टीवी बाजार में भी यही रुझान देखने को मिला। जनवरी-जून के दौरान 32 इंच टीवी की बिक्री 35 फीसदी से अधिक घटी है, जबकि 43 इंच और उससे बड़े टीवी की मांग में 8-15 फीसदी का उछाल आया है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार बड़े टीवी में मेमोरी चिप की लागत का हिस्सा कम होने से उनकी कीमतों में अपेक्षाकृत कम वृद्धि हुई है। पिछले कुछ महीनों में 32 इंच टीवी की कीमत औसतन 3,000-3,500 रुपए और 43 इंच मॉडल की 3,000-5,000 रुपए तक बढ़ चुकी है, क्योंकि मेमोरी चिप की कीमतें दो से तीन गुना तक बढ़ गई हैं।

खुदरा महंगाई ने तोड़ा आरबीआई का लक्ष्य, जून में 4.38 फीसदी पर पहुंची

ईंधन व खाद्य पदार्थों ने बढ़ाई रफ्तार, नई श्रृंखला में पहली बार 4 फीसदी का आंकड़ा पार

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार भारत की खुदरा महंगाई दर जून में बढ़कर 4.38 फीसदी हो गई, जो मई में 3.93 फीसदी थी। नई उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) श्रृंखला के तहत जनवरी 2025 के बाद यह पहली बार है जब महंगाई दर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 4 फीसदी के लक्ष्य को पार कर गई है। इसे मुख्य तौर पर ईंधन की कीमतों में तेजी के कारण परिवहन, खाद्य और रेस्तरां सेवाओं की लागत बढ़ने से रफ्तार मिली। हालांकि अर्थशास्त्रियों का एक बड़ा वर्ग मानता है कि 5 अगस्त को होने वाली भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में ब्याज दरों में तत्काल वृद्धि की कोई गुंजाइश नहीं है। इसका एक प्रमुख कारण कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में आई बड़ी गिरावट है, जो अप्रैल में 114 डॉलर प्रति बैरल से घटकर जुलाई में करीब 71 डॉलर प्रति बैरल रह गई है। जून का महंगाई आंकड़ा 2024 की नई सीपीआई श्रृंखला के तहत छठा आंकड़ा है। मई के मध्य में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि के बाद जून इस आंकड़े का पहला पूरा महीना था, जिसका असर परिवहन खंड में स्पष्ट दिखा, जहां महंगाई दर मई में 1.75 फीसदी से बढ़कर जून में 4.31 फीसदी हो गई। उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक (सीएफपीआई) के आधार पर खाद्य महंगाई दर भी जून में 5.32 फीसदी हो गई, जो मई में 4.78 फीसदी थी। यह अदरक (50.41 फीसदी) और टमाटर (31.92 फीसदी) जैसी सब्जियों की कीमतों में तेज वृद्धि के कारण हुआ। ग्रामीण क्षेत्रों में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.74 फीसदी हो गई, जो शहरी क्षेत्रों में दर्ज 3.92 फीसदी से अधिक है। इक्रा की एक मुख्य अर्थशास्त्री ने कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट को देखते हुए नीतिगत दरों में बदलाव की संभावना से इनकार किया है, हालांकि वह पश्चिम एशिया में तनाव और मानसून के परिणामों पर अधिक स्पष्टता की आवश्यकता पर जोर देती हैं। इसके विपरीत, बैंक ऑफ बड़ौदा के मदन सबनवीस वर्ष के अंत तक, संभवतः अक्टूबर के बाद, दर वृद्धि की संभावना देखते हैं। अर्थशास्त्री मूल्य दबाव बने रहने की आशंका जता रहे हैं, क्रिसिल ने इस वित्त वर्ष में औसत महंगाई 5.1 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है।

थोक मुद्रास्फीति जून में बढ़कर 9.87 फीसदी, वैश्विक तनाव का असर

खाद्य और खनिज तेल की कीमतों में आए उछाल के कारण हुई वृद्धि



नई दिल्ली ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार जून में थोक मुद्रास्फीति (डब्ल्यूपीआई) बढ़कर 9.87 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो मई में 9.68 प्रतिशत थी। यह वृद्धि मुख्य रूप से पश्चिम एशिया में जारी संकट, होर्मुज जलडमरूमध्य की संभावित नाकेबंदी, खाद्य और खनिज तेल की कीमतों में आए उछाल के कारण हुई है। भारत अपने अधिकतर कच्चे तेल का आयात इसी जलडमरूमध्य के जरिये करता है, जिससे लागत बढ़ रही है। मंत्रालय के अनुसार, जून के आंकड़ों पर खनिज तेल (पेट्रोलियम उत्पादों सहित), खाद्य वस्तुएं, विनिर्मित मूल धातु तथा विनिर्मित रसायन एवं रासायनिक उत्पादों की कीमतों का असर दिखा। आंकड़ों के मुताबिक खाद्य वस्तुओं में महंगाई मई के 3.60 प्रतिशत से बढ़कर जून में 5.49 प्रतिशत हो गई। वहीं गैर-खाद्य वस्तुओं में यह 11.07 प्रतिशत और ईंधन व बिजली में 27.41 प्रतिशत (मई में 30.33 प्रतिशत) दर्ज की गई। विनिर्मित उत्पादों की श्रेणी में थोक मुद्रास्फीति मई की तरह जून में भी 7.48 प्रतिशत पर स्थिर रही। खुदरा या उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति भी जून में 17 महीने के उच्च स्तर 4.38 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो मई में 3.93 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति तय करते समय सीपीआई पर गौर करता है।

जीवन बीमा क्षेत्र में पहली तिमाही अप्रैल-जून में 27.6 फीसदी एपीई बढ़ी

नई दिल्ली।

पिछले कुछ वर्षों में बड़े नियामक बदलावों और बाजार की बदलती गतिशीलता से गुजरने के बाद भारतीय जीवन बीमा उद्योग ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में जबरदस्त वापसी की है। नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक सेक्टर में न केवल नई पॉलिसियों की बिक्री तेज हुई है, बल्कि लोग अब पहले से कहीं अधिक बीमा कवर भी ले रहे हैं, जो वित्तीय सुरक्षा के प्रति बढ़ती उपभोक्ता जागरूकता और कंपनियों के सफल समायोजन को दर्शाता है। मार्च में पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और शेयर बाजार में तेज उतार-चढ़ाव के कारण कई लोगों ने नई पॉलिसी खरीदने का फैसला कुछ समय के लिए टाल दिया था, जिसके चलते कारोबार में अस्थायी सुस्ती आई थी। हालांकि, अप्रैल की शुरुआत से ही मांग में फिर से मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। निजी जीवन बीमा कंपनियों की नई पॉलिसियों से होने वाली आय एनुअलाइज्ड प्री मियम इक्वीवेलेंट (एपीई) में पहली तिमाही में कुल मिलाकर 27.6 फीसदी की प्रभावशाली बढ़ोतरी दर्ज की गई। मासिक आंकड़ों पर गौर करें तो अप्रैल में एपीई 21.7, मई में 12.3 फीसदी और जून में 13.6 फीसदी बढ़ा। इस तिमाही की सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि बीमा कवर की वृद्धि नई पॉलिसियों की संख्या या एपीई वृद्धि से कहीं ज्यादा रही।

निजी कंपनियों का कुल बीमा कवर पहली तिमाही 27 में 47.1 फीसदी बढ़ा, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि ग्राहक अब सिर्फ बीमा पॉलिसियां नहीं खरीद रहे, बल्कि कम रकम के बजाय ज्यादा सुरक्षा और बड़ा कवर देने वाले उत्पादों को प्राथमिकता दे रहे हैं।



यह लोगों में वित्तीय नियोजन और भविष्य की अनिश्चितताओं के प्रति बढ़ती जागरूकता को उजागर करता है।

बंदरगाहों पर नहीं, बाहर टूट रही सप्लाई चेन! जेएनपीए जाम ने खोली लॉजिस्टिक्स सिस्टम की पोल

रिकॉर्ड कार्गो हैंडलिंग के बावजूद ट्रेलर ड्राइवरों की कमी, जाम, खराब सड़कें और सीमित पार्किंग बनीं बाधा

नई दिल्ली ।

भारत के बंदरगाह लगातार रिकॉर्ड माल ढुलाई संभाल रहे हैं, लेकिन माल को बंदरगाह से समय पर बाहर निकालना बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। देश के सबसे बड़े कंटेनर गेटवे जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जेएनपीए) में हाल में देखने को मिली भारी भीड़ ने लॉजिस्टिक्स व्यवस्था की कमजोर कड़ियों को उजागर कर दिया है। इक्रिरस कैपिटल के एक अधिकारी के मुताबिक जेएनपीए में पैदा हुई समस्या बंदरगाह की क्षमता से जुड़ी नहीं थी। उनका कहना है कि टर्मिनल संचालन सामान्य रहा, लेकिन ट्रेलर और ड्राइवरों की कमी के कारण कंटेनरों की निकासी प्रभावित हुई। इससे साफ है कि बंदरगाहों और जमीनी परिवहन नेटवर्क के बीच तालमेल अभी भी कमजोर है।

महाराष्ट्र राज्य मोटर मालिक संगठन के अनुसार खाली कंटेनर यार्ड में ट्रकों को कई बार 6 घंटे से लेकर पूरे दिन तक इंतजार करना पड़ता है, जबकि सामान्य परिस्थितियों में यह प्रक्रिया दो घंटे से कम समय में पूरी हो जानी चाहिए। ड्राइवरों की कमी और परिचालन अक्षमताएं इस समस्या की बड़ी वजह हैं। संगठन का कहना है कि बंदरगाह क्षेत्र में ड्राइवरों के लिए अस्पताल, कैंटीन और अन्य बुनियादी सुविधाओं का अभाव है।

यही कारण है कि नए ड्राइवर इस रूट पर काम करने से बच रहे हैं, जिससे संकट और गहरा रहा है। उद्योग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक निजी खाली कंटेनर यार्डों की अधिक संख्या और सीमित पार्किंग क्षमता के कारण वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। एक ट्रक चालक ने बताया कि महज 7 किलोमीटर की दूरी तय करने में कभी-कभी तीन घंटे तक लग जाते हैं। मई में स्थिति इतनी गंभीर हो गई थी कि आयातित माल की निकासी में 12 से 15 दिनों तक की देरी दर्ज की गई।

चीन का निर्यात चमका, एआई के बढ़ते इस्तेमाल से मांग मजबूत

जून में निर्यात में 27 फीसदी की वृद्धि, आयात में भी 36 फीसदी का उछाल

हांगकांग ।

चीन ने जून में सालाना आधार पर 27 प्रतिशत की मजबूत निर्यात वृद्धि दर्ज की है। कृत्रिम मेधा (एआई) के तेजी से बढ़ते उपयोग से उत्पन्न मजबूत वैश्विक मांग ने इस उछाल को बढ़ावा दिया। चीन के सीमा शुल्क विभाग के मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार यह वृद्धि अर्थशास्त्रियों के अनुमान से कहीं बेहतर रही और मई की 19.4 प्रतिशत की वृद्धि को भी पीछे छोड़ दिया। इसी अवधि में, आयात में भी 36 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि हुई, जो मई के 27.4 प्रतिशत से अधिक है। इलेक्ट्रिक वाहन, अन्य प्रौद्योगिकी और सेमीकंडक्टर जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के निर्यात में विशेष तेजी आई, जो एआई अपनाने की बढ़ती दर का परिणाम है। निर्यात आधारित विनिर्माण क्षेत्र की यह मजबूती देश में घरेलू उपभोग और निवेश में जारी कमजोरी के प्रभाव को आंशिक रूप से संतुलित कर रही है। अमेरिका और यूरोप जैसे देशों द्वारा बढ़ते व्यापार घाटे को लेकर चिंता जताए जाने के बीच, चीन अधिक शुल्क जैसी व्यापारिक बाधाओं से बचने के लिए यूरोप में स्थानीय उत्पादन बढ़ा रहा है और दक्षिण-पूर्व एशिया, लातिन अमेरिका तथा अफ्रीका जैसे नए बाजारों में अपने निर्यात का विस्तार कर रहा है।

बच्चों की शिक्षा के लिए आरबीआई का विशेष बचत प्लान, अधिक ब्याज पर विचार

महंगाई और बढ़ती शिक्षा लागत के बीच परिवारों को राहत देने का लक्ष्य



मुंबई ।

बढ़ती महंगाई और शिक्षा की बढ़ती लागत के दबाव के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) बच्चों की पढ़ाई के लिए एक विशेष बचत योजना शुरू करने पर विचार कर रहा है। इस प्रस्तावित योजना के तहत बच्चों की शिक्षा के लिए खोले जाने वाले खातों पर सामान्य बचत खातों की तुलना में अधिक ब्याज दिया जा सकता है, ताकि परिवार समय रहते बेहतर शिक्षा फंड तैयार कर सकें। आरबीआई ने इस प्रस्ताव पर बैंकों से राय और सुझाव मांगे हैं। सूत्रों के अनुसार केंद्रीय बैंक ने बैंकों से इस विषय पर व्यावहारिक पहलुओं पर प्रतिक्रिया मांगी है। बैंकिंग उद्योग अब इस पर आपसी चर्चा कर अपनी सिफारिशें आरबीआई को सौंपेगा। एक सरकारी बैंक के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरबीआई ने इस संबंध में सुझाव साझा करते हुए बैंकों से फीडबैक मांगा है। बैंक निजी क्षेत्र के बैंकों के साथ मिलकर इस प्रस्ताव का अध्ययन कर रहे हैं और जल्द अपनी रिपोर्ट देंगे। एक अन्य बैंक अधिकारी के अनुसार यदि इस तरह का विशेष बचत उत्पाद लागू किया जाता है तो इसके लिए नए नियामकीय प्रावधानों की आवश्यकता होगी।

रुपया गिरावट पर बंद



मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 54 पैसे गिरकर 96.22 पर बंद हुआ। 22 मई के बाद रुपया पहली बार डॉलर के मुकाबले 96 के पार पहुंचा है। पिछले सत्र में यह 95.62 पर बंद हुआ था। मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने और अमेरिका तथा ईरान के बीच संघर्ष तेज होने से भी कच्चे तेल की कीमतों पर प्रभाव पड़ा है इससे भी भारतीय रुपये पर दबाव बना है। वहीं आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 48 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.16 पर पहुंच गया। नए सिरे से बढ़े भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और निवेशकों के सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख करने से अमेरिकी डॉलर की मांग बढ़ी जिससे रुपये पर दबाव बना। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.95 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में यह टूटकर 96.16 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव की तुलना में 48 पैसे की कमजोरी दिखाता है। रुपया सोमवार को 30 पैसे की गिरावट के साथ 95.68 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ 101.17 पर रहा।

घरेलू बाजार में सोने-चांदी की चमक लौटी

सोना 640 रुपए तेज होकर 1,40,949 प्रति 10 ग्राम, चांदी 582 बढ़कर 2,18,300 प्रति किलो



नई दिल्ली ।

घरेलू वायदा बाजार में मंगलवार को सोने और चांदी के भाव में सुधार देखने को मिला। सोमवार को आई बड़ी गिरावट के बाद मंगलवार को दोनों महंगी धातुओं के भाव तेजी के साथ खुले। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी के वायदा भाव उछाल पर कारोबार कर रहे थे। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजार में जहां सोने में तेजी दिखी, वहीं चांदी के भाव में हल्की गिरावट दर्ज की गई। एमसीएक्स पर अगस्त डिलीवरी वाले सोने के वायदा भाव 640 रुपये की तेजी के साथ 1,40,949 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुले। पिछला बंद भाव 1,40,309 रुपये था। खबर लिखे जाने तक यह 522 रुपये की बढ़त के साथ 1,40,831 रुपये पर कारोबार कर रहा था। दिन के कारोबार में इसने 1,41,000 रुपये का उच्च स्तर और 1,40,796 रुपये का निम्न स्तर छुआ। इस साल सोने ने 1,80,779 रुपये का सर्वोच्च स्तर भी देखा है। चांदी के वायदा भाव में भी मजबूती देखने को मिली। सितंबर डिलीवरी के लिए चांदी का बेंचमार्क अनुबंध 615 रुपये की तेजी के साथ 2,18,333 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला। सोमवार को यह 2,17,718 रुपये पर बंद हुआ था। खबर लिखे जाने के समय चांदी 582 रुपये की बढ़त के साथ 2,18,300 रुपये पर कारोबार कर रही थी। दिन में चांदी ने 2,18,566 रुपये का उच्चतम स्तर और 2,17,923 रुपये का न्यूनतम स्तर छुआ। इस साल चांदी का सर्वोच्च स्तर 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो कॉमेक्स पर सोने के वायदा भाव में मजबूती दर्ज की गई, जबकि चांदी में हल्की नरमी देखने को मिली। कॉमेक्स पर सोना 15.40 डॉलर की तेजी के साथ 4,021.10 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो 4,005.70 डॉलर के पिछले बंद भाव से ऊपर था। हालांकि कॉमेक्स पर चांदी 0.11 डॉलर की गिरावट के साथ 57.86 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी, जो 57.97 डॉलर के पिछले बंद भाव से नीचे थी। इस साल सोने ने 5,586.20 डॉलर और चांदी ने 121.79 डॉलर का उच्चतम स्तर छुआ है।

केरल सरकार ने केआईआईएफबी की समीक्षा के लिए समिति गठित की

समिति संस्थागत, वित्तीय और प्रशासनिक पहलुओं की जांच करेगी



तिरुवनंतपुरम ।

केरल में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकार ने राज्य के महत्वपूर्ण वित्तीय निकाय, केरल अवसंरचना निवेश कोष बोर्ड (केआईआईएफबी) के समग्र कामकाज की समीक्षा के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया है। इस समिति की अध्यक्षता सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सुधा पिल्लई करेंगी। सरकार का लक्ष्य केआईआईएफबी की दीर्घकालिक स्थिरता को मजबूत करना, प्रशासनिक मानकों में सुधार लाना और राज्य के अवसंरचना विकास को समर्थन देने की इसकी क्षमता को बढ़ाना है। समिति को केआईआईएफबी के संस्थागत, वित्तीय, प्रशासनिक और परिचालन ढांचे की गहन जांच करने का दायित्व सौंपा गया है। इसे विशेष रूप से केरल राज्य योजना बोर्ड और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स द्वारा परिकल्पित मूल उद्देश्यों, दायित्वों और भूमिका की समीक्षा करनी होगी। कार्यादेश में समिति से ऐसे किसी भी व्यय, लेनदेन या वित्तीय व्यवस्था की पहचान करने के लिए कहा गया है, जिसे उसकी राय में लेखा-परीक्षा, वित्तीय प्रबंधन या प्रशासनिक दृष्टि से विस्तृत जांच की आवश्यकता हो। इसके अतिरिक्त समिति को किसी भी संभावित अनियमितता या प्रणालीगत कमी का पता लगाने तथा संगठन के पुनर्गठन, सरकारी तंत्र में उसकी क्षमता के पुनर्विनियोजन और स्थापित अनुषंगी इकाइयों के भविष्य के बारे में सिफारिशें प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।



बॉस हों पार्ट टाइमर तो ऐसे करें डील

जॉब के दौरान कई परिस्थितियों से दो चार होना पड़ता है। ऐसा हो सकता है कि कंपनी पार्ट टाइम बॉस को नियुक्त कर दे। ऐसी स्थिति में टीम की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। बॉस के साथ तालमेल बैठाकर उन्हें फैसले लेने होते हैं...

जब आपके ऑफिस में पार्ट टाइम काम करने वाले बॉस हों और आप फुल टाइमर एम्प्लॉइ हों, तो स्थिति थोड़ी सी नाजुक हो जाती है। ऐसे में पूरी टीम को बॉस के साथ बराबर टच में रहना होता है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि टीम को फुल टाइमर बॉस की कमी महसूस होती है। टीम को कई मुद्दों पर बातचीत करने की जरूरत होती है। कई बार ऐसा होता है कि पार्ट टाइमर बॉस पूरा समय नहीं दे पाते हैं। आप अपनी कंपनी में ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, तो यहां पर दिए जाने वाले टिप्स कारगर साबित हो सकते हैं। आइए डालते हैं एक नजर –

मानसिकता सही रखें

एक्सपर्ट कहते हैं कि एक पार्ट टाइमर बॉस किसी संस्था में काम करता है, तो वहां पर काम करने वाले लोगों के मन में यह भावना विकसित हो सकती है कि वह पावर का दुरुपयोग तो नहीं कर रहे हैं। बॉस का पद जिम्मेदारी भरा पद होता है और कंपनी बॉस पर भी नजर रखती है। याद रखें कि इसके लिए कंपनी हमेशा ही अपने स्तर पर सही व्यक्ति का चुनाव करती है। ऐसे में यह है कि टीम भी सही मानसिकता के साथ बॉस को सहयोग दे और अपना काम करे। वह कॉरपोरेट जगत के वैल्यू को समझे।

कम्यूनिकेशन का होता है अहम रोल

जहां बॉस पार्ट टाइम काम करते हैं और उनके साथ काम करने वाले बाकी लोग फुल टाइम जॉब करते हैं, वहां पर कम्यूनिकेशन का रोल अहम हो जाता है। एक्सपर्ट मानते हैं कि ऐसी स्थिति में टीम को बॉस के साथ कम्यूनिकेशन लेवल हाई रखना पड़ता है। एक बार कम्यूनिकेशन करने का स्टाइल फिक्स हो जाता है, तो बाद में चीजों को बदल पाना आसान नहीं होता है। जब कम्यूनिकेशन सही रहेगा तो प्रॉब्लम का निपटारा भी पलक झपकते ही हो जाएगा। ऐसे में पार्ट टाइमर बॉस के संग भी टीम बेहतर रिजल्ट दे सकती है।

फैसला लेने की कला सीखें

आप ऐसी जगह काम कर रहे हैं, जहां फुल टाइमर बॉस नहीं हैं, तो जरूरी है कि टीम का हर एक सदस्य खुद पर भरोसा दिखाए और फैसला लेने की कला सीखे। याद रखें कि जब बॉस फुल टाइमर नहीं होते हैं, तो सबसे ज्यादा दिक्कत फैसला लेने में ही होती है। वर्कप्लेस पर कई बार आपको पलक झपकते ही बड़े फैसले लेने होते हैं। दूसरा बड़ा मुद्दा यह होता है कि आप आज के कॉम्पिटिशन भरे माहौल में टीम में तेजी कैसे लाएं। जॉब एक्सपर्ट कहते हैं कि इससे निपटने के लिए कंपनियों को चाहिए कि वह फैसला लेने के अधिकार को बांट दे। इससे जहां टीम के सदस्यों में कॉन्फिडेंस पैदा होता है, वहीं समय के भीतर फैसला लेने से काम में तेजी भी आती है।

...तो आप भी हैं कामयाब लीडर

एक लीडर में अपनी बात को असरदार तरीके से दूसरों तक पहुंचाने का हुनर आना चाहिए। एक लीडर, अगर वह अपनी बात अपने साथ काम करने वालों को बेहतर तरीके से कम्यूनिकेट कर पाने में समर्थ है, तो इससे कामकाजी माहौल ऊर्जा से भर जाता है, लोग उत्साह से काम में जुटते हैं और उनकी रचनात्मकता काम में झलकने लगती है। एक दूरदर्शी सोच रखने वाला लीडर एक जुनूनी टीम बनाने में यकीन रखता है। यह टीम एक समान लक्ष्यों के लिए पूरे जोशोखरोश से काम करती है। अपना कारोबार फैलाती किसी भी कंपनी को एक मजबूत मैनेजमेंट के साथ-साथ ऐसी टीम की भी दरकार रहती है, जो साथ काम करने वाले लोगों के बीच आपसी एकता, यकीन और आदर की बुनियाद पर बनी हो। कामयाबी का राज है, कामकाज में साफ-सुथरापन। एक कामयाब लीडर इस बात की अहमियत जानता है और अच्छे कामकाज के लिए अपने एंप्लॉई के साथ एक बेहतर समझ विकसित करता है। इससे न सिर्फ कामकाज का बिना किसी रुकावट के निपटारा होता जाता है, बल्कि टीम के भीतर एक खुशनुमा कामकाजी माहौल भी बरकरार रहता है।



इन बातों का ध्यान रखें तो कदम चूमेगी कामयाबी

जब आप अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट होते हैं, तो यह जान जाते हैं कि आप कौन हैं? आप क्या हैं? आपको क्या करना है और आप क्या चाहते हैं? अगर ये चीजें आपके दिमाग में साफ हैं, तो आपकी सफलता का पहला चरण सुनिश्चित हो जाता है।

बनें योग्य

कामयाब होने के लिए सबसे पहले यह जरूरी है कि आप खुद को योग्य बनाएं। क्योंकि आप तब तक ऊपर नहीं चढ़ सकते, जब तककि आप में योग्यता नहीं हो। इसलिए पहले खुद को योग्य बनाना जरूरी होता है। इसके लिए लगातार प्रयत्न करना पड़ेगा। याद रखें कि कोशिश करने वालों की कभी भी हार नहीं होती है।

दबाव झेलने की क्षमता

जब जिम्मेदारी बढ़ेगी तो दबाव के साथ-साथ अवरोध भी उत्पन्न होगा। ऐसे में इस तरह की विपरीत परिस्थितियों को झेलने की क्षमता आपमें जरूर होनी चाहिए। वैसे जब आपको एवरेस्ट पर चढ़ाई करनी हो तो रास्ते में दिक्कतें तो आएंगी ही। दिक्कतों का सामना करने से ही सफलता का दरवाजा खुलता है।

भरपूर एकाग्रता जरूरी

इसके बिना तो आप साइकल भी नहीं चला सकते। एकाग्रता एक ऐसी चीज है, जो हर जगह काम आती है। आप अपने काम में इसके द्वारा ही परफेक्शन लाते हैं। किसी भी काम को साधारण से असाधारण बनाने के लिए एकाग्रता की जरूरत होती है। इसके माध्यम से आप बड़े से बड़े लक्ष्य को भेद सकते हैं।

रचनात्मकता भी जरूरी

एक प्रफेशनल की सफलता में उसकी रचनात्मकता का काफी अहम योगदान होा है। इसलिए इस ओर ध्यान देना जरूरी है।

साहस बनाए रखें

कहते हैं रिस्क लेने के बाद ही आगे बढ़ने का रास्ता खुलता है। इसके लिए साहस सबसे जरूरी चीज है। किसी ने सही कहा है कि हिम्मत रखने वालों की कभी हार नहीं होती इसलिए जीतने के लिए साहस बहुत जरूरी है।





हार्डवेयर फील्ड में खूब हैं जॉब, मस्त सैलरी

आज शायद ही ऐसा कोई ऑफिस हो, जहां का कामकाज कंप्यूटर पर आधारित न हो। इसके अलावा, घर, स्कूल आदि जगहों पर भी सभी कामकाज कंप्यूटर पर ही किए जाते हैं। अगर ये सुचारू रूप से काम न करें, तो सारा कामकाज अचानक ठप हो सकता है। बैंकों और अन्य सरकारी कार्यालयों में नेटवर्क फेल होने की वजह से काम ठप रहने की खबरें आपने अक्सर पढ़ी होंगी, तब इस नेटवर्क को सही करने के लिए हार्डवेयर प्रफेशनल्स की ही मदद ली जाती है। नेटवर्किंग दरअसल कंप्यूटरों को आपस में जोड़कर ऐसा जाल बनाने का फील्ड है जिसमें कोई संस्थान काम कर सके। कुल मिलाकर, कंप्यूटर इंस्टॉलेशन से लेकर, इसकी मेंटेनेंस और रोजमर्रा के ऐडमिनिस्ट्रेशन तक का सारा जिम्मा कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट्स यानी हार्डवेयर इंजिनियर्स के जिम्मे होता है।

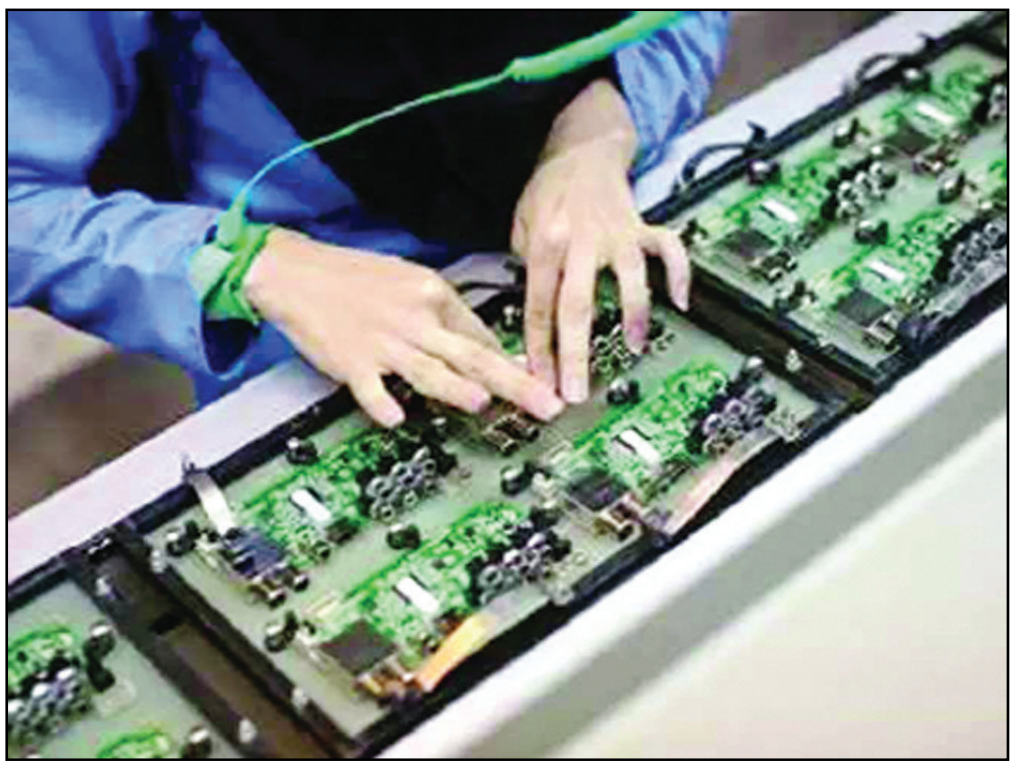
कोर्स

हार्डवेयर इंजिनियर बनने के लिए मुख्य रूप से दो बेसिक कोर्स करने पड़ते हैं। पहला, हार्डवेयर और दूसरा बेसिक नेटवर्किंग। हार्डवेयर रिलेटिड कोर्स से कंप्यूटर पार्ट्स के बारे में तमाम तकनीकी जानकारी मिलती है। एक हार्डवेयर इंजिनियर या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर बनने के लिए ये दोनों कोर्स करने बेहद जरूरी हैं। नेटवर्किंग में इससे आगे कोई एक्सपर्ट बनना हो, तो अपनी पसंद के हिसाब से कुछ और बेसिक कोर्स करने होंगे, जैसे - लैन (लोकल एरिया नेटवर्क) और वैन (वाइड एरिया नेटवर्क) से जुड़े कोर्स। नेटवर्किंग से जुड़े कोर्स कराने के लिए कई सरकारी और प्राइवेट संस्थान हैं, जिन्होंने इन कोर्सेज के लिए अपनी अलग पहचान बनाई है। नेटवर्किंग सीखने के लिए तीन तरीके हैं - पहला ऑनलाइन स्टडी मटीरियल की मदद से खुद पढ़ाई, दूसरा ऐसे इंस्टिट्यूट्स जो किसी प्रोग्राम से जुड़े नहीं है और तीसरा सर्टिफाइड प्रोग्राम।



जॉब की कमी नहीं

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि नेटवर्किंग में कोर्स करने के बाद कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट, हेल्प डेस्क टेक्निशन, नेटवर्क या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर, कंप्यूटर सिक्यॉरिटी स्पेशलिस्ट के रूप में करियर बना सकते हैं। आज इन एक्सपर्ट्स की जरूरत लगभग हर संस्थान में होती है। फिर चाहे वह कंप्यूटर और डेटा प्रोसेसिंग यूनिट हों, बैंक या अन्य सरकारी कार्यालय, कोई इंडस्ट्री या और कोई छोटी-बड़ी फर्म। जहां भी कामकाज कंप्यूटर आधारित है, वहां इन तकनीकी विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती है। सरकारें जिस तरह ई-गवर्नेंस पर जोर दे रही हैं, उससे यह फील्ड और भी हॉट बनता जा रहा है। इसके चलते स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क और डाटा सेंटर जैसे कई नए फील्ड खुल रहे हैं। कहा जा सकता है कि जब तक कंप्यूटर पर काम होता रहेगा, इन विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती रहेगी। ये किसी भी कंपनी के लिए नेटवर्क और कंप्यूटर सिस्टम की देखभाल से लेकर, एंप्लायीज और कस्टमर्स की तकनीकी जिज्ञासाओं को शांत करने तक का काम करते हैं। एंट्री लेवल पर आपकी जिम्मेदारी केवल नेटवर्क और कंप्यूटर मेंटेनेंस की हो सकती है, लेकिन अनुभव के साथ आपको किसी कंपनी के लिए इंट्रानेट आदि डिवेलप करने का जिम्मा भी दिया जा सकता है।



मनी मैटर्स

बरसों से आईटी फील्ड में अच्छी-खासी सैलरी रही है। हार्डवेयर प्रफेशनल्स के लिए सॉफ्टवेयर प्रफेशनल्स की तरह मौकों की कोई कमी नहीं है। एंट्री लेवल पर आप 25 से 35,000 रुपये महीने की जॉब पा सकते हैं। अनुभव और समय के साथ इसमें बढ़ोतरी होगी।

जोस बटलर ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, 200वां वनडे मैच खेलने वाले इंग्लैंड के दूसरे खिलाड़ी बने

बर्मिंघम। जोस बटलर ने मंगलवार को अपने शानदार इंटरनेशनल करियर में एक और उपलब्धि हासिल की। एजबेस्टन में भारत के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले मैच में मैदान पर उतरते ही वे इंग्लैंड के लिए 200 वनडे इंटरनेशनल मैच खेलने वाले दूसरे क्रिकेटर बन गए। यह अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन (225 वनडे) के साथ एक खास क्लब में शामिल हो गए। उन्होंने यह उपलब्धि फरवरी 2012 में दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ अपने वनडे डेब्यू के 14 साल बाद हासिल की।

एक रोमांचक युवा फिनिशर से लेकर इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल क्रिकेट में बदलाव लाने वाले मुख्य खिलाड़ियों में से एक बनने तक, बटलर लिमिटेड-ओवर्स क्रिकेट में टीम के एक ग्लोबल ताकत के रूप में उभरने में अहम रहे हैं। 34 वर्षीय खिलाड़ी ने 171 पारियों में 39.11 की औसत और 115.20 के शानदार स्ट्राइक रेट से 5,515 रन बनाए हैं। उन्होंने 11 शतक और 29 अर्धशतक जड़े हैं, जिसमें नाबाद 162 रन उनका सर्वोच्च स्कोर है।

इंग्लैंड के वनडे सेटअप पर बटलर का असर सिर्फ आंकड़ों तक ही सीमित नहीं है। उनके निडर स्ट्रोकप्ले ने टीम की बल्लेबाजी की सोच को बदलने में मदद की, जबकि 2015 में पाकिस्तान के खिलाफ 46 गेंदों में लगाया गया उनका शतक इस फॉर्मेट में इंग्लैंड का सबसे तेज शतक है। वे एकमात्र ऐसे इंग्लिश बल्लेबाज हैं जिन्होंने 50 या उससे कम गेंदों में तीन वनडे शतक लगाए हैं और नंबर 5 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे ज्यादा (आठ) वनडे शतक लगाने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है।



बटलर के करियर का एक यादगार पल लॉर्ड्स में 2019 ICC मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप फाइनल में आया। मार्टिन गुप्टिल को रन-आउट करके उन्होंने एक यादगार सुपर ओवर के बाद इंग्लैंड को उसका पहला 50-ओवर का वर्ल्ड कप खिताब जिताया, जबकि मैच में पहले लगाई गई उनकी संयमित अर्धशतकीय पारी भी उतनी ही अहम साबित हुई। मॉर्गन के रिटायरमेंट के बाद बटलर इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल कप्तान बने और ऑस्ट्रेलिया में 2022 ICC पुरुष टी20 वर्ल्ड कप का खिताब टीम को जिताया। इसके बाद 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद उन्होंने कप्तानी छोड़ दी।

उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन और आक्रामक खेलने के तरीके ने उन्हें इस फॉर्मेट के महान खिलाड़ियों में शामिल कर दिया है। 5000 वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाजों में सिर्फ पाकिस्तान के दिग्गज शाहिद अफरीदी का स्ट्राइक रेट बटलर के 115.20 से ज्यादा है। वह 2500 से ज्यादा वनडे रन बनाने वाले इकलौते ऐसे खिलाड़ी हैं जिनका औसत 36 से ज्यादा और स्ट्राइक रेट 110 से ज्यादा है। इसके अलावा उनके 184 ODI छक्के एक्टिव खिलाड़ियों में दूसरे नंबर पर हैं; उनसे आगे सिर्फ भारत के रोहित शर्मा हैं।

इस उपलब्धि पर बात करते हुए बटलर ने कहा कि इससे उन्हें उस उत्साह की याद आ गई जो उन्होंने पहली बार इंग्लैंड के लिए खेलते समय महसूस किया था। बटलर ने इंस्टाग्राम पर इंग्लैंड क्रिकेट द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में कहा, 'हां, बहुत गर्व महसूस हो रहा है।

● जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट

सिंधू की शानदार शुरुआत

मलेशिया की वोंग लिंग चिंग के खिलाफ आसानी से जीत दर्ज की



डलास, एजेंसी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत करते हुए महिला एकल के दूसरे दौर में जगह बना ली है। मंगलवार को खेले गए पहले दौर के मुकाबले में विश्व की 10वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को 21-14, 21-11 से हराकर आसानी से जीत दर्ज की।

आक्रामक खेल दिखाया, सिंधू ने शुरू से बनाए रखा दबदबा

सिंधू ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने लंबी रैलियों में नियंत्रण बनाए रखते हुए शुरुआती बढ़त हासिल की और पहले गेम के इंटरवल तक 11-6 से आगे रहीं। इसके बाद उनके सटीक ड्रॉप शॉट, बैकहैंड और हाफ-स्मैश ने मलेशियाई खिलाड़ी पर लगातार दबाव बनाए रखा। भारतीय स्टार ने पहला गेम 21-14 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी उन्होंने विरोधी खिलाड़ी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। सिंधू ने जल्द ही 8-2 की बढ़त बनाई और इंटरवल तक स्कोर 11-3 कर दिया। इसके बाद उन्होंने लगातार अंक जुटाते हुए 21-11 से गेम और मैच जीत लिया।

ध्रुव-तनीशा की जोड़ी भी दूसरे दौर में

मिश्रित युगल में भारत के ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो ने भी शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय जोड़ी ने स्कॉटलैंड के एलेक्जेंडर डन और जूली मैकफर्सन को 21-16, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।हालांकि भारत को मिश्रित युगल में एक निराशा भी हाथ लगी। रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे की जोड़ी पहले ही दौर में शीर्ष वरीय चीन के फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग के खिलाफ टिक नहीं सकी। चीनी जोड़ी ने मुकाबला 21-11, 21-10 से जीतकर भारतीय खिलाड़ियों का अभियान समाप्त कर दिया। अब भारतीय बैडमिंटन प्रेमियों की नजरें दूसरे दौर में पीवी सिंधू और ध्रुव-तनीशा की जोड़ी पर होंगी। सिंधू यदि अपनी मौजूदा लय बरकरार रखती हैं तो जापान ओपन में खिताब की दावेदारों में मजबूती से बनी रह सकती हैं।

खेल मंत्रालय ने जूडो महासंघ को सशर्त मान्यता दी



नई दिल्ली, एजेंसी। खेल मंत्रालय ने भारतीय जूडो महासंघ (जेएफआई) के अंतरिम निकाय को सशर्त मान्यता दे दी है, जिसका चुनाव दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के बाद पिछले महीने हुआ था। मंत्रालय ने इसके साथ ही चेतावनी दी कि अगर वह अदालत के निर्देशों का पालन नहीं करेगा तो उसे निलंबित कर दिया जाएगा।

जेएफआई का संचालन 2022 से अदालत से नियुक्त प्रशासक कर रहे थे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस साल फरवरी में अपने फैसले में निकाय को वार्षिक आम बैठक बुलाने और इस साल की शुरुआत में लागू किए गए राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के प्रावधानों का पालन करने के लिए कहा था। इसके बाद महासंघ ने अंतरिम कार्यकारी समिति का चुनाव किया, जिसके अध्यक्ष मुकेश कुमार हैं जबकि बानी ब्राता दास महासचिव और शैलेश तिलक कोषाध्यक्ष हैं।

मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा, 'यह फैसला किया गया है कि भारतीय जूडो महासंघ की कार्यकारी समिति (अंतरिम निकाय) को तत्काल प्रभाव से मान्यता दी जाए।' इसमें कहा गया है, 'यह मान्यता दिल्ली उच्च न्यायालय तथा अन्य माननीय उच्च न्यायालयों में लंबित जेएफआई की कार्यकारी समिति के चुनावों से संबंधित चल रहे मामलों के परिणाम पर निर्भर करेगी।' मंत्रालय ने कहा कि उच्च न्यायालय के निर्देशों का सख्ती से पालन नहीं कर पाने पर मान्यता रद्द कर दी जाएगी।

अधिसूचना के अनुसार, 'अंतरिम निकाय की ओर से किसी भी चूक और किसी भी तरह की गंभीर अनियमितता की स्थिति में मान्यता को रद्द किया जा सकता है।' मंत्रालय ने अदालत के निर्देशानुसार जेएफआई को कार्यकारी समिति के अंतिम चुनाव कराने के लिए कहा है।

मंत्रालय ने कहा, 'जेएफआई के अंतरिम निकाय को दिल्ली उच्च न्यायालय के 12 फरवरी के आदेश के अनुसार निर्धारित समय सीमा के भीतर राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025 और उसके नियमों के अनुरूप अपना संविधान संशोधित करना होगा।' मंत्रालय ने जेएफआई से उच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन किए जाने की मौजूदा स्थिति पर मासिक रिपोर्ट देने के लिए भी कहा है।

जेएफआई ने जून में हुए चुनावों में शीर्ष तीन अधिकारियों के अलावा चार उपाध्यक्ष और चार संयुक्त सचिव भी चुने। इनमें से एक पदाधिकारी पूर्व टेनिस खिलाड़ी मनीषा मल्होत्रा हैं, जो खेल प्रबंधन में भी सक्रिय रूप से शामिल रही हैं।

एशियन अंडर-19 बॉक्सिंग चैंपियनशिप: भारत के नौ मुक्केबाज फाइनल में, छह कांस्य पदक भी पक्के

जकार्ता, एजेंसी। एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। सोमवार को खेले गए अंडर-19 वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबलों में भारत के नौ मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई, जबकि छह मुक्केबाजों ने कांस्य पदक अपने नाम किए।



महिला वर्ग में भारत का दबदबा

अंडर-19 महिला वर्ग में भारत की सभी आठों मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश किया। चाहत (60 किग्रा) ने चीनी ताइपे की पेई-चुन त्साई को 5-0 से हराया। अंशिका (75 किग्रा) ने चीनी ताइपे की आन-ची त्सेंग को पहले राउंड में आरएससी (रेफरी स्टॉप्ड कॉन्टेस्ट) से मात दी। मेघा श्योकंद (80 किग्रा) की प्रतिद्वंद्वी वियतनाम की मुक्केबाज मुकाबला जारी नहीं रख सकीं, जिससे मेघा सीधे फाइनल में पहुंच गईं। प्राची तोकस (+81 किग्रा) ने चीनी ताइपे की शू-शियान वांग को पहले राउंड में आरएससी से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। इससे पहले जीत दर्ज करने वाली भारतीय मुक्केबाजों के साथ अब अंडर-19 महिला वर्ग में भारत की सभी आठ खिलाड़ी फाइनल में पहुंच चुकी हैं।

अंडर-19 में दो भारतीय फाइनल में

पुरुष वर्ग में भारत के दो मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई। आदित्य (55 किग्रा) ने दक्षिण कोरिया के ह्योनमिन ली को दूसरे राउंड में आरएससी से हराया। शुभम राजपूत (90 किग्रा) ने किर्गिस्तान के आइतबेक बेर्दिमुरातोव को 3-2 के करीबी मुकाबले में शिकस्त दी। वहीं, सेमीफाइनल में हारने वाले छह भारतीय मुक्केबाजों को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

अंडर-23 महिला वर्ग

महिला वर्ग में पांच भारतीय मुक्केबाज फाइनल में पहुंचीं। निशा (54 किग्रा) ने दक्षिण कोरिया की ह्योजू ली को हराया। निकिता चंद (60 किग्रा) ने जापान की सारी कोकुफू को मात दी। काजल (65 किग्रा) ने किर्गिस्तान की गुलजीना मेल्सवेक को हराया। इस मुकाबले में रेफरी को भारतीय मुक्केबाज के दबदबे के कारण मुकाबला रोकना पड़ा।

भारतीय टेबल टेनिस ने रचा इतिहास

मानव-मानुष बने दुनिया की नंबर-2 पुरुष युगल जोड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेबल टेनिस को बड़ी उपलब्धि मिली है। स्टार खिलाड़ी मानव ठक्कर और मानुष शाह ने इतिहास रचते हुए इंटरनेशनल टेबल टेनिस फेडरेशन की नवीनतम पुरुष युगल रैंकिंग में दुनिया की नंबर-2 जोड़ी बनने का गौरव हासिल किया है। इसके साथ ही वे सीनियर विश्व रैंकिंग में इतनी ऊंची रैंक हासिल करने वाले भारत के पहले खिलाड़ी या जोड़ी बन गए हैं।मानव ठक्कर और मानुष शाह पिछले सप्ताह पहली बार करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व नंबर-3 रैंकिंग पर पहुंचे थे। अब उन्होंने एक और स्थान की छलांग लगाकर नया इतिहास रच दिया। इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड अर्चना कामथ और मनिका बत्रा के नाम था, जिन्होंने 2022 में महिला युगल रैंकिंग में विश्व नंबर-4 स्थान हासिल किया था।



चीन नंबर-1, भारतीय जोड़ी दूसरे स्थान पर

ताजा रैंकिंग में चीन की लिन शिडोंग और हुआंग यूझेंग की जोड़ी 5160 अंकों के साथ पहले स्थान पर बनी हुई है। वहीं मानव ठक्कर और मानुष शाह 3390 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। फ्रांस के स्टार एलेक्सिस और फेलिक्स लेब्रुन की जोड़ी दूसरे से फिसलकर पांचवें स्थान पर पहुंच गई, जिसका फायदा भारतीय जोड़ी को मिला। मानव और मानुष की यह उपलब्धि पिछले एक साल के लगातार बेहतरीन प्रदर्शन का नतीजा है। भारतीय टेबल टेनिस के दिग्गज शरत कमल के मार्गदर्शन में दोनों खिलाड़ियों ने डब्ल्यूटीटी सर्किट में लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है।

यह उपलब्धि ऐसे समय आई है जब जापान के आइची-नागोया में होने वाले 2026 एशियन गेम्स में तीन महीने से भी कम समय बचा है।मानव और मानुष से इस बार पुरुष युगल में भारत को पदक की बड़ी उम्मीदें होंगी। 2023 हांगझोऊ एशियन गेम्स में दोनों की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया की तत्कालीन विश्व नंबर-1 जोड़ी से हारकर पदक से चूक गई थी। मानव ठक्कर और मानुष शाह की यह उपलब्धि साबित करती है कि भारतीय टेबल टेनिस अब विश्व स्तर पर लगातार अपनी मजबूत पहचान बना रहा है।

सेमीफाइनल में खास जर्सी पहनना चाहता है अर्जेंटीना

● फीफा से मांगी खास जर्सी पहनने की अनुमति

लंदन, एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल से पहले अर्जेंटीना ने एक खास अनुरोध कर सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लियोनेल मेसी की टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में अपनी पारंपरिक आसमानी-सफेद जर्सी की जगह नेवी ब्लू (गहरे नीले रंग) की वैकल्पिक जर्सी पहनने की अनुमति फीफा से मांगी है। माना जा रहा है कि इस फैसले के पीछे इंग्लैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप में मिली ऐतिहासिक सफलताओं का अंधविश्वास भी जुड़ा हुआ है।रिपोर्ट्स के अनुसार, अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने फीफा से सेमीफाइनल में नेवी ब्लू अवे किट पहनने की अनुमति मांगी है। मौजूदा वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना ने इस जर्सी का इस्तेमाल केवल ग्रुप स्टेज में जॉर्डन के खिलाफ किया था। इसके बाद टीम सभी मुकाबलों में अपनी पारंपरिक होम जर्सी में उतरी। फीफा हर मुकाबले से पहले दोनों टीमों की जर्सी का अंतिम फैसला करता है ताकि खिलाड़ियों, रेफरी और दर्शकों को रंगों में कोई भ्रम न हो।



इंग्लैंड के खिलाफ इस जर्सी का खास इतिहास

नेवी ब्लू जर्सी का इंग्लैंड के खिलाफ अर्जेंटीना के लिए खास इतिहास रहा है। 1986 वर्ल्ड कप क्वार्टरफाइनल में डिएगो माराडोना ने इसी जर्सी में 'हैंड ऑफ गॉड' और 'गोल ऑफ द सेंचुरी' की मदद से टीम को 2-1 की यादगार जीत दिलाई थी। इसके बाद 1998 वर्ल्ड कप के राउंड ऑफ-16 में भी अर्जेंटीना ने इसी जर्सी में इंग्लैंड को पेनल्टी शूटआउट में हराया था। हालांकि 2002 वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना ने अपनी पारंपरिक होम जर्सी पहनी और इंग्लैंड से 0-1 से हार गया था। इसी वजह से स्थानीय मीडिया इसे टीम का 'लकी किट' भी बता रहा है।

इंग्लैंड पारंपरिक सफेद जर्सी में उतरेगा

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंग्लैंड सेमीफाइनल में अपनी पारंपरिक ऑल-व्हाइट होम किट में मैदान पर उतरेगा। वहीं अर्जेंटीना की नेवी ब्लू जर्सी पहनने की मांग पर अंतिम फैसला फीफा के किट नियमों के अनुसार लिया जाएगा।

फाइनल का टिकट दांव पर

सेमीफाइनल मुकाबले में दोनों टीमों के सामने फाइनल में जगह बनाने का बड़ा मौका होगा। अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचकर खिताब बचाने की कोशिश करेगा, जबकि इंग्लैंड 1966 के बाद पहली बार विश्व कप जीतने के सपने को पूरा करने के इरादे से मैदान में उतरेगा। अब सभी की नजर इस बात पर होगी कि क्या फीफा अर्जेंटीना को उसकी 'लकी' नेवी ब्लू जर्सी पहनने की अनुमति देता है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com



रिद्धि डोगरा ने लोकल ट्रेनों में सफर के दिनों को याद किया

उन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्हें सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में काम किया। अच्छी एक्टिंग की वजह से उन्हें शाहरुख खान जैसे बिग स्टार के साथ काम करने का मौका मिला। अभिनेत्री की खास बात यह है कि वह आज सफल हैं। लेकिन, उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों को याद रखा है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए भीड़-भाड़ वाली लोकल ट्रेनों में सफर करने के दिनों को याद किया। उन्होंने उन मुश्किलों का जिक्र किया, जिनका उन्होंने सामना किया और उस दृढ़ संकल्प के बारे में बताया, जिसने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में उनके रास्ते को आकार दिया। रिद्धि ने लिखा कि मुझे हमेशा से जुलाई का महीना पसंद रहा है। इन तस्वीरों ने जुलाई के पुराने दिनों की यादें ताजा कर दीं। जुलाई 2005 में मेरी मुंबई की कहानी शुरू हुई थी। कॉलेज से नई-नई निकली थी और बड़ी दुनिया में पढ़ने, घूमने-फिरने, जीने और सीखने के लिए उत्सुक थी। इसीलिए, मैंने मुंबई को चुना। यह एक ऐसा शहर है, जो अनजाने में मुझे लंबे समय से बुला रहा था। मुझे इस शहर की हलचल भरी जिंदगी और आकर्षण में सुकून मिलता है।

रिद्धि डोगरा ने लिखा कि लोकल ट्रेनें मेरी सबसे पसंदीदा जगह बन गई थीं। 2005 से 2007 के बीच मैं एक ही दिन में कई तरह के वाहनों से सफर करती थी। पहले कॉलेज जाती, फिर अपनी सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की नौकरी पर जाती। मैं पूरा समय ट्रेन की खिड़की से बाहर देखते हुए और अपने भविष्य के सपनों के बारे में सोचते हुए मुस्कुराती रहती थी। मुझे पूरा यकीन था कि मेरा भविष्य बहुत शानदार होने वाला है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि मैं अपनी किस्मत की खुद मालिक थी। आज जिसे हम विजुअलाइजेशन और मैनिफेस्टेशन कहते हैं, वह मैं उन दिनों रोज करती थी। लोग उसे 'दिन में सपना देखना' कहते थे। इस दौरान एक गाना मेरे आईपॉड पर सबसे ज्यादा चलता था। रिद्धि डोगरा को असुर में नुसरत, ऑल्ट बालाजी की द मैरिड वुमन में आस्था, स्टार प्लस की मर्यादा: लेकिन कब तक? में प्रिया और वो अपना सा में निशा का किरदार निभाने के लिए पहचान मिली। वह नच बलिए 6 और फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 6 जैसे लोकप्रिय रियलिटी शो में भी नजर आ चुकी हैं। रिद्धि डोगरा द साबरमती रिपोर्ट, लकड़बग्घा, और जवान जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं।



मैं इंतजार करना पसंद करूंगी, लेकिन बिना जुड़ाव के किरदार नहीं

'अनुपमा' में राही कपाड़िया के किरदार से अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने घर-घर में पहचान बनाई है। इस बीच इंटरव्यू में अद्रिजा ने प्रोजेक्ट्स को ठुकराने और टीवी की दुनिया में आए बदलावों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह वहीं किरदार निभाना पसंद करती है, जिससे उन्हें दिल से जुड़ाव महसूस होता है। वहीं उन्होंने आगे कहा कि अब महिलाओं के लिए लिखे जाने वाले किरदारों में काफी सुधार आया है और दर्शक भी महिला केंद्रित कहानियों को खुले दिल से स्वीकार कर रहे हैं। अद्रिजा रॉय ने कहा, ''मुझे लगता है कि चीजें पहले से काफी बेहतर हुई हैं। अब महिलाओं को 'यादा अहमियत रखने वाले किरदार मिल रहे हैं। हालांकि अभी भी सुधार की गुंजाइश है, लेकिन अ'छी बात यह है कि दर्शक अब महिलाओं के नेतृत्व वाली कहानियों को स्वीकार कर रहे हैं। यह इंडस्ट्री के लिए एक सकारात्मक संकेत है।''

जब उनसे पूछा कि किसी एक किरदार की सफलता के बाद क्या कलाकार के एक जैसी भूमिकाओं में बंध जाने का खतरा बढ़ जाता है। इस पर उन्होंने कहा कि ऐसा होना स्वाभाविक है, क्योंकि जब कोई किरदार लोकप्रिय हो जाता है तो लोग उसी तरह के रोल में कलाकार को देखने लगते हैं। उन्होंने कहा, ''जब कोई भूमिका लोकप्रिय हो जाती है तो लोग आपको उसी अंदाज में देखने लगते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि आपने उस किरदार को अ'छी तरह निभाया है। मैं इसके लिए किसी को दोष नहीं देती। लेकिन एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा खुद को और दर्शकों को सरप्राइज करना चाहती हूं। मैं एक ही तरह के किरदार बार-बार नहीं करना चाहती। मेरे लिए हर नया रोल कुछ नया सीखने का मौका होना चाहिए।''

अद्रिजा ने अपने करियर के फैसलों को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, ''हर अभिनेता चाहता है कि उसके पास चुनने के लिए बहुत सारे विकल्प हों, लेकिन यह इंडस्ट्री हमेशा इस तरह काम नहीं करती। कई बार कोई अ'छा प्रोडक्शन हाउस आपको ऐसा किरदार देता है, जो शायद आपकी पहली पसंद न हो। ऐसे में पूरी तस्वीर देखनी चाहिए। कहानी क्या है, टीम कैसी है और किरदार शो में क्या योगदान दे रहा है, इन सभी चीजों को समझना जरूरी होता है। हर स्थिति में कोई एक सही या गलत जवाब नहीं होता। हर कलाकार को अपने हिसाब से फैसला लेना पड़ता है।''

बातचीत के दौरान अद्रिजा ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने करियर में कुछ ऐसे प्रोजेक्ट्स को मना किया है, जिनसे वह खुद को जोड़ नहीं पाईं। उन्होंने कहा, ''हां, मैंने कुछ प्रोजेक्ट्स के लिए मना किया है। ऐसा इसलिए नहीं था कि वे खराब थे, बल्कि इसलिए क्योंकि मैं उन किरदारों से जुड़ाव महसूस नहीं कर पाई। अगर मैं किसी भूमिका पर विश्वास नहीं करती हूं, तो मेरे लिए उसके साथ न्याय करना मुश्किल हो जाता है। मैं इंतजार करना पसंद करूंगी, लेकिन ऐसा काम करना चाहती हूं जो मुझे अंदर से उत्साहित करे।''



मुंबई और लॉस एंजिल्स के बीच के सफर ने मुझे एक बड़ा सबक दिया है

सुपरहिट फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में शाहरुख खान की बेटी 'अंजलि' का किरदार निभाकर लोगों के दिलों में जगह बनाने वाली अभिनेत्री सना सईद ने सोशल मीडिया पर अपना एक अनुभव साझा किया। दरअसल, उन्होंने विदेश में रहने के दौरान भाषा, उच्चारण और संवाद से जुड़ी कठिनाइयों के बारे में खुलकर बात की। सना सईद आज लॉस एंजिल्स में रहती हैं और अपने करियर और जीवन को नए तरीके से आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने अमेरिका पहुंचने के शुरुआती दिनों का एक दिलचस्प अनुभव बताया। सना ने बताया, 'साल 2016 में मैं पहली बार पढ़ाई के लिए लॉस एंजिल्स आई थी। इस दौरान मुझे रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातों में भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। मुझे याद है कि एक बार मैं एक रेस्टोरेंट में गई थी और वहां पानी पीना चाहती थी लेकिन मेरा उच्चारण वहां के लोगों को ठीक से समझ नहीं आया। मैंने कई बार 'वॉटर' कहा, लेकिन रेस्टोरेंट वाला अलग-अलग चीज समझता रहा और यहां तक कि 'सोडा' या 'कोक' तक ऑफर करने लगा।'

उन्होंने आगे कहा, ''उस दिन मुझे एहसास हुआ कि अगर मुझे अमेरिका में लंबे समय तक रहना है, तो मुझे अपने बातचीत करने के तरीके पर काम करना होगा, क्योंकि सुना जाना सबसे जरूरी है। इसके बाद मैंने अपने उच्चारण और बोलने के तरीके पर ध्यान देना शुरू किया और इसके लिए ट्रेनिंग भी ली।'' सना ने बताया कि यह प्रक्रिया आसान नहीं थी। किसी नए देश में जाकर वहां की भाषा के अनुसार खुद को ढालना बिल्कुल एक नई भाषा सीखने जैसा होता है। इसमें समय, मेहनत और लगातार अभ्यास की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, ''कई लोग सोचते हैं कि उच्चारण बदलना बहुत आसान है, लेकिन असल में इसके पीछे बहुत मेहनत और आत्मविश्वास की जरूरत होती है।''

उन्होंने कहा, ''मुझे इस बात से परेशानी होती है कि लोग अक्सर किसी के उच्चारण का मजाक उड़ाते हैं या उसे गलत समझते हैं। हर व्यक्ति का बोलने का अपना तरीका होता है, जो उसकी संस्कृति और पृष्ठभूमि से जुड़ा होता है। इसलिए किसी के उच्चारण को लेकर नकारात्मक टिप्पणी करना सही नहीं है।'' सना ने अपने वीडियो में कहा, ''मेरे लिए संवाद करना सिर्फ बोलना नहीं है, बल्कि अपने विचारों को सही तरीके से दूसरों तक पहुंचाना है। अभिनय के क्षेत्र में काम करने वाले कलाकारों के लिए यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि उनकी आवाज और संवाद ही उनका सबसे बड़ा साधन होता है।''

अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में सना ने लिखा, ''मेरा एक्सेंट अभी भी पूरी तरह परफेक्ट नहीं है लेकिन मुंबई और लॉस एंजिल्स के बीच के इस सफर ने मुझे एक बड़ा सबक दिया है। किसी भी भाषा या उच्चारण को लेकर शर्म महसूस करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हर व्यक्ति अपनी तरह से बोलता है और यह पूरी तरह सामान्य है।

पंकज पाराशर की ओटीटी सीरीज को लेकर अभिनेत्री शीना चौहान ने की बात

निर्देशक पंकज पाराशर ने अपनी आगामी ओटीटी सीरीज में अभिनेत्री शीना चौहान की नकारात्मक भूमिका को लेकर बातचीत की। शीना को कास्ट करने को लेकर पंकज पाराशर ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा, 'मैं अपनी अगली ओटीटी सीरीज के लिए नेगेटिव लीड रोल में शीना को चुनकर खुश हूं, क्योंकि उनमें इस किरदार के लिए जरूरी सभी खूबियां हैं, खासकर मार्शल आर्ट्स की उनकी ट्रेनिंग। एक एक्ट्रेस के तौर पर वह बहुत उत्साहित और कमिटेड भी हैं। अपने काम के प्रति उनका समर्पण बहुत पसंद है।' नए प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए शीना चौहान ने कहा, 'यह खबर मेरे जन्मदिन के आस-पास आई और इसने मेरे जन्मदिन को बहुत खास बना दिया। मैंने हमेशा पंकज सर और उनकी ओर से वर्षों से बनाए गए शानदार, यादगार महिला किरदारों की तारीफ की है। इसलिए, जब मैं उनसे मुंबई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में मिली और उन्होंने मेरे साथ इस प्रोजेक्ट के बारे में बात की, तो मैंने उनसे बात की।

शीना चौहान ने कहा, 'मुझे किरदारों और कहानियों को जीवंत करने से ज्यादा कुछ पसंद नहीं है। मैं हर रोल में अपना दिल और जान लगा देती हूं, इस उम्मीद के साथ कि मैं अपनी कहानियों के जरिए लोगों को प्रेरित और उत्साहित कर सकूंगी। एक्टिंग मुझे अपने असली मकसद को जीने का मौका देती है। यह मुझे अपनी थिएटर ट्रेनिंग, मार्शल आर्ट्स और फिटनेस का इस्तेमाल करके एक गहरे और दमदार किरदार को गढ़ने का मौका देती है। मैं इस सफर को शुरू करने के लिए सच में बहुत उत्साहित हूं।'

सीक्रेट एजेंट्स पर आधारित आने वाली जासूसी सीरीज इस सितंबर में शुरू होने वाली है। शीना इसके बाद पैन-इंडिया साउथ फिल्म 'जटास्य मरणं ध्रुवम्' में जे. डी. चक्रवर्ती के साथ नजर आएंगी, जिसमें वह एक एक्शन-पैक्ड रोल में पुलिस अफसर की भूमिका निभा रही हैं। वह इस सीरीज में एक्शन सीन करती हुई भी नजर आएंगी। एक्ट्रेस के पास एक इंटरनेशनल वेब सीरीज भी है; इस साल उनकी लगभग पांच रिलीज लाइन में हैं।





इंडस्ट्री में उम्र बढ़ने के साथ कलाकारों को किस तरह नजरअंदाज किया जाता है

टीवी के लोकप्रिय अभिनेता राम कपूर ने अपने करियर में कई यादगार किरदार निभाए हैं और दर्शकों का भरपूर प्यार हासिल किया है। वह अक्सर मनोरंजन जगत के उस सच पर खुलकर बात करते दिखते हैं, जिसके बारे में कलाकार बोलने से बचते नजर आते हैं। इस कड़ी में राम कपूर ने बताया कि इंडस्ट्री में उम्र बढ़ने के साथ कलाकारों को किस तरह नजरअंदाज किया जाता है। साथ ही बताया कि उनकी पत्नी और अभिनेत्री गौतमी कपूर भी इसी तरह के दौर से गुजर चुकी हैं।

राम कपूर ने यह खुलासा नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' के दौरान आकांक्षा चमोला से बातचीत में किया। दरअसल, शो में आकांक्षा चमोला ने राम कपूर से कहा कि वह जल्द ही अपने पति गौरव खन्ना से अलग रहकर अपनी नई शुरुआत करने वाली हैं। ऐसे में उन्हें अपना नया ठिकाना बनाना होगा और करियर को भी नए सिरे से संभालना पड़ेगा। उन्होंने राम से कहा कि इस सफर में उन्हें उनकी मदद की जरूरत पड़ सकती है। आकांक्षा की बात सुनकर राम ने बिना किसी झिझक के उनका साथ देने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह अपनी पूरी टीम को उनकी मदद के लिए लगा देंगे।

बातचीत के दौरान आकांक्षा ने मनोरंजन इंडस्ट्री की एक बड़ी समस्या का जिक्र करते हुए कहा कि यहां कलाकारों की उम्र को लेकर बहुत जल्दी धारणा बना ली जाती है। जैसे ही कोई कलाकार 35 साल की उम्र पार करता है, उसे यह कहकर अलग कर दिया जाता है कि अब वह पहले जैसा नहीं रहा। इससे कलाकारों के लिए नए मौके कम होने लगते हैं और करियर पर असर पड़ता है।

आकांक्षा ने राम कपूर से बात करते हुए कहा, 'आप जानते हैं कि लोग हमारी उम्र को अच्छी नजर से नहीं देखते। दुर्भाग्य से जैसे ही कोई कलाकार 35 साल का होता है, उसे यह कहकर अलग कर दिया जाता है कि वह अब बहुत उम्रदराज हो गया है। मुझे इस दुनिया की ज्यादा समझ नहीं है। मैं जितना कर सकती थी, उतना किया है। अब उम्मीद है कि आगे भी काम मिलता रहे, ताकि मैं अपनी जिंदगी सुरक्षित बना सकूं।' आकांक्षा की बातें सुनकर राम कपूर ने कहा कि उनकी स्थिति उन्हें अपनी पत्नी गौतमी कपूर की याद दिलाती है। उन्होंने बताया कि गौतमी भी अपने करियर में ऐसे ही दौर से गुजरी हैं और वह इस दर्द को अच्छी तरह समझते हैं।

राम ने कहा, 'गौतमी और मैंने भी उम्र का भेदभाव झेला है। शुरुआत में गौतमी भी इसी तरह की परिस्थितियों से गुजरी थीं। मैं इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता, लेकिन जो दौर तुम झेल रही हो, उससे गौतमी भी गुजर चुकी हैं। वह मेरी पत्नी हैं, मेरी दुनिया हैं, मेरा प्यार हैं। इसलिए मैं समझ सकता हूं कि तुम किस स्थिति में हो। मैं तुम्हारे लिए जितना संभव होगा, उतनी मदद करूंगा।' बता दें कि नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। शो में आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे कई चर्चित चेहरे भी शामिल हैं।



संक्षिप्त समाचार

बाजार में मौत बनकर घुसी कार: नौसेना अधिकारी की लापरवाही ने ली कई लोगों की जान

विना डेल मार, एजेंसी। चिली के तटीय शहर विना डेल मार में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। चिली नौसेना के एक ऑफ-ड्यूटी अधिकारी द्वारा चलाई जा रही निजी कार अचानक एक खुले बाजार में जा घुसी। इस भीषण हादसे में कई लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग अलग-अलग स्तर पर घायल हो गए। चिली नौसेना ने एक बयान जारी कर घटना की पुष्टि की है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और एक रिहायशी इलाके के सुरक्षा कैमरे की फुटेज में कथित तौर पर वह भयावह पल कैद है, जब तेज रफ्तार कार बाजार की दुकानों और ठेलों में जा घुसती है। अन्य वीडियो में देखा जा सकता है कि चालक को पुलिसकर्मी जल्दबाजी में एक पुलिस वाहन तक ले जा रहे हैं, जबकि गुस्साए लोग उसके पीछे दौड़ते हुए नारेबाजी कर रहे हैं। चिली नौसेना ने अपने बयान में कहा कि इस हादसे में कई लोगों की मौत हुई है और कई अन्य अलग-अलग स्तर की चोटों के साथ घायल हुए हैं। नौसेना ने यह भी कहा कि वह हादसे की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए जांच एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग कर रही है। नौसेना ने अपने आधिकारिक बयान में मृतकों की सटीक संख्या नहीं बताई। हालांकि, स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार इस हादसे में कम से कम छह लोगों की मौत हुई है। विना डेल मार के पुलिस प्रीफेक्ट कर्नल जॉर्ज गाइता ने पत्रकारों से कहा कि चालक का कहना है कि उसे घटना की कोई याद नहीं है। उन्होंने बताया कि हादसे की असली वजह का अभी तक पता नहीं चल पाया है और जांच जारी है। कर्नल जॉर्ज गाइता के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार सही दिशा में चल रही थी, लेकिन उसकी रफ्तार बहुत तेज थी। अचानक वाहन फुटपाथ पर चढ़ गया और घूमते हुए आगे बढ़ा। कर्नल गाइता ने बताया कि सौभाग्य से बस स्टॉप से टकराने के बाद कार रुक गई। अगर वाहन आगे बढ़ता रहता, तो इससे कहीं ज्यादा जानमाल का नुकसान हो सकता था।

बच्चियों के जबरन धर्म परिवर्तन पर यूरोपीय संघ ने शहबाज सरकार को लताड़ा



ब्रुसेल्स, एजेंसी। हाल ही में आई एक रिपोर्ट के मुताबिक, यूरोपीय संसद ने एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें पाकिस्तान के अधिकारियों से धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों की लड़कियों के अपहरण और जबरन इस्लाम धर्म अपनाने की घटनाओं को रोकने की मांग की गई है। प्रस्ताव में संयुक्त राष्ट्र के 2025 के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया कि जबरन धार्मिक परिवर्तन और विवाह से जुड़े मामलों में लगभग 25 प्रतिशत पीड़ित ईसाई लड़कियां होती हैं। यूरोपीय संसद के सदस्यों ने पाकिस्तान से बाल विवाह को समाप्त करने के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय ढांचा तैयार करने और अल्पसंख्यक समुदायों की उन लड़कियों के परिवारों की शिकायतों से निपटने के लिए एक राष्ट्रीय तंत्र बनाने का आग्रह किया, जिनका अपहरण या जबरन धर्म परिवर्तन कराया गया है। यूरोपीय संसद ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए 13 वर्षीय ईसाई लड़की मारिया शहबाज के मामले का भी जिक्र किया। प्रस्ताव के मुताबिक, मारिया का कथित रूप से जुलाई 2025 में 30 वर्षीय शेहरयार अहमद ने अपहरण किया था, जिस पर उसे जबरन इस्लाम धर्म अपनाकर शादी के लिए मजबूर करने का आरोप है। सांसदों ने इस मामले से जुड़ी कानूनी कार्यवाही का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आधिकारिक दस्तावेजों में कथित हेरफेर और लड़की के नाबालिग होने के सबूतों के बावजूद, पाकिस्तान की संघीय संवैधानिक अदालत ने आरोपी के पक्ष में फैसला सुनाया और बच्ची को उसके पास वापस भेज दिया। यूरोपीय संसद ने अदालत के इस फैसले की कड़ी आलोचना की और मांग की कि मारिया शहबाज को कानूनी सहायता और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहयोग उपलब्ध कराया जाए, ताकि वह इस कठिन अनुभव से उबर सके। प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि मानवाधिकार संगठनों के अनुमान के मुताबिक, हर साल अल्पसंख्यक समुदायों के 1,000 से अधिक नाबालिग इस तरह के अत्याचारों का सामना करते हैं। यूरोपीय संसद ने उन आरोपों पर भी चिंता जताई कि कई बार स्थानीय अधिकारी ऐसे मामलों में मिलीभगत करते हैं, जबकि अदालतें बाल संरक्षण कानूनों की अनदेखी करती हैं, जिससे जबरन धर्म परिवर्तन को बढ़ावा मिलता है या उसे वैधता मिलती है। संस्थागत कार्रवाई को मजबूत करने की मांग करते हुए यूरोपीय संसद के सदस्यों ने इस्लामाबाद से अपहरण और जबरन धर्म परिवर्तन के सभी मामलों की पारदर्शी और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

बैंकॉक पब अग्निकांड
बाथरूम की ओर भागे पर नहीं मिला रास्ता

भीषण आग में 27 की मौत
22 की हालत गंभीर



बैंकॉक , एजेंसी। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में रविवार को एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है। शहर के चोम फोन इलाके में स्थित एक पब में आधी रात के करीब भीषण आग लग गई, जिसकी चपेट में आने से कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। आग इतनी भयावह थी कि पब के भीतर मौजूद लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

बैंकॉक के पब में कैसे लगी आग?

चश्मदीदों और पब में मौजूद म्यूजिशियन के अनुसार, हादसे की शुरुआत स्टेज के पास लगे एक सर्किट ब्रेकर से हुई। सबसे पहले वहां से धुआं निकला और देखते ही देखते पूरे पब की बिजली गुल हो गई। इसके तुरंत बाद एक तेज धमाका हुआ और आग की लपटों ने पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। पब के भीतर उस समय भारी भीड़ मौजूद थी। आग इतनी तेजी से फैली कि लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और वहां चीख-पुकार मच गई।

मौत का जाल बना बाथरूम

प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल ने घटनास्थल का दौरा करने के बाद बताया कि आग लगने के बाद जैसे ही पब धुएं से भर गया, घबराए हुए लोग जान बचाने के लिए पीछे के हिस्से में मौजूद बाथरूम की ओर भागे। हालांकि, वहां कोई एग्जिट गेट नहीं होने के कारण वे वहीं फंस गए। अधिकारियों के अनुसार, ज्यादातर लोगों की मौत धुएं के कारण दम घुटने से हुई है और कई शव बाथरूम के पास से ही बरामद किए गए हैं।

बढ़ सकता है मौतों का आंकड़ा

बैंकॉक मेट्रोपॉलिटन एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, इस अग्निकांड में झुलसे 63 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बैंकॉक के गवर्नर चाडचार्ट सिट्टीपुंट ने जानकारी दी कि घायलों में से 22 की हालत गंभीर है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका बनी हुई है। पब की क्षमता 300 से अधिक लोगों की थी, और हालांकि सोशल मीडिया पर इसके चार फायर एग्जिट होने का दावा किया गया था, लेकिन हादसे के समय वे प्रभावी साबित नहीं हुए।

आधे घंटे में आग पर काबू

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। अग्निशमन दल के कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद लगभग आधे घंटे में आग पर काबू पाया। बचाव दल ने पब के भीतर फंसे कई लोगों को बाहर निकाला और उन्हें तुरंत पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। आग बुझने के बाद पब के भीतर का नजारा बेहद डरावना था। वहां रखी टेबल, कुर्सियां और अन्य फर्नीचर पूरी तरह जलकर राख हो चुके थे।

प्रधानमंत्री ने जताया दुख

थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नविराकुल ने घटनास्थल का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने पुष्टि की कि इस भीषण हादसे में अब तक 27 लोगों की जान जा चुकी है।

थाईलैंड में अग्निकांडों का पुराना इतिहास

थाईलैंड में पब और नाइटक्लबों में आग लगने की यह पहली बड़ी घटना नहीं है। इससे पहले साल 2022 में भी देश के पूर्वी हिस्से में एक म्यूजिक पब में आग लगने से 14 लोगों की मौत हुई थी। वहीं, 1 जनवरी 2009 को सांतिका नाइटक्लब में नए साल के जश्न के दौरान हुई भीषण आग ने पूरी दुनिया को हिला दिया था, जिसमें 66 लोगों की जान गई थी और 200 से अधिक लोग घायल हुए थे। उस समय आग का कारण घर के भीतर की गई आतिशबाजी को बताया गया था। हालिया घटना ने एक बार फिर थाईलैंड में व्यावसायिक स्थलों पर सुरक्षा मानकों और फायर सेफ्टी प्रोटोकॉल पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष से तेल की कीमतों में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी



वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच फिर से शुरू हुई संघर्ष की वजह से तेल की कीमतों में बढ़ोतरी होने लगी है। दोनों देशों के बीच फिर से एक-दूसरे पर हमले के बाद तेल की कीमतों में 3 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। होर्मुज जलडमरूमध्य में फिर से रुकावट की आशंका बढ़ गई है। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, शाम 6:03 बजे ईटी तक यूएस क्रूड फ्यूचर्स 3.4 प्रतिशत बढ़कर 73.87 डॉलर प्रति बैरल हो गए। इंटरनेशनल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड में 3.5 प्रतिशत की बढ़त हुई और यह 78.67 डॉलर पर पहुंच गया। न्यूयॉर्क टाइम्स ने ब्रेंट की कीमत थोड़ी ज्यादा, लगभग 79 डॉलर प्रति बैरल बताई। यह युद्ध से पहले की कीमत से लगभग 9 प्रतिशत ज्यादा थी। यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड की ओर से कहा गया, 'आज शाम 5 बजे ईटी पर, यूएस सेंट्रल कमांड की सेनाओं ने ईरान के खिलाफ और हमले शुरू किए गए। सेंट्रल कमांड की ओर से बताया गया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में हमला करने से ईरान की क्षमता को कम करना इसका उद्देश्य है। सेंट्रल कमांड की ओर से आगे कहा गया, 'कमांडर-इन-चीफ ने ईरानी सेनाओं को जवाबदेह ठहराने के लिए ये हमले करने का निर्देश दिया है।' वॉल स्ट्रीट जर्नल की ओर से कहा गया कि 24 घंटों में तीसरी बार अमेरिका की ओर से हमला किया गया। इससे पहले के हमलों में जलमार्ग के आसपास ईरानी मिसाइल और एयर-डिफेंस सिस्टम, छोटी नावें, रडार और हथियारों के स्टोरेज ठिकानों को निशाना बनाया गया था। अमेरिका के हमलों के बाद ईरानी सेनाओं की ओर से कमर्शियल जहाजों पर गोलीबारी की गई। सीएनएन और न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिंस ने कहा कि अमेरिकी विमानों ने एक ईरानी क्रूज मिसाइल और एक वन-वे अटैक ड्रोन को मार गिराया। ईरान ने कहा कि जलडमरूमध्य को अगली सूचना तक बंद कर दिया गया है।

वियतनाम में 15 भारतीयों की मौत के बाद बोट-कैप्टन गिरफ्तार

कंपनी की रिवॉर्ड ट्रिप पर गए थे पर्यटक, परिवारों को टीवी से मिली खबर

हनोई, एजेंसी। वियतनाम में शनिवार को भारतीय पर्यटकों से भरी स्पीडबोट पलटने से 15 भारतीयों की मौत के बाद स्पीडबोट कैप्टन को गिरफ्तार कर लिया गया है। उस पर केस दर्ज किया गया है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह भारतीय टूरिस्ट 'लावा मोबाइल' के चैनल पार्टनर और कर्मचारी थे। सभी कंपनी के टॉप परफॉर्मिंग डिस्ट्रीब्यूटर्स के लिए आयोजित रिवॉर्ड ट्रिप पर वियतनाम गए थे। कई पीड़ित परिवारों ने बताया कि उन्हें हादसे की पहली जानकारी टीवी चैनलों या दोस्तों के फोन से मिली। इसके बाद भारतीय दूतावास और स्थानीय प्रशासन ने उनसे संपर्क किया। कई परिवार अब भी अपने परिजन के पार्थिव शरीर के भारत पहुंचने का इंतजार कर रहे हैं। शुरुआती जांच में स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि मौसम अचानक खराब होने और ऊंची लहरों की वजह से यह हादसा हुआ। हालांकि, पूरे मामले की जांच जारी है। पलटी बोट के नीचे फंस गए थे पर्यटक भारतीय दूतावास के मुताबिक बोट में कुल 36 लोग सवार थे। इनमें 32 भारतीय पर्यटक और चार वियतनामी क्रू मेंबर थे। बोट माय रुट द्वीप से दूसरे द्वीप की ओर जा रही थी। तभी अचानक मौसम बदला और तेज लहरों के बीच बोट कुछ ही सेकेंड में पलट गई। बचे हुए यात्रियों ने बताया कि हादसा इतना तेजी से हुआ कि किसी को संभलने का मौका नहीं मिला। जो लोग बोट के आगे बैठे थे वे समुद्र में कूदकर बाहर निकल गए लेकिन अंदर बैठे कई यात्री उलटी हुई बोट के नीचे फंस गए और बाहर नहीं निकल सके। स्थानीय नाविक हा वान लोक ने बताया कि उन्होंने समुद्र में पलटी हुई बोट देखी, जिस पर कई लोग चिपके हुए थे। कुछ लोग बिना लाइफ जैकेट के समुद्र में बह रहे थे। उनकी टीम ने रस्सी फेंककर लोगों को बाहर निकाला और तुरंत दूसरी रेस्क्यू टीमों को सूचना दी।

इजरायल में आम चुनाव 27 अक्टूबर 2026 को होगा

गाजा युद्ध के साये में पीएम नेतन्याहू की साख दांव पर

तेलअवीव, एजेंसी। इजरायल की ससद ने रविवार को आधिकारिक तौर पर यह घोषणा कर दी है कि देश में अगला आम चुनाव 27 अक्टूबर 2026 को ही होगा। यह कानून द्वारा तय की गई आखिरी तारीख है। संसद ने एक बयान जारी कर साफ किया कि चूंकि वर्तमान सरकार अपना पूरा कार्यकाल खत्म करने जा रही है, इसलिए समय से पहले संसद को भंग करने के लिए किसी नए कानून को बनाने की कोई जरूरत नहीं है। सरकार के इस कदम के बाद इजरायल में समय से पहले चुनाव होने की तमाम अटकलों पर पूरी तरह से विराम लग गया है।

50 साल बाद पहली बार सरकार पूरा करेगी कार्यकाल

यह चुनाव इजरायल के राजनीतिक इतिहास के लिए बेहद खास है। पिछले करीब 40 सालों में यह पहली बार होने जा रहा है जब देश में चुनाव किसी विवाद के कारण समय से पहले न होकर, अपने बिल्कुल तय समय पर हो रहे हैं। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली यह गठबंधन सरकार पिछले 50 से अधिक वर्षों में अपना 4 साल का पूरा कार्यकाल सफलतापूर्वक समाप्त करने वाली पहली इजरायली सरकार बनने जा रही है। इससे पहले, मई के महीने में संसद भंग करने के पक्ष में हुए एक मतदान के बाद समय से पहले चुनाव होने का डर सताने लगा था।



चौतरफा चुनौतियों के बीच नेतन्याहू को राहत

जनता के गुस्से और भारी चुनौतियों के बावजूद नेतन्याहू के लिए राहत की बात यह है कि इजरायल के विपक्षी दल अभी तक बिखरे हुए हैं। विपक्ष के पास नेतन्याहू को टक्कर देने के लिए न तो कोई एकजुट रणनीति है और न ही कोई एक चेहरा। विपक्ष की इसी कमजोरी और स्पष्ट नेतृत्व की कमी को इस समय नेतन्याहू के गठबंधन के लिए सबसे बड़ी ताकत माना जा रहा है।

नेतन्याहू की साख पर 'जनमत संग्रह'

इस मतदान को व्यापक रूप से अक्टूबर 2023 में हमास के हमले और उसके बाद गाजा, लेबनान व ईरान के साथ छिड़े युद्धों के बाद, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की लोकप्रियता और नेतृत्व पर एक 'जनमत संग्रह' के रूप में देखा जा रहा है। युद्ध छिड़ने के बाद देश में यह पहला आम चुनाव होगा। 76 वर्षीय नेतन्याहू के लिए इस बार राह आसान नहीं है। प्री-पोल सर्वे के संकेत बताते हैं कि नेतन्याहू के दक्षिणपंथी और धार्मिक दलों के गठबंधन को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है और वे सत्ता से हाथ धो सकते हैं। हाल ही में ईरान के साथ हुए युद्ध के नतीजों और अक्टूबर 2023 में हमास के अचानक हुए हमले के बाद, नेतन्याहू की 'देश को सुरक्षित रखने' वाली छवि को गहरा धक्का लगा है, जिससे उनकी लोकप्रियता का ग्राफ तेजी से गिरा है। इसके अलावा, नेतन्याहू साल 2019 से ही भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों का सामना कर रहे हैं, जिनमें दोषी पाए जाने पर उन्हें जेल भी जाना पड़ सकता है।

अमेरिका का ईरान पर नया हमला शुरू

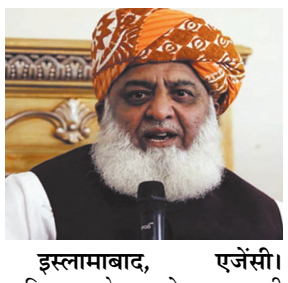
24 घंटे में दूसरी बार अमेरिकी सेना ने की कार्रवाई

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरानी सेना के होर्मुज स्ट्रेट में कमर्शियल जहाजों पर फायरिंग करने के बाद अमेरिका ने ईरान के खिलाफ नए हमले शुरू कर दिए, जिससे दोनों देशों के बीच नाजुक सीजफायर और बिगड़ गया। अमेरिकी कमांड सेंटर ने कहा, 'आज शाम 5 बजे ईटी पर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड की सेनाओं ने ईरान के खिलाफ और हमले शुरू कर दिए ताकि होर्मुज स्ट्रेट से आसानी से गुजरने वाले आम नाविकों और कमर्शियल जहाजों पर हमला करने की उनकी क्षमता को कम किया जा सके।' इसमें आगे कहा गया, 'कमांडर



इन चीफ ने ईरानी सेनाओं को जवाबदेह ठहराने के लिए हमलों का निर्देश दिया है।' अमेरिकी मीडिया द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने बताया कि 24 घंटे में ईरानी ठिकानों पर ये तीसरी अमेरिकी स्ट्राइक थी। एक सीनियर अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया गया कि नए हमले स्ट्रेट के पास और ईरान के तटीय इलाकों पर फोकस थे। अमेरिकी कमांड सेंटर के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स के अनुसार, लगभग उसी समय, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने समुद्री मार्ग से गुजर रहे सिविलियन जहाजों पर फायरिंग की। अमेरिकी मीडिया सीएनएन और द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, हॉकिन्स ने कहा कि अमेरिकी एयरक्राफ्ट ने एक ईरानी क्रूज मिसाइल और एक वन-वे अटैक ड्रोन को मार गिराया। हॉकिन्स ने द न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया, 'हम ईरान को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। ईरान के सरकारी मीडिया ने दक्षिणी ईरान के होर्मोजगान प्रांत के जस्क, केशम, बंदर अब्बास और सिरिक में धमाकों की खबर दी। सीएनएन ने कहा कि शुरू में किसी आम नागरिक के मरने या घर या दुकान को नुकसान होने की खबर नहीं मिली। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका का यह नया ऑपरेशन रविवार को होर्मुज स्ट्रेट के आसपास ईरानी मिसाइल और एयर-डिफेंस सिस्टम और आईआरजीसी की छोटी नावों पर किए गए हमलों के बाद हुआ।

पाकिस्तान में सेना बनाम सियासत?: 'राजनीति करनी है तो वर्दी उतारें' मौलाना फजलुर रहमान



इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सबसे प्रभावशाली धार्मिक और राजनीतिक नेताओं में से एक मौलाना फजलुर रहमान का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वे देश के सैन्य प्रतिष्ठान पर तीखा हमला करते दिख रहे हैं। उन्होंने सेना पर संवैधानिक भूमिका का उल्लंघन करने, राजनीति में हस्तक्षेप करने और हिंसाग्रस्त बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में राज्य का शासन बहाल करने में विफल होने का आरोप लगाया।

मौलाना फजलुर रहमान ने क्या कहा? : पंजाब के कसूर में एक रैली को संबोधित करते हुए जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने कहा कि सेना को अपनी संवैधानिक सीमाओं के भीतर रहना चाहिए। अगर वह राजनीतिक भूमिका निभाना चाहती है तो उसे चुनाव लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर आप राजनीति करना चाहते हैं, तो वर्दी उतारकर आएं। चुनावों में भाग लें। इससें यह साफ हो जाएगा कि लोग वर्दीधारी लोगों को कितने वोट देते हैं।' फजलुर रहमान ने पाकिस्तान की सुरक्षा स्थिति को लेकर दावा किया कि हिंसा के पश्तून-बहुसंख्यक क्षेत्रों में भी फैलने से पहले राज्य ने बलूचिस्तान के बड़े हिस्सों पर अपना नियंत्रण लगातार खो दिया था। उन्होंने पूछा 'देश बिखर रहा है। शासक कहां हैं?' 'बलूच क्षेत्रों में विद्रोह हुए थे। पूरा बलूच क्षेत्र पाकिस्तान के नियंत्रण से बाहर हो गया था। आज भी वहां पाकिस्तानी सरकार का कोई शासन नहीं है।' उन्होंने दावा किया कि बिगड़ती सुरक्षा स्थिति अब खैबर पख्तूनख्वा तक फैल गई है।

फजलुर रहमान की टिप्पणियों का कारण क्या था?

यह तीखी आलोचना पाकिस्तान सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की ओर से नागरिकों से आतंकवादी समूहों के खिलाफ लड़ाई में सेना के साथ खड़े होने का आग्रह करने के कुछ दिनों बाद आई है, जिसमें उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि व्यापक जन समर्थन के बिना सशस्त्र बल अकेले आतंकवाद को खत्म नहीं कर सकते। फजलुर रहमान ने अपील को सिरे से खारिज कर दिया और तर्क दिया कि देश की रक्षा करना सेना का संवैधानिक दायित्व है। नागरिकों से राज्य की लड़ाई लड़ने के लिए नहीं कहा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'लोग कहते हैं कि हमारे युवा शहीद बन रहे हैं। आपके युवा इसी उद्देश्य से वर्दी पहनते हैं। उन्हें देश की सुरक्षा की रक्षा के लिए वेतन दिया जाता है।' उन्होंने आगे कहा कि तुम अपने खून का एहसान मुझ पर क्यों थोप रहे हो? तुम हमारी मेहनत और पसीने से कमाए गए करों से अपना वेतन ले रहे हो।

इंडोनेशिया में दो ट्रकों की टक्कर से 13 लोगों की मौत

शादी से लौट रहे थे मेहमान, 5 घायल

जकार्ता, एजेंसी। इस वक्त की बड़ी खबर इंडोनेशिया के जावा द्वीप से सामने आ रही है। यहां एक दर्दनाक सड़क हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। ये सभी लोग एक शादी समारोह से लौट रहे थे, जिसमें यह बतौर मेहमान शामिल हुए थे। जानकारी के मुताबिक ये सभी लोग एक खुले पिकअप वैन में सफर कर रहे थे। इस दौरान एक विंग-बॉक्स ट्रक ने उनकी ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक दूसरी लेन में चली गई, जहां अन्य ट्रक ने उसमें टक्कर मार दी। इस तरह से दोनों ट्रकों की टक्कर से 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।



दो ट्रकों की टक्कर से हुआ हादसा : पुलिस ने सोमवार को बताया कि इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा पर एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक व्यस्त हाईवे पर शादी के लिए मेहमानों को ले जा रही एक पिकअप ट्रक दो ट्रकों के बीच कुचल गई। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए हैं। स्थानीय ट्रैफिक पुलिस प्रमुख उडांग शरीफ हिदायत ने बताया कि यह दुर्घटना रविवार दोपहर इंद्रामायु रीजेंसी के कियाजारन कुलोन गांव के पास उत्तरी तटीय हाईवे पर हुई। यह समूह पड़ोसी पारेन गांव में एक शादी में शामिल होकर घर लौट रहा था।

ओपन पिकअप में सवार थे मेहमान : ट्रैफिक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित एक खुली पिकअप ट्रक में यात्रा कर रहे थे। हाईवे पर यू-टर्न लेने के लिए जब गाड़ी धीमी हुई और मीडियन ओपनिंग के पास रुकी, तो उसी दिशा में आ रहे एक विंग-बॉक्स ट्रक ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। हिदायत ने कहा, 'टक्कर से पिकअप दूसरी लेन में चली गई, जहां उसे एक और ट्रक ने टक्कर मार दी। इस ज़बरदस्त टक्कर से पिकअप ट्रक में सवार एक दर्जन से ज़्यादा लोग हाईवे पर जा गिरे।'

हादसे में पांच लोग घायल : पुलिस ने बताया कि इस हादसे में घायल हुए 5 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं। उन्हें मामूली से लेकर गंभीर चोटें आई हैं। अधिकारी दुर्घटना के कारणों की जांच कर रहे हैं। इससे पहले हाल ही में पाकिस्तान में भी एक बस खाई में गिर जाने से 40 लोगों की मौत हो गई थी। बता दें कि इंडोनेशिया में सड़क दुर्घटनाएं आम हैं, जहां ओवरलोडेड गाड़ियां, सड़क सुरक्षा के अपर्याप्त उपाय और ट्रैफिक नियमों का ठीक से पालन न करना अक्सर जानलेवा दुर्घटनाओं का कारण बनता है।

आखिर कैसे हुआ हादसा?

स्थानीय यातायात पुलिस प्रमुख उदांग स्यारिफ हिदायत ने बताया कि यह हादसा रविवार दोपहर इंद्रामायु रीजेंसी के कियाजारन कुलोन गांव के पास उत्तरी तटीय हाईवे पर हुआ। सभी लोग पड़ोसी परेआन गांव में शादी समारोह में शामिल होने के बाद अपने घर लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार, सभी लोग एक खुली पिकअप में सवार थे। हाईवे पर यू टर्न लेने के लिए चालक ने डिवाइडर के कट के पास वाहन की रफ्तार धीमी की और उसे रोक दिया। तभी पीछे से उसी दिशा में आ रहे एक विंग बॉक्स ट्रक ने पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी। हिदायत ने बताया कि पहली टक्कर के बाद पिकअप सामने वाली लेन में जा पहुंची, जहां विपरीत दिशा से आ रहे दूसरे ट्रक ने भी उसे टक्कर मार दी।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.